दिशा पाटनी से ब्रेकअप के बाद टाइगर श्रॉफ की... पेज 12 पर

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● रांची ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 ● विक्रम संवत 2080 ● शुक्रवार, 11 अगस्त 2023 ● वर्ष-24 ● अंक- 189 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

॥ स्कॉलर्स को जोहार ॥

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा **पारदेशीय छात्रवृत्ति** एवं चेवनिंग मरङ गोमके **जयपाल सिंह मुंडा छात्रवृत्ति**

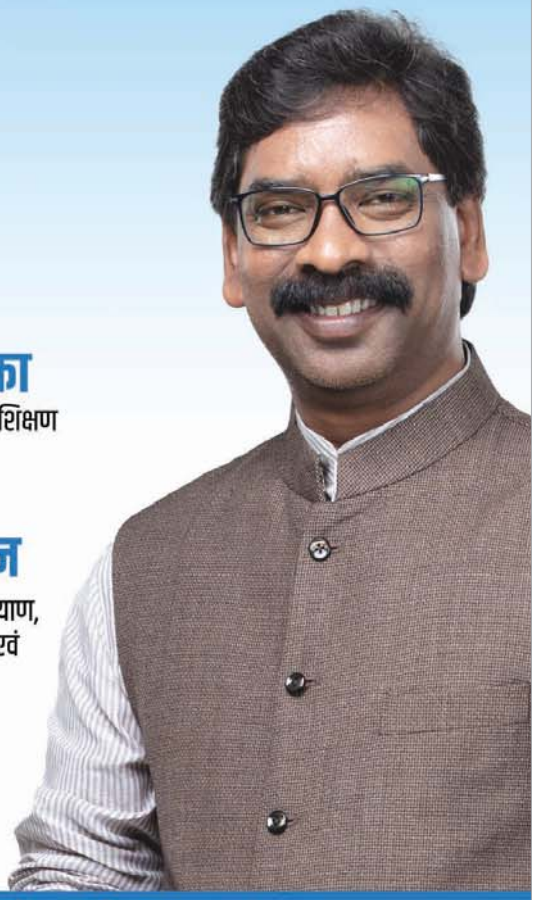

2023-2024

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग

श्री चंपई सोरेन
माननीय मंत्री, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग

श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण, पर्यटन, कला- संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग

दिनांक : 11 अगस्त 2023 | समय : अपराह्न 03:00 बजे
स्थान : प्रोजेक्ट भवन सभागार, रांची

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्यान विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 304413 (Schedule Tribe, Schedule Caste, Minority and Backward Class Welfare Department) 2023-24

मेरी मोटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत तोरपा में पौध रोपण और मिट्टी संग्रह

खूंटी। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत बुधवार को तोरपा प्रखंड के चुरगी गांव में पौधारोपण किया गया और वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत गांव की पवित्र मिट्टी का संग्रह किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि विधायक कोचे मुंडा, तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी दयानंद कारजी और अंचल अधिकारी सच्चिदानंद वर्मा ने गांव की मिट्टी का संग्रह कर पवित्र कलश में रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जुलाई को अपने मन की बात कार्यक्रम के 103 सस्करण के दौरान मेरी माटी मेरा देश अभियान की घोषणा की थी। विधायक ने कहा कि अभियान का उद्देश्य देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले बहादुर जवानों का सम्मान करना है। विधायक ने कहा कि शहीदों को सम्मान देने के लिए पूरे देश में यह अभियान चल रहा है।

एक्सआईएसएस में जीआईएस व रिमोट सेंसिंग कोर्स की पढ़ाई शुरू

'छात्रों के लिए नौकरी का बेहतर विकल्प'

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पिछले कुछ वर्षों में जीआईएस तथा रिमोट सेंसिंग के विषय में पढ़ाई और नौकरी की मांग में बेहतरीन बढ़ोतरी हुई है। कई छात्र जीआईएस प्रशिक्षित होने के लिए काफी इच्छुक हैं क्योंकि इस कोर्स को करने के बाद विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों में नौकरी के विकल्प खुल जाते है। इसी नए जॉब ट्रेंड को ध्यान में रखकर जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट मैनेजमेंट (पीजीसीएम) जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट कोर्स शुरू किया है। इस जीआईएस और रिमोट सेंसिंग कोर्स के नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है और इच्छुक विद्यार्थी 25 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन पर जाकर कर सकते हैं।इस कोर्स को दो सेमेस्टर में बांटा गया है जिसमें कुल 60 सीटें उपलब्ध हैं। डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस ने संस्थान में चल रहे इस कोर्स के विषय में कहा, जीआईएस तथा रिमोट सेंसिंग बहुत तेजी से लोकप्रियता प्राप्त करने वाला विषय बन कर उभरा है। इस कोर्स को करने के पश्चात, प्लेसमेंट के आंकड़ें भी बहुत बेहतरीन होते है, छात्र सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों में नौकरी प्राप्त करते हैं। जिन विषयों पर इस कोर्स में ध्यान दिया जाता है, उनमें प्रशिक्षण पाकर अवश्य की छात्र समाज की अधिक सेवा कर पाएंगे। जीआईएस और रिमोट सेंसिंग के छात्रों के लिए कोर्स का फीस 67,000/- रूपए और कार्यरत लोगों यानि वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए फीस 80,000/- रूपए निर्धारित किया गया है। जीआईएस और रिमोट सेंसिंग कोर्स में नामांकन लेने के लिए उम्मीदवार का किसी भी विषय में स्नातक के साथ 45% अंक होना आवश्यक है। इस कोर्स में 30 + 30 सीटों के दो बैच सुबह एवं शाम में संचालित होगी, पहली पाली सुबह 11.30 से शाम के 4:30 बजे तथा दूसरी पाली में शाम के 3 बजे से 6 बजे तक चलेगी।

जीआईएस और रिमोट सेंसिंग कोर्स के माध्यम से ध्योरी तथा हर विद्यार्थी के लिए अलग अलग कंप्यूटर के प्रावधान के साथ पर्याप्त लैब प्रैक्टिकल के द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाती है, ताकि कोर्स करने बाद विद्यार्थी रोजगार के उचित अवसर प्राप्त कर सकें। इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को सभी लेटेस्ट सॉफ्टवेयर और सर्वे उपकरणों का उपयोग करना सिखाया जाता है। भारत सरकार तथा राज्य के योजनाओं के अलग-अलग क्षेत्रों में इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है एग्रीकल्चर एंव सॉयल जियोसाइंस, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी, आपदा प्रबंधन, सर्वे ऑफ इंडिया, फॉरेस्ट्री, माइनिंग आदि विभिन्न क्षेत्रों में इसका उपयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है।

हाई कोर्ट में रांची हिंसा मामले में दो सप्ताह बाद होगी सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में रांची में पिछले वर्ष जुमे की नमाज के बाद 10 जून को हुई हिंसा की जांच एनआईए से कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से एनआईए जांच कराने के लिए दलील पेश की गयी। याचिकाकर्ता पंकज यादव की ओर से शपथपत्र दाखिल कर बताया गया कि यह घटना और हिंसा पूर्व नियोजित थी, हिंसा की योजना बनाने वाले बाहरी तत्व थे और उनका पीएफआई से संबंध है। वहीं वर्ष 2019 में डोरंडा उपद्रव में जो लोग शामिल थे, वहीं लोग रांची हिंसा की घटना में भी शामिल थे। इसलिए इस पूरी घटना की एनआईए से जांच जरूरी है। गुरुवार हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने इस जनहित याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने इस मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की है। पूर्व में एनआईए ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस घटना की जांच नहीं कर सकती, क्योंकि इस घटना में वैसा कुछ नहीं मिला है, जिसकी जांच एनआईए करे।

मॉर्निंग वाक कर रही महिला को संकट आने का झांसा देकर कंगन ठग कर हुए फरार

रांची। राजधानी रांची में पूजा पाठ व जीवन में संकट आने की बात कहकर ठगी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। चुटिया के बाद ठगों ने सदर थाना क्षेत्र में इसी तरह से एक महिला को ठगी का शिकार बनाया। उनसे सोने का कंगन ठग कर फरार हो गए। घटना गुरुवार की है। इस संबंध में सुलोचना सिंह ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। सुलोचना ने पुलिस को बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे वह कोकर इंडस्ट्रीयल एरिया में मॉर्निंग वॉक कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो लोग पहुंचे। उन्हें रास्ते में ही रोका। दोनों ने महिला से कहा कि तुम्हारे घर में बहुत संकट आने वाला है। पैसा या सोने की दान करो तो ही तुम्हारे घर से संकट दूर होगा। यह सुनकर सुलोचना घबरा गयी। उसने ठगों से कहा कि उसके पास पैसा नहीं है। महिला ने ठगों को अंगूठी निकाल कर दी। तभी ठग ने उनसे कहा कि सोने का कंगन पहनी हो उसे उतार कर दो। ठगों ने महिला को दो हजार रुपए का नोट निकाल कर दिया। लेकिन महिला ने पैसे लेने से इंकार कर दिया। इसी बीच ठगों ने उनके हाथ से कंगन खुलवा लिया और कहा कि वे सीधे बजरंग बली का मंदिर जाकर 11 बार भगवान का नाम लो।

खूंटी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्यता अभियान शुरू

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) खूंटी ने गुरुवार को जिला मुख्यालय के पिपरा टोली स्थित आइडियल हाई स्कूल में अपने सदस्यता अभियान की शुरूआत की। जिला संयोजक कमलेश महतो ने कहा कि यह संगठन विश्व का एकमात्र ऐसा छात्र संगठन है, जो जिले के विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के परिसर में शैक्षणिक समस्याओं को उठाकर उसे समाधान तक ले जाने का काम करती है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन से जुड़े और राष्ट्र पुनर्निर्माण में सहयोग करें। सह संयोजक प्रकाश टूटी ने कहा कि संगठन के माध्यम से व्यक्ति निर्माण के साथ राष्ट्र का पुनर्निर्माण करने के लिए प्रत्येक वर्ष सदस्यता अभियान के माध्यम से अपने विचारों से छात्र-छात्राओं को जोड़ने का काम करती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष खूंटी जिले के विभिन्न कॉलेज और स्कूलों में सदस्यता अभियान के माध्यम से 3000 छात्रों को इस संगठन से जोड़ने का लक्ष्य है। यह अभियान नौ सितम्बर तक चलेगा। अभियान के तहत आइडिल स्कूल की कक्षा नौ और दस की सभी छात्र-छात्राओं ने परिषद की सदस्यता ली। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य पंचू महतो और शिक्षिका सीमा सिंह ने सहयोग दिया।

अपराधियों पर कड़ी नजर रखें थाना प्रभारी : एसपी

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

एसपी कार्यालय के सभागार में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार की अध्यक्षता में मासिक क्राइम मीटिंग का आयोजन कियागया। मौके पर थानावार कांडों की समीक्षा की गई और मामलों के डिस्पोजल और वारंट कुर्की के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा एसपी ने की। क्राइम मीटिंग में एसपी ने सभी थानेदारों को निदेश दिया कि जमानत पर बाहर आनेवाले अपराधियों पर कड़ी नजर बनाए रखें। उन्होंने उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाने, अवैध अफीम से जुड़े कारोबारियों के विरुद्ध कारगर कार्रवाई करने और संदिग्धों पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। बैठक में डीएसपी मुख्यालय जयदीप लकड़ा, खूंटी एसडीपीओ अमित कुमार, तोरपा एसडीपीओ ओम प्रकाश तिवारी, सर्किल इंस्पेक्टर शाहिद रजा, दिग्विजय सिंह, खूंटी थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव समेत सभी थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय खूंटी के सभागार में गुरुवार को भूमि विवाद से संबंधित मामले में की जानेवाली अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अनुमंडल दंडाधिकारी अनिकेत सचान (भाप्रसे) ने जिले के पुलिस अधिकारियों को दंड प्रक्रिया संहिता (आइपीसी) और सीएनटी एक्ट के प्रावधानों में वर्णित कार्यवाही के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में जिले के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, पुलिस उपाधीक्षक जयदीप लकड़ा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार, तोरपा एसडीपीओ ओमप्रकाश तिवारी सहित जिले के सभी पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए।

सीसीएल रांची रेल मंडल के नए डीआरएम ने पदभार संभाला

रांची। रांची मंडल के नये मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। बिंद्रा ने प्रदीप गुप्ता से पदभार ग्रहण किया। बिंद्रा भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1996 बैच के अधिकारी हैं। उनके पास रेलवे एवं भारत सरकार के विभिन्न विभागों में काम करने का व्यापक अनुभव है। इस कार्यभार से पहले वे दिल्ली स्थित उत्तर रेलवे के मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक के रूप में कार्यरत रहे, जहां उन्होंने दूरगामी सिस्टम सुधार और नवाचारों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्धि हुई। बिंद्रा ने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में कार्य किया। इस दौरान वह महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड एमसीएल और सिंगरेनी कोल कंपनी लिमिटेड एससीसीएल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में भी शामिल रहे। वे रेलवे बोर्ड में निदेशक के रूप में भी कार्यरत रहे, जहां उन्हें उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

जल, जंगल और जमीन से बेदखल हुए तो आदिवासी समाप्त हो जाएंगे : चंपई सोरेन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 का गुरुवार को समापन हो गया। समापन समारोह भी बहुत आकर्षक रहा। समापन समारोह में जहां लोकगायक मुकुंद नायक ने समा बांधा वहीं इंटरनेशनल ब्यूटी क्वीन टूरिज्म विजेता रांची निवासी एंजेला मरीना तिर्की भी शामिल हुई और आदिवासियों का हौसला बढ़ाया। लोक कलाकारों का हौसला अफजाई करते हुए सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने भी नंदलाल नायक के साथ मांदर बजाकर झूमीं। समापन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन, कांग्रेस के मंत्री आलमगीर आलम, बादल पत्रलेख, झामुमो के मंत्री जोबा मांझी, हफीजुल हसन , पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय सहित मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, सीएम के प्रधान सचिव वंदना डाडेल, सीएम के सचिव विनय चौबे सहित कई लोग शामिल हुए। समापन समारोह के दौरान आदिवासी कल्याण मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि आदिवासी जिस दिन अपने जल, जंगल और जमीन से बेदखल हो जाएंगे, उस दिन समाप्त हो जाएंगे। इसका प्रयास सदियों से होता आया है जो अब तक जारी है। झारखंड की इतिहास की बात करें तो यहां पर कई आदिवासी क्रांतिवीर और नायक हुए जो सदियों से कभी अंग्रेजों से, कभी महाजनों से तो कभी शासन व्यवस्था से लोहा लेते आए। अंग्रेज तो आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन से बेदखल करने में विफल रहे मगर आजादी के बाद इसके प्रयास लगातार होते रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक सोच के साथ आगे बढ़े रहे हैं। विकास और संरक्षण दोनों पर एक साथ काम हो रहा है। हमारा मकसद आदिवासी और आदिवासियत दोनों को बचाने की है। इंटरनेशनल ब्यूटी क्वीन टूरिज्म विजेता एंजेल मरीना तिर्की ने कहा कि आदिवासी कभी भी अपने आप को किसी से कमजोर न समझें या आंकें। आप लोग भी वह सब कर सकते हैं तो जो अन्य लोग विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान कायम करते हैं। बस जरूरत है कड़ी मेहनत, लगन और निष्ठा की। कभी किसी से डरने या किसी से छोटा समझने की जरूरत नहीं है। हर क्षेत्र में आदिवासियों को भी सफलता मिलेगी। समापन समारोह में झारखंड के लोकप्रिय लोकगायक नंदलाल नायक ने आकर्षक नागपुरी गीत-संगीत पेश किया। इस पर पूरा परिसर झूमने को विवश हो गया।

बाइक के टक्कर से घायल युवक का इलाज के दौरान मौत

रांची। सदर थाना क्षेत्र के बड़गाई चौक के पास बाइक के धक्के से घायल युवक की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गयी। मृतक का नाम पप्पू राय है और वह धुर्वा जेपी मार्केट का रहने वाला था। इस संबंध में मृतक के भाई धर्मेंद्र राय ने सदर थाने में बाइक संख्या जेएच10सीडी7769 के चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। धर्मेंद्र ने पुलिस को बयान दिया है कि बीते 23 जुलाई को चेशायर होम रोड से बड़गाई चौक के तरफ जाने के क्रम में फायरिंग रेंज के पास रास्ता पार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक संख्या जेएच10सीडी7769 पर सवार दो लोग उनके भाई को धक्का मार दिया। जिससे उनका भाई सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उनके भाई को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह उसकी मौत हो गयी। धर्मेंद्र का आरोप है कि चालक बाइक तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था।

पशु चिकित्सा के लिए सरकार संवेदनशील, राज्य में जल्द शुरू होगी मोबाइल वेटनरी

ग्रामीणों और पशुओं के लिए 236 एम्बुलेंस प्रखंड स्तर पर रहेंगे तैनात

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कृषि मंत्री बादल ने कहा है कि सरकार की संवेदनशीलता राज्य की जनता के साथ-साथ यहां के पशुओं के लिए भी है। इसी के तहत पहले गौ मुक्तिधाम, फिर रेस्क्यू हैकिल का कार्य किया गया। आज इसी क्रम में पशु चिकित्सा की बेहतरी के लिए राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालय में मोबाइल वेटनरी का संचालन करने की तैयारी की जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज का चयन किया गया है यह एजेंसी देश के अन्य राज्यों में भी इस तरह का कार्य करता आ रहा है। इसके सहयोग से राज्य सरकार राज्य के पशुधन की सेहत की बेहतरी के लिए कार्य कर सकेगी। श्री बादल गुरुवार को नेपाल हाउस स्थित अपने कक्ष में झारखंड स्टेट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफैलो डेवलपमेंट, रांची के सीईओ प्रवीण झा और एएफक्ष ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के निदेशक श्री के कृष्णम राजू के बीच हुए एमओयू के उपरांत लोगों को संबोधित कर रहे थे। श्री बादल ने बताया कि विभाग द्वारा आधुनिक सुविधाओं से लैस 236 एम्बुलेंस खरीदे जा रहे हैं, जो ग्रामीणों के पालतू पशुओं की चिकित्सा संबंधी समस्या के समाधान के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि मोबाइल वेटनरी के लिए सरकार जल्द ही एक हेल्पलाईन नंबर जारी करेगी। श्री बादल ने कहा कि ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज द्वारा इस योजना के तहत पशु शल्य चिकित्सक, पैरावेट, ड्राइवर सहित आधुनिक सुविधाओं से लैस 236 एम्बुलेंस कार्यरत रहेंगे। इससे राज्य के किसानों और उनके पशुओं को तो लाभ मिलेगा ही साथ ही साथ पशु शल्य चिकित्सक, पैरावेट, ड्राइवर की नियुक्ति से रोजगार के भी अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन विभाग के सचिव अबू बक्कर सिद्दीख ने बताया कि एटफ्क्ष ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के साथ एम्बुलेंस एक्सटेंशन सर्विस के लिए टडव किया गया है। इनके द्वारा पशुचिकित्सा किसानों के घर पर पहुंचकर किया जाएगा।

उपायुक्त ने की श्रम नियोजन विभाग के कार्यो की समीक्षा

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में श्रम एवं नियोजनालय के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त ने श्रम विभाग द्वारा निबंधित श्रमिकों के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की। मौके पर जिला नियोजनालय पदाधिकारी ने बताया कि श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग झारखण्ड सरकार जिला नियोजनालय की ओर से शिक्षित बेरोजगारों का ऑनलाइन निबंधन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करते हुए अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों का निबंधन कराएं।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

आवश्यक सूचना

15 अगस्त 2023 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हजारीबाग नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत पशु वध एवं माँस–मछली की बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी।

अतः आदेश दिया जाता है कि दिनांक 15.08.2023 को कोई भी व्यक्ति पशु वध एवं माँस–मछली की बिक्री नहीं करें, पकड़े जाने पर उनके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग

PR 304376 Urban Development and Housing(23-24)#D

नयी पहल | चैंबर भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का किया गया उद्घाटन

'जिले के व्यापारियों को मिलेगी बेहतर सुविधा'

नवीन मेल संवाददाता। रांची

चैंबर भवन में नवनिर्मित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष और सौंदर्यीकृत पुस्तकालय का उद्घाटन गुरुवार को । वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव के द्वारा किया गया। वीसी हॉल के उद्घाटन के पश्चात चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने वित्त मंत्री की उपस्थिति में ही सभी जिलों के चैंबर ऑफ कॉमर्स व सम्बद्ध संस्थाओं के साथ संवाद कराया। ऑनलाइन रूप से जुड़े सभी जिलों के व्यापारियों ने अपने जिले की समस्याओं से मंत्री को संक्षेप में अवगत कराया। मौके पर खुशी जताते हुए चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि चैंबर भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल का निर्माण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल थी, जिसे हमने पूरा किया है। हमने देखा है कि कई बार आवश्यकता पड़ने पर या समयाभाव के कारण रांची से बाहर के जिलों के संगठनों और व्यापारियों से संपर्क संभव नहीं हो पाता है। बहरहाल, हमने अपने इस कार्यकाल में रांची की तर्ज पर बाहर के जिलों के व्यापारियों को भी साथ लेकर चलने की कोशिश की है जिससे बाहर के जिलों के व्यापारियों में फेडरेशन के प्रति विश्वास का माहौल बना है। सदस्यों के विश्वास को बढ़ाने और संवाद को बेहतर बनाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का निर्माण सहायक होगा। चैंबर के सह सचिव रोहित पोद्दार ने कहा कि आधुनिक रूप से सुसज्जित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष के निर्माण से प्रदेश के 24 जिलों के चैंबर ऑफ कॉमर्स, व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों के साथ परस्पर समन्वय बनाने में आसानी होगी। राज्य के राजस्व संग्रह में वृद्धि हेतु चैंबर महासचिव डॉ अभिषेक रामाधीन ने माननीय मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में मुख्यतः व्यवसायिक वाहनों के बकाया टैक्स की प्राप्ति हेतु वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाये जाने, राज्य जीएसटी सलाहकार समिति की बैठकों का नियमित आयोजन करने, बालू घाटों की नीलामी पर गंभीरतापूर्वक विचार करना शामिल है। कार्यकारिणी सदस्या सोनी मेहता ने कन्वेंशन सेंटर/एक्सपो सेंटरका निर्माण करने की भी बात कही। चैंबर भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष के निर्माण को व्यापार जगत के लिए अनुकूल बताते हुए माननीय वित्त मंत्री ने चैंबर के इस प्रयास की प्रशंसा की। यह भी कहा कि किसान और व्यापारी ही समाज और देश की अर्थव्यवस्था के मुख्य आधार हैं।

Khunti Nagar Panchayat

Very Short RFP (Request for Proposal)

3rd Call

NIT:KNP-19-2023-24 | Date 05-08-2023

Scaled Proposal from reputed Agency/Firms is invited for overall upkeep, maintenance & repair etc for the following works:

Sl No	Description of Package	Earnest Money (in Rs.)	Tender Fee (In s.)	Minimum Reserve Price (In Rs.)	Period Of Contract
1	Operation and maintainance of Sanitation Park, Khunti	25,000/-	5,000/-	2,00,000.00	2years

Proposal shall be accompanied by the EMD of Rs. 25,000/- (Rupees Twenty – Five Thousand only) EMD shall be either in the form of a Bank Guarantee/ Bankers' Cheque/ FDR drawn in favor of Executive Officer, Nagar Panchayat Khunti and payable at Khunti. The EMD of Successful agency shall be returned on submission of Performance Bank Guarantee. The Performance Bank Guarantee (BG) shall be 5% of annual Contract value as security Deposit.

Detailed Bid document can be purchased from the Office of Undersigned on any working day upto 17/08/2023 by 3:30 PM on payment of Tender Fee Rs. 5,000 (Rupees Five Thousand Only) (Non- Refundable) Through Demand Draft in favor of Executive Officer, Nagar Panchayat Khunti

The last date of submission of proposal in original along with EMD and Tender Fee is 17/08/2023 By 3:30 PM. The technical bid may be opened on 17/08/2023 at 4:00 PM at the office of Executive Officer, Nagar Panchayat Khunti. Executive Officer, Nagar Panchayat Khunti reserves the right to accept or reject an or all tenders in part or full without assigning any reason thereof.

Sd/-
Executive Officer, Nagar Panchayat Khunti

PR.NO.304345 Urban Development(23-24):D

ईश्वर में हमारा विश्वास

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • श्रावण कृष्ण पक्ष 10 • विक्रम संवत 2080 • शुक्रवार, 11 अगस्त 2023 • वर्ष-24 • अंक- 189 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

दिशा पाटनी से ब्रेकअप के बाद टाइगर ऑफ की... पेज 12 पर

NEWS इन ब्रीफ

सीएम हेमंत सोरेन के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आज (गुरुवार) जन्मदिन है। मुख्यमंत्री आज 48 साल के हो गये हैं। हेमंत सोरेन का जन्म 10 अगस्त, 1975 को रामगढ़ जिला के नेमरा में हुआ था। हेमंत सोरेन झामुमो के सुप्रीमो सह झारखंड अलग आंदोलन में अग्रिम भूमिका निभाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पुत्र हैं। मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर राज्य के कई नेताओं ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देते हुए भगवान से उनकी अच्छी सेहत खुशी और दीर्घायु रहने की प्रार्थना की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बाबा बैद्यनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना करता हूं।

सड़क हादसे में भाजपा नेता के पुत्र की मौत

रांची। तमाड़ थाना क्षेत्र में तमाड़ विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी रही रीता मुंडा के पुत्र रोशन मुंडा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी है। थाना क्षेत्र के तमाड़-खूंटी पथ पर मोंटू साहू सीमेंट दुकान और विष्णु मंदिर के समीप स्कूटी से तमाड़ की ओर जा रहे (22) रोशन मुंडा की मौत हो गयी है।

यौन शोषण मामले में आरोपी की जमानत याचिका खारिज

रांची। लव जिहाद और यौन शोषण के आरोप में जेल में बंद कोचिंग संचालक तनवीर अख्तर की जमानत याचिका खारिज हो गई है। गुरुवार को अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार ने जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया। रांची पुलिस ने तनवीर को 14 जून को बिहार के अररिया से गिरफ्तार किया था।

धनबाद के विधायक के बेटे के साथ मारपीट, चार युवक गिरफ्तार

नोएडा। एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले झारखंड के धनबाद के विधायक के बेटे के साथ नोएडा के रहने वाले कुछ लोकल लड़कों ने मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर चार लड़कों को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला नोएडा के थाना 126 सेक्टर का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर 126 कोतवाली पुलिस को सूचना मिली की झारखंड के धनबाद के विधायक का बेटा आदित्य एमिटी यूनिवर्सिटी में बीए की पढ़ाई कर रहा है और रावपुर स्थित पीजी में रहता है।

लोकसभा में गिरा विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव

1963 के बाद 27 बार अविश्वास प्रस्ताव पर हुई वोटिंग

विपक्ष कर गया था वॉकआउट

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के इतिहास में गुरुवार का दिन ऐतिहासिक रहा,जब मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी गठबंधन की ओर से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में गिर गया। अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिरा, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बोलने के दौरान ही विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए थे। इस बीच कांग्रेस के नेता सदन अधीर रंजन चौधरी को सदन की कार्यवाही से उनके व्यवहार के खिलाफ विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का उत्तर देने के दौरान चौधरी बार-बार प्रधानमंत्री के भाषण के बीच में हस्तक्षेप कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री को भगोड़े आर्थिक शेष पृष्ठ 11 पर

पीएम मोदी ने क्या कहा

पीएम मोदी ने 2018 में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा था कि विपक्ष 2023 में भी अविश्वास प्रस्ताव लाएगा। अब पीएम मोदी ने एक बार फिर 2024 के चुनाव में जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ने का दावा किया है और कहा है कि विपक्ष 2028 में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएगा।

राहुल गांधी ने कहा

अपने 35 मिनट के भाषण में कहा था- हमारे प्रधानमंत्री आज तक मणिपुर नहीं गए। उनके लिए मणिपुर हिंदुस्तान नहीं है। मैं रिलीफ कैंप गया। महिलाओं-बच्चों से बात की। पीएम आज तक नहीं गए क्योंकि उनके लिए मणिपुर हिंदुस्तान नहीं है। सेना एक दिन में वहां शांति ला सकती है।

कांग्रेस ने क्या कहा

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने वॉकआउट करने को लेकर कहा, "मणिपुर के मुद्दे पर आज भी पीएम 'नीरव' ही बने रहे। 'नीरव' रहने के चलते मैंने सोचा कि नया नीरव मोदी देखने का क्या फायदा। इनके दरबारी सारी बात कह चुके हैं। पीएम मोदी जो दोहराते हैं वो ही बात उनके दरबारी कह चुके हैं।" उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी को कांग्रेस का डर सताता है। अविश्वास प्रस्ताव गिरना पहले से क्यों तय था? विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव पहले से गिरना तय था क्योंकि बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पास बहुमत है। वहीं विपक्षी दलों के पास संख्याबल नहीं है। हालांकि विपक्षी दल कहते रहे हैं कि मणिपुर मुद्दे पर पीएम मोदी के संसद में बयान देने को लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।

माओवादियों का टॉप लीडर प्रमोद मिश्र गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो मेंबर और टॉप लीडर्स में से एक प्रमोद मिश्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसपर झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश में नक्सली वारदातों के दर्जनों मामले दर्ज हैं।

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित कई राज्यों में नक्सली संगठनों के विस्तार में उसका अहम रोल रहा है। उसने झारखंड-बिहार की सीमा पर गया जिले में किसी ठिकाने पर पनाह ले रखी थी। इसके कुछ महीने पहले तक वह झारखंड के सारंडा इलाके में सक्रिय था। बिहार के गया जिले की पुलिस ने उसे उसके एक सहयोगी अनिल यादव के साथ पकड़ा है। हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की गई है। प्रमोद मिश्रा की गिनती माओवादियों के संगठन में देश के स्तर पर मास्टरमाइंड और प्रमुख रणनीतिकार के रूप में होती है। वह वर्षों तक जेल में रहा और 2017 में सबूत के अभाव में छूटने के बाद भूमिगत हो गया। शेष पृष्ठ 11 पर

आदिवासी महोत्सव- 2023 के समापन समारोह के अवसर पर बोले सीएम

आदिवासियों का अस्तित्व नहीं होगा खत्म

ट्राइबल आईडेंटिटी की तलाश अभी भी जारी

सरना अलग धर्म कोड के लिए संघर्ष जारी रहेगा

जनरेशन- टू- जनरेशन संघर्ष करने की प्रेरणा मिली है

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक आदिवासी मुख्यमंत्री हूं। आज देश की सवा सौ करोड़ की आबादी में तेरह करोड़ आदिवासी हैं। इन आदिवासियों की आईडेंटिटी बरकरार रखने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव- 2023 के समापन समारोह के अवसर पर अदिवासियतः एक जीवन शैली को लेकर आयोजित परिचर्चा में

अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सभी आदिवासी समुदायों को कनेक्ट करने का प्रयास कर रही है। इन्हें विकास से जोड़ा जा रहा है। सरकार में ऐसे कई निर्णय लिए हैं, जिनसे आदिवासियों को एक अलग आईडेंटिटी मिल रही है।

ट्राइबल आइडेंटिटी क्या है? इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्राइबल आईडेंटिटी की तलाश अभी भी जारी है। झारखंड राज्य की उत्पत्ति भी ट्राइबल आइडेंटिटी के साथ हुई है। लेकिन, आज भी यह अपनी वजूद की लड़ाई लड़ रहे हैं। एकीकृत बिहार और अलग झारखंड राज्य बनने के बाद कभी भी आदिवासी महोत्सव का आयोजन नहीं हुआ। लेकिन, हमारी सरकार पिछले दो वर्षों से आदिवासी शेष पृष्ठ 11 पर

जल जंगल-जमीन आदिवासियों की पहचान है

आदिवासी को लेकर कंट्रोवर्सी पर पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के लिए केंद्र और राज्य सरकार के अलग मंत्रालय और विभाग हैं। लेकिन आदिवासियों के नाम पर कॉन्ट्रोवर्सी पैदा हो रही है । कभी इसे वनवासी कहा जाता है तो कभी कुछ और। मेरा मानना है कि आदिवासी जल जंगल जमीन से जुड़े हैं, और यही उनकी पहचान भी है।

पर्यावरण संरक्षण और क्लाइमेट चेंज को लेकर सरकार प्रतिबद्ध

आदिवासियों की पहचान को बरकरार रखते हुए जल- जंगल- जमीन और विकास के बीच कैसे संतुलन स्थापित करेंगे? सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर आज बड़ी-बड़ी संस्थाएं काम कर रही हैं। बड़े-बड़े होटलों में सेमिनार, संगोष्ठी और कार्यशाला जैसे कई कार्यक्रम होते हैं। लेकिन, क्लाइमेट चेंज पर लगाम नहीं लग रहा है। आखिर ऐसा क्यों? मेरा मानना है कि जो नीति निर्धारक होते हैं , वे क्लाइमेट चेंज को लेकर बहस तो करते हैं , लेकिन जब नीति निर्धारण की बारी आती है तो नियंत्रण करने की बजाय इसे बिगाड़ देते हैं। दूसरी ओर आदिवासियों का जल जंगल और जमीन से गहरा नाता है । हमारी सरकार क्लाइमेट चेंज को नियंत्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सरकार अपने आवासीय परिसर में एक पेड़ लगाने वालों को 5 यूनिट बिजली फ्री दे रही है । इसी तरह के और भी कई निर्णय लिए गए हैं।

आदिवासियों को विकास से जोड़कर आगे बढ़ा रहे हैं

आदिवासी महोत्सव आयोजित करने के पीछे की क्या सोच है और आदिवासियों के विकास और पहचान के साथ राज्य कैसे आगे बढ़ेगा? इस प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सबसे ज्यादा खनिज झारखंड में मिलता है। देशभर के इंडस्ट्रीज झारखंड के खनिजों से चलते हैं लेकिन फिर भी यह राज्य पिछड़ा और यहां के लोग गरीब हैं। जब हमारी सरकार बनी तो हमने इस पर गंभीरता से विचार किया तो पता चला कि यहां के आदिवासियों की पहचान को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है । यह कहीं ना कहीं आदिवासी के साथ साथ काफी विचित्र स्थिति थी। ऐसे में हमारी सरकार ने आदिवासियों को विकास से जोड़कर और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया है । इस दिशा में हमने ऐसा कई ऐसा निर्णय लिए हैं, जो काफी सालों पहले लागू हो जाने चाहिए थे, लेकिन दुर्भाग्य से लागू नहीं हो सका।

दुकान में लगी आग, होटल का कर्मचारी जिंदा जला

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के जगन्नाथ चौक के पास एक दुकान में आग लगने की वजह से पुरुलिया का एक कारीगर जिंदा जल गया।मृतक धुर्वा के ही एक होटल का कर्मचारी था। रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में एक दुकान में आग लगने की वजह से पुरुलिया के रहने वाले कारीगर बबलू महतो की दर्दनाक मौत हो गई। बबलू महतो होटल में मिठाई और दूसरे तरह के व्यंजन बनाने का काम किया करता था। धुर्वा के ही रहने वाले रंजन नाम के व्यक्ति के होटल में बबलू काम किया करता था। होटल मालिक के द्वारा होटल के ही सामने एक छोटा सा दुकान लिया गया था, जिसे स्टोर और रेस्ट रूम के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। बबलू सहित होटल के दूसरे कर्मचारी भी उसी रेस्ट हाउस में सोया करते थे। बुधवार को ही बबलू के साथ काम करने वाले कर्मचारी धन रोपनी को लेकर पुरुलिया लौट गए थे। बबलू को भी शुक्रवार को वापस लौटना था। लेकिन उससे पहले उसकी मौत हो गई। रांची के धुर्वा थाना प्रभारी ने बताया कि बबलू महतो दुकान के अंदर ही सोया हुआ था ,दुकान में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी, जिसमें बबलू की मौत हो गई। अंदेशा जताया जा रहा है कि धुएं की वजह से बबलू बिहोस हो गया होगा, इसी बीच आग फैली जिसमें वह जल गया। गुरुवार के अहले सुबह कुछ लोगों ने दुकान में आग लगे हुए देखा जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

ईडी ने प्रेम प्रकाश को प्रोडक्शन रिमांड पर लिया

रांची। ईडी ने रांची में जमीन घोटाले से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के केस में सत्ता के गलियारे में चर्चित रहे प्रेम प्रकाश को प्रोडक्शन रिमांड पर लिया है। अवैध खनन केस में जेल में बंद प्रेम प्रकाश को ईडी ने अब इस केस में आरोपी बना दिया है। प्रेम प्रकाश से ईडी ने इस केस में तीन व चार अगस्त को रांची जेल में जाकर पूछताछ की थी। ईडी ने पीएमएलए कोर्ट को जानकारी दी है कि प्रेम प्रकाश के पास जानकारी थी कि रांची में फर्जी कागजात तैयार कराने वाला गिरोह है। इस गिरोह के द्वारा जिस जमीन की फर्जी डीड तैयार की गई थी, उसे गलत तरीके से प्रेम प्रकाश ने अपने करीबी पुनीत भार्गव के नाम पर लिया, इसके बाद पुनीत ने इसे विष्णु अग्रवाल को बेचा था।

डुमरी विस सीट पर उपचुनाव के लिए बने 373 मतदान केंद्र, नामांकन प्रक्रिया शुरू

नवीन मेल संवाददाता। रांची

डुमरी विधानसभा सीट पर पांच सितंबर को होने वाले उपचुनाव को लेकर गुरुवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। आठ अगस्त को चुनाव आयोग द्वारा किए गए ऐलान के अनुसार 17 अगस्त तक नामांकन पत्र जमा होंगे जबकि 18 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच और 21 अगस्त तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतगणना का कार्य 8 सितंबर को होगा और 10 सितंबर तक चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस सीट पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री और डुमरी से विधायक रहे जगरनाथ महतो के बीते छह अप्रैल को निधन हो जाने का कारण उपचुनाव कराए जा रहे हैं। डुमरी विधानसभा में यह छठा उपचुनाव होगा। इससे पहले रामगढ़, मांडर, बेरमो, मधुपुर, दुमका और गोड्डा विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो चुके हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार डुमरी के एसडीएम को निवाचीं पदाधिकारी बनाया गया है। मतगणना का कार्य 8 सितंबर को होगा और 10 सितंबर तक चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस गिरोह के द्वारा जिस जमीन की फर्जी डीड तैयार की गई थी, उसे गलत तरीके से प्रेम प्रकाश ने अपने करीबी पुनीत भार्गव के नाम पर लिया, इसके बाद पुनीत ने इसे विष्णु अग्रवाल को बेचा था। अनुसार दस्तावेजों के सहारे मतदान कर सकेंगे। उपचुनाव में 373 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसमें डुमरी प्रखंड में 199, नावाडीह में 129, चन्द्रपुरा में 45 मतदान केन्द्र हैं। इन मतदान केंद्रों में 199 संवेदनशील और 83 अति संवेदशील मतदान केन्द्र हैं जबकि अन्य 91 मतदान केंद्र सामान्य हैं। अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती होगी। इसे लेकर तैयारी शुरू हो गई है। यह मतदान केन्द्र 240 भवनों में बनाए गए हैं। उपचुनाव में भाग लेने वाले कुल वोटरों की संख्या दो लाख 98 हजार 629 है। इसमें पुरुष वोटरों की संख्या 82,840 तो महिला वोटरों की संख्या 76,755 है। वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में इस सीट पर 69.74 प्रतिशत मतदान हुआ था।

कृष्णा साहा की बेल याचिका पर फैसला 16 को

रांची। मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के सहयोगी और साहिबगंज के खनन व्यापारी कृष्णा साहा की जमानत याचिका पर गुरुवार को ईडी कोर्ट में सुनवाई हुई। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत मामले में 16 अगस्त को फैसला सुनायेगी। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की। कृष्णा साहा की ओर से अधिवक्ता विनीत बोरिस एक्का और नदीमुद्दीन ने बहस की। इससे पहले कृष्णा साहा की जमानत याचिका पर 31 जुलाई को सुनवाई हुई थी। सुनवाई के बाद अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

कैग ने रेलवे को घाटे कम करने के दिए सुझाव

यात्री ट्रेनों में कमाई से अधिक हुआ खर्च

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने रेल मंत्रालय पर अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया है कि परिचालन अनुपात (ओआर) 2020-21 में 97.45 प्रतिशत के मुकाबले 2021-22 में 107.39 प्रतिशत था। क्योंकि रेलवे शुद्ध अधिशेष उत्पन्न नहीं कर सका।

8 अगस्त को रेलवे के वित्त पर सीएजी की 2023 की रिपोर्ट संख्या 13 में बताया गया कि बजट अनुमान में 96.15 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले, 2021-22 में रेलवे का परिचालन अनुपात 107.39 प्रतिशत था। रिपोर्ट में कहा गया, इसका मतलब है कि रेलवे ने 100 रुपये कमाने के लिए 107.39 रुपये खर्च किए। 2020-21 के दौरान 97.45 प्रतिशत के परिचालन अनुपात की तुलना में, 2021-22 में गिरावट आई। ऑपरेटिंग अनुपात कामकाजी खर्चों के अनुपात को दर्शाता है और उच्च अनुपात अधिशेष उत्पन्न

करने की खराब क्षमता को इंगित करता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर रेलवे के पेंशन भुगतान पर खर्च को पूरा करने के लिए आवश्यक 51,215.94 करोड़ रुपये की वास्तविक राशि (48,100 करोड़ रुपये के बजाय) पेंशन फंड में विनियोजित की गई होती, तो रेलवे के कामकाजी खर्च में वृद्धि होती। बढ़े हुए कामकाजी खर्चों के साथ, 2021-22 में ओआर 107.39 प्रतिशत के बजाय 109.02 प्रतिशत होगा। इस प्रकार रेलवे द्वारा दिखाया गया 107.39 प्रतिशत का ओआर रेलवे के वास्तविक वित्तीय प्रदर्शन को नहीं दर्शाता है।"

रिपोर्ट में कहा गया है, फिर से, अगर रेलवे के डीआरएफ भुगतान पर व्यय को पूरा करने के लिए आवश्यक वास्तविक राशि (661.01 करोड़ रुपये) को डीआरएफ (शून्य के बजाय) में विनियोजित किया गया होता, तो रेलवे के कामकाजी खर्च में वृद्धि होती। बढ़े हुए कामकाजी खर्चों के साथ, 2021-22 में ओआर 107.39 प्रतिशत के बजाय 109.36 प्रतिशत होगा। इस प्रकार रेलवे द्वारा दिखाया गया 107.39 प्रतिशत का ओआर रेलवे के वास्तविक वित्तीय प्रदर्शन को नहीं दर्शाता है।

लेखापरीक्षा विश्लेषण से यह भी पता चला कि छह जोनल रेलवे - पूर्वी तट, उत्तर मध्य, दक्षिण मध्य, दक्षिण पूर्वी, दक्षिण पूर्व मध्य और पश्चिम मध्य रेलवे का परिचालन अनुपात 100 प्रतिशत से कम था, इसमें पूर्वी तट का परिचालन अनुपात 54.58 प्रतिशत पर सर्वोत्तम था। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि ग्यारह जोनल शेष पृष्ठ 11 पर

अवैध हथियार व गोली के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

खूंटी। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खूंटी थाना की पुलिस ने गुरुवार को शहर के तोरपा रोड स्थित पीपल चौक से हथियार और गोली के साथ दो अपराधियों को धर दबोचा। गिरफ्तार अपराधियों में शहर के मोहन टोली में रहनेवाले मूलतः बिहार औरंगाबाद के रफीगंज थानांतर्गत हिसरा गांव निवासी नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बॉबी (19) और तोरपा रोड स्थित छत्रपाल नगर निवासी अभिजीत नाग उर्फ गुड्डू (22) शामिल हैं। उनके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक गोली और एक मोबाइल बरामद किया है। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि दो अपराधी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए हथियार के साथ पीपल चौक के पास भ्रमणशील हैं।

वाहनों से लूटपाट के 5 दोषियों को एक साल की सजा, जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता। दुमका

वाहनों से लूटपाट के एक मामले में न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी विजय कुमार यादव की अदालत ने गुरुवार को पांच दोषियों को सजा और जुर्माना सुनाया। न्यायालय ने जिले के गोपीकांदर में वर्ष 2017 में वाहनों से लूटपाट के मामले में दोषी करार देते हुए सजा सुनाया है। न्यायालय ने थाना कांड संख्या 78/17 के भादवी की धारा 170 में पांच गवाहों की गवाही पर पांचों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाया। न्यायालय ने अभियुक्तों में पथरगामा, गोड्डा के राजकुमार भगत उर्फ लड्डू भगत, साहेबगंज के संजय यादव, पंकज यादव, अजय यादव एवं गणेश यादव को दोषी करार देते हुए एक साल और 25 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर, 2017 को बिहार के सुपौल निवासी ट्रक चालक कमलाकांत मुखिया ने गोपीकांदर थाना में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों को धर दबोचा। पुलिस मामले में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। केस में पैरवी एएसआई सुधीर कुमार ठाकुर कर रहे थे। सरकार का पक्ष एपीपी खुशुबबीन अली रख रहे थे।

झामुमो ने मनाया सीएम का जन्मदिन, काटा केक

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय प्रखंड झामुमो ने 10 अगस्त गुरुवार को तारातांड में सीएम हेमंत सोरेन का जन्मदिन मनाया. केक काटकर हेमंत सोरेन की लंबी उम्र की कामना की. इस मौके पर बैठक प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक भी हुई, जिसमें कई निर्णय लिए गए. गांडेय विधायक डॉ. सरफराज अहमद बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. साथ ही पार्टी का केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर उन्हें बधाई दी. डॉ. सरफराज अहमद ने कहा की आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिन है. विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी. बैठक में 22 अगस्त को शहीद किशुन मरांडी की पुण्यतिथि मनाने का निर्णय लिया गया. इसकी तैयारी के लिए एक कमेटी का गठन भी किया गया. मौके पर जिप सदस्य प्रतिनिधि गोपीन मुर्मू, बीस सूत्री अध्यक्ष ध्रुवदेव पंडित, बबली मरांडी, मुखिया कादिर अंसारी, मकसूद आलम, जब्बार अंसारी, भीम सिंह, गुलाब मंडल, रामजीत मुर्मू आदि मौजूद थे.

डीसी ने की कृषि, पशुपालन, मत्स्य अन्य विभागों के साथ समीक्षा बैठक

माह के अंत तक सुधार लाएं : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। जिले के कृषि, गव्य, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं भूमि संरक्षण विभाग में चल रही योजनाओं की गुरुवार 10 अगस्त को डीसी वरुण रंजन ने समीक्षा की. डीसी ने योजनाओं की धीमी रफ़्तार पर नराजगी जाहिर की. संबंधित पदाधिकारियों को हर हाल में माह के अंत तक योजनाओं का लाभ लाभुकों को प्रदान करने का निर्देश दिया. उन्होंने ऋण माफी योजना में लंबित लाभुकों को जल्द से जल्द ई-केवाईसी करवाकर योजना का लाभ पहुंचाने को कहा. उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना कृषकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. अग्रणी जिला प्रबंधक से समन्वय स्थापित कर लंबित किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदनों को यथाशीघ्र स्वीकृत करें. मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत पशुपालकों को लाभ पहुंचाना जिला पशुपालन विभाग का सबसे प्रमुख काम है. इसके लिए जिला गव्य विकास पदाधिकारी को इस योजना के संबंध में कृषि मित्रों के सहयोग से व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने का निर्देश दिया. बैठक में ऋण माफी योजना, पीएम किसान योजना, केसीसी, बीज वितरण, पैक्स, गोदाम निर्माण, फसल रहता, सुखाड़ राहत, रंगीन मछली इकाई, केज कल्चर, मछली एवं बत्तख पालन, तालाब जीर्णोद्धार योजना, डीप बोरिंग, मशरूम उत्पादन, फलदार वृक्ष और फूलों की खेती, लाभुकों के चयन, पशु चिकित्सालय, बकरा एवं शूकर विकास, गौ वितरण, डेयरी समेत कई योजनाओं की समीक्षा की. कृषि पदाधिकारी शिव कुमार राम, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी मधुकर शुक्ला, जिला सहकारिता पदाधिकारी रुमा झा, जिला उद्यान पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक निर्मल पांडेय, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार सिन्हा, जिला मत्स्य पदाधिकारी उषा किरण समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे.

बेरमो : होल्डिंग टैक्स में वृद्धि के खिलाफ भूख हड़ताल जारी

बोकारो। नगर परिषद फुसरो क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स व पानी कनेक्शन चार्ज बढ़ाने के विरोध में युवा व्यवसायी संघ का नप कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रहा. 10 अगस्त को संघ के कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण कुमार व मोहम्मद जावेद खान भूख हड़ताल पर रहे. इनका व्यवसायी सहित सभी पार्टी के नेताओं ने भी समर्थन दिया. संघ के संयोजक देवी दास ने कहा कि प्रशासन और सरकार दोनों तानाशाह बने हुए हैं. अगर इस सकितिक भूख हड़ताल से भी सरकार नहीं चेती तो उग्र आंदोलन की जाएगी. उन्होंने कहा कि 11 अगस्त से सड़क पर उतरेंगे और बाजार बंद करवाएंगे. भाजपा नेता राजेश सिंह ने कहा कि भूख हड़ताल लोकतंत्र में अंतिम विकल्प है. कांग्रेसी नेता गिरजाशंकर पांडेय ने पहुंचकर हौसला अफजाई किया. अनुमंडलीय अस्पताल बेरमो के चिकित्सकों द्वारा भूख हड़ताल में बैठे लोगों का मेडिकल जांच कर उपचार की जा रही है.

डीसी और एसपी ने कलस्टर व मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला प्रशासन डुमरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारी में जुट गया है. मतदान 5 सितंबर को होना है. बोकारो के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने 10 अगस्त गुरुवार को नावाडीह प्रखंड के विभिन्न कलस्टरों व मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. उनके साथ बेरमो एसडीओ शैलेश कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी नावाडीह अंचलाधिकारी अशोक कुमार भी थे. सभी पदाधिकारियों ने कलस्टर केंद्रों पर सेक्टर दंडाधिकारियों व मतदान कर्मियों के ठहरने व्यवस्था पर चर्चा की. केंद्र पर पेयजल, शौचालय, लाइट, पंखा, जनरेटर आदि की समुचित व्यवस्था करने को कहा, ताकि मतदान कर्मियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो. इस दौरान

डीसीझएसपी समेत अन्य पदाधिकारियों ने नावाडीह प्रखंड के हाईस्कूल बिरनी, प्लस टू उच्च विद्यालय भेंडरा, मध्य विद्यालय सहरिया, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस नावाडीह, मध्य विद्यालय आहरडीह, मध्य विद्यालय सुरही आदि कलस्टर व बूथों का जायजा लिया और क्षेत्र के थाना प्रभारी व अन्य पुलिस पदाधिकारियों को सुरक्षा से संबंधित जरूरी दिशा-निर्देश दिए. डीसी ने वोटरों की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर प्रतीक्षालय की व्यवस्था करने को कहा. मौके पर नावाडीह बीडीओ प्रशांत कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दुबे समेत विभिन्न थानों के थाना प्रभारी मौजूद थे. ज्ञात हो कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र में बोकारो जिले के नावाडीह व चंद्रपुरा प्रखंड के कुल 174 मतदान केंद्र, जबकि गिरिडीह जिले के 199 मतदान केन्द्र आते हैं.

27-28 को धनबाद आएंगे बाबूलाल मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद बाबूलाल मरांडी की पहली धनबाद आगमन पर स्वागत की तैयारी को लेकर जिला कार्यालय में गुरुवार 10 अगस्त को एक बैठक हुई. ग्रामीण जिलाध्यक्ष जिलाध्यक्ष ज्ञान रंजन सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष सह निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि 27 और 28 अगस्त को बाबूलाल मरांडी संकल्प यात्रा के तहत कई कार्यक्रम में शामिल होंगे. ग्रामीण जिला अध्यक्ष ज्ञान रंजन सिन्हा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत करमदाहा पुल के पास किया जाएगा. इसके बाद दो दिनों में वे टुंडी, निरसा और सिंदरी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. साथ ही 29 अगस्त को न्यू टाउन हॉल में धनबाद विधानसभा के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे. इसे लेकर विधायक राज सिन्हा के नेतृत्व में तैयारी चल रही है. बैठक में 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम, तिरंगा यात्रा और 14 अगस्त को पाकिस्तान के विभाजन को लेकर काला दिवस मनाने की भी रणनीति बनाई गई. बैठक में धरमजीत सिंह, तारा देवी, जेबा मरांडी, घनश्याम ग्रोवर, राम नारायण भगत, रमेश महतो, फिरोज दत्ता, संजय महतो, अमर मंडल, रति रंजन गिरी, विपिन चंद्र दा, सुरजीत चंद्रा, सुरेश महतो, अखिलेश तिवारी, राजेश सिंह, राजेश चौधरी, बाप्पी चक्रवर्ती व अन्य उपस्थित थे.

कमिश्नर ऑफ रेल सेफ्टी ने किया धनबाद स्टेशन का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। पूर्व मध्य रेल हाजीपुर की सीआरएस की टीम ने गुरुवार 10 अगस्त को धनबाद जंक्शन का निरीक्षण किया. टीम का नेतृत्व पूर्वी सर्किल के कमिश्नर ऑफ रेल सेफ्टी (सीआरएस) शुभमय मित्रा कर रहे थे. धनबाद पहुंचे टीम के सदस्यों ने रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) बिल्डिंग का निरीक्षण कर वहां के कर्मचारियों से जानकारी ली. इस दौरान टीम के सदस्यों ने अधिकारियों को भी कई दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने बताया कि पूर्व मध्य रेल के सीआरएस की ओर से रूटीन निरीक्षण किया गया है. जिसमें आरआरआई, आरटीआई रनिंग, फ्लैग, ट्रैक, सिग्नल पॉइंट का निरीक्षण शामिल है. उड़ीसा के बालासोर में हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना के बाद देश भर के सभी रेलवे स्टेशनों पर सिग्नलिंग सिस्टम की जांच की जा रही है. छोटी सी गड़बड़ी या खामी मिलने पर उसे ठीक कराया जा रहा है. इसी कड़ी में सीआरएस की टीम ने निरीक्षण के लिए धनबाद पहुंची. वहीं रेलवे के विभागीय सूत्रों के अनुसार 11 अगस्त को महाप्रबंधक (जीएम) अनुपम शर्मा के भी धनबाद आने की संभावना है.

मांग को लेकर मृत कर्मियों के आश्रितों ने किया प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। झमाडा के मृत कर्मियों के आश्रितों ने गुरुवार 10 अगस्त को पत्नी व बच्चों के साथ प्रदर्शन किया. झमाडा प्रबंधन के रवैये से नाराज आश्रितों ने एमडी होश में आओ, मृत कर्मियों के आश्रितों को नियोजन देना होगा जैसे जोरदार नारे लगाए. विरोध मार्च के दौरान सभी आश्रित डीसी कार्यालय पहुंचे और डीसी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने लगे. इस दौरान एक प्रतिनिधिमंडल डीसी से मिलकर ज्ञापन सौंपा. प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अजहर खान ने बताया कि अनुकंपा पर नियोजन की मांग को लेकर मृत कर्मियों के आश्रित 534 दिनों से झमाडा कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठे हैं. लेकिन उनकी कोई सुनने को तैयार नहीं है. झमाडा एमडी कहते हैं कि हमारे पास बोर्ड नहीं है, इसलिए हम स्वयं से नियोजन देने का फैसला नहीं ले सकते हैं. जबकि दूसरी ओर एमडी ही झमाडा में आउटसोर्स पर कर्मियों की बहाली करवाने का काम कर रहे हैं. यह किसके आदेश पर हो रहा है यह भी उन्हें बताना चाहिए, अजहर खान ने कहा कि झमाडा में 2005 से बोर्ड भांग है, इसके बाद भी वर्ष 2010 तक मृत कर्मियों के आश्रितों को नियोजन दिया गया है. लेकिन अब नियोजन देने पर अलग-अलग बहाने बनाए जा रहे हैं.

चैंबर ऑफ कॉमर्स का चुनाव 29 सितंबर को

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कार्यसमिति की 133वीं तथा सत्र 2021-23 की 14वीं बैठक गुरुवार को अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई. सर्वप्रथम सचिव संजय चौबे के द्वारा 132वीं बैठक की सम्पुष्टि करवाई गयी. बैठक में मधुसूदन अग्रवाल के द्वारा 20 अगस्त को स्थानीय पिल्लई टाउन हाल में प्रस्तावित तेरहवीं वार्षिक आमसभा की तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया. कार्यसमिति में चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से तेरहवीं वार्षिक आमसभा की समस्त तैयारियों की जिम्मेवारी सर्वश्री सचिव दुर्गेश खत्री, नितिन अग्रवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य हाजी वकील खान को दी गयी. बैठक में सत्र 2023-25 के लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स का चुनाव 29 सितंबर को करने पर सहमती बनी. विदित हो संविधान में वर्णित प्रावधानों के तहत प्रति दो वर्ष में सात पदाधिकारी पद तथा दस कार्यकारिणी सदस्य के पद हेतु चाईबासा चैंबर का चुनाव सितंबर माह में कराया जाता है. हर बार की तरह इस बार भी चुनाव स्थानीय रविंद्र भवन में कराया जाना सुनिश्चित किया गया है. बैठक में मुख्य चुनाव पदाधिकारी के चयन के क्रम में कार्यसमिति सदस्यों द्वारा एक स्वर में सचिव संजय चौबे के नाम को प्रस्तावित किया गया.

स्वागत | लिसिया गांव में झारखंड पार्टी की सदस्यता ग्रहण समारोह का आयोजन

सैकड़ों लोगों ने थामा झारखंड पार्टी का दामन

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा। सदर विधानसभा के लिसिया गांव में गुरुवार को झारखंड पार्टी की सदस्यता ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. इसका नेतृत्व पार्टी के जिला अध्यक्ष कोलंबस हांसदा ने किया. जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने झारखंड पार्टी के नीति व सिद्धांतों से प्रभावित होकर पार्टी का दामन थामा. जिला अध्यक्ष कोलंबस हांसदा ने सभी का तीर धनुष देखकर स्वागत किया. वहीं पर केंद्रीय कमेटी में विशेष आमंत्रित सदस्य सह पूर्व सांसद दुर्गा प्रसाद जामुदा ने झारखंड पार्टी का पट्टा देखकर, तो केंद्रीय कमेटी के सचिव सह प्रवक्ता महेन्द्र जामुदा ने माला पहनाकर सभी को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई. झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व सांसद चित्रसेन सिंकू ने कहा कि झारखंड की उन्नति के लिए जल, जंगल, जमीन पर अधिकार बाहल कराएंगे और शासन व्यवस्था में आमूल परिवर्तन लाएंगे. जिसके तहत नागरिक अधिकार की घोषणा, पुलिस व्यवस्था में चेक एंड बैलेंस पद्धति लागू करना, सर्व सुलभ स्वास्थ्य सेवा (दिल्ली के तर्ज पर मोहल्ला क्लीनिक), सुगम एवं सर्व सुलभ न्याय व्यवस्था, समता जजमेंट के अनुकूल अधिनियम बनाना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था करना यह हमारा संकल्प है. मौके पर जिला उपाध्यक्ष नितिन जमुदा, जिला सचिव होरोलसी सिंकू ने भी अपनी बातें रखी. झारखंड पार्टी का सदस्यता ग्रहण करने में मुख्य रूप से मुखिया मुंगी हंसदा, सरस्वती दूबे, उषा रजक, पूजा रजक, संगीता प्रजापति, लक्ष्मी दोराईबुरु, अनिता हंसदा, जेमा हंसदा, बोराई रवानडाईत, सुमा गोप, गोबिन्दा गोप, विनोद गोप, राजन नायक, बुधराम टूटी, विजय कुमार, मोतीलाल खानडाईत, अर्जुन खानडाईत, सुमा, देवगम, सुनिल देवगम

दोयों लागुरी, माथुरा दोराईबुरु, राजा दोराईबुरु,विजय हंसदा, सिपन हसंदा, पुराम सुन्डी, जमादार सुन्डी, अजयहोनहगा, तुराम होनहागा।, विजय बारी, लक्ष्मण पुर्ति, लक्ष्मण होनहागा, मंगल चम्पीया,जानकी हेंब्रोम लक्ष्मी दोराईबुरु, सुखमति पूर्ति, नंदिता दोराईबुरु, भारत गोप, सरकार गोप, शारदा तमसोय, जयपाल सिंह दोराईबुरु इत्यादि लोग सदस्यता ग्रहण किया.

गिरिडीह अधिवक्ता संघ चुनाव में 48 उम्मीदवार चुनावी मैदान में डटे

गिरिडीह। अधिवक्ता संघ चुनाव में 10 अगस्त को नाम वापसी के दिन किसी उम्मीदवार ने चुनावी मैदान से पांव नहीं खींचा. निर्वाचि पदाधिकारी अधिवक्ता शंभुनाथ सहाय को पता था कि एक भी नाम वापस नहीं होगा, इस कारण चुनाव कार्यालय का काउंटर ही हटा दिया गया था. श्री सहाय ने बताया कि विभिन्न पदों के लिए हो रहे चुनाव में कुल 48 उम्मीदवार मैदान में हैं. अध्यक्ष पद के लिए प्रकाश सहाय व सुखदेव भास्कर, उपाध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार सिन्हा, केशव कुमार दराद व बाल गोविंद साहू, सचिव पद पर चुन्नू कांत, उमेश चंद्र त्रिवेदी, विनय कुमार व पूरण महतो, संयुक्त सचिव (प्रशासन) पद पर शिवेंद्र कुमार सिन्हा, पंचानंद कुमार मुनि व संजय कुमार, संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) पद पर दशरथ प्रसाद, शुभोनील सामान्ता, सुनीता कुमारी, तरुण कांति ठाकुर व राजीव कुमार, कोषाध्यक्ष पद पर उदय शंकर सिन्हा, धीरज सिंहा शिव कुमार गुप्ता, मीरा कुमारी व अमित सिन्हा, सहायक कोषाध्यक्ष पद पर दिनेश रागा, संतोष मिश्रा व ज्योतिष सिन्हा उम्मीदवार हैं. इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव होगा. कार्यकारिणी के नौ सदस्यों के लिए 23 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं.

आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

गिरिडीह। धनवार थाना क्षेत्र के नायकडीह में धनवार पुलिस ने 10 अगस्त को हत्या के फरार आरोपित के घर इश्तेहार चिपका कर कोर्ट में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया. बता दें कि अपने ही चाचा की हत्या में फरार धनवार थाना क्षेत्र के नायकडीह ग्राम के आरोपित के घर न्यायालय के आदेश पर धनवार पुलिस ने इश्तिहार चिपक कर न्यायालय में समर्पण करने का निर्देश दिया है. पुलिस के उप निरीक्षक मिथिलेश कुमार ने बताया कि धनवार थाना में आरोपित बबलू यादव, पिता जब देव यादव व आशा देवी पति बबलू यादव के विरुद्ध टांगी, तलवार, छड़ आदि से मारपीट कर अपने चाचा पिंटू यादव, पिता स्वर्गीय मथुरा यादव की हत्या कर देने के आरोप में मामला दर्ज कराया गया था.

रेलवे का केबल चोरी करते तीन गिरफ़्तार, जेल

धनबाद। गोमो आरपीएफ पोस्ट के जवानों ने बुधवार 9 अगस्त की देर रात को निमियाघाट और पारसनाथ रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे का सिग्नल केबल चोरी करते तीन लोगों को दबोचा है. गिरफ़्तार आरोपियों में किशोर स्वर्णकार इसरी बाजार, तैयब अंसारी और इतवारी महतो लक्ष्मण टुंडा निवासी शामिल है. तीनों अभियुक्तों को गुरुवार 10 अगस्त की शाम को धनबाद भेज दिया गया. आरपीएफ पोस्ट के इंस्पेक्टर एस के झा ने बताया कि गिरफ़्तार किये गये सभी अभियुक्त पिछले कई सप्ताह से लगातार रेलवे केबल की चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे. जिसकी निगरानी पर आरपीएफ के जवान लगे थे. बीती रात केबल चोरी की घटना को अंजाम देने के दौरान तीनों रेलवे टेक पर पकड़े गए. साथ ही 3 बोरे में भरे केबल भी बरामद किया गया है. इस मामले में कई अन्य लोग भी शामिल हैं, जिसकी पड़ताल की जा रही है.

09 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

बोकारो। राज्य विधिक सेवा प्राधिकारण और प्रधान जिला जज रंजना अस्थाना के निर्देश पर 09 सितम्बर को न्याय सदन, व्यवहार न्यायालय बोकारो व व्यवहार न्यायालय तेनुघाट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा. यह विशेष अदालत आभासी, आनलाइन मोड या हाइब्रिड मोड में लगेगी. इसकी जानकारी 10 अगस्त को विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो सचिव निभा रंजना लकड़ा ने दी. उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक मामले, पराक्रम विलेख की धारा 138 के मामले, बैंक ऋण के मामले, मोटर यान दुर्घटना से संबंधित मामले, दुर्घटना सूचना प्रतिवेदन व राज्य परिवहन विभाग से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद आदि से संबंधित मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा.

युवक ने फंदे से लटककर दे दी जान

बोकारो। बोकारो के सेक्टर 1 बी (आवास संख्या-1606) में रहने वाले युवक चंदन कुमार (27) ने अपने कमरे में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली. घटना 10 अगस्त गुरुवार सुबह की है. परिजन चंदन कुमार को फंदे से उतार कर बीजीएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. उसका भाई सुकेश कुमार ने बताया कि परिवार में किसी तरह का विवाद नहीं था. चंदन से सुबह में फोन पर उसकी बात भी हुई थी. उसके बाद घर से कॉल आया कि भाई ने आत्महत्या कर ली है. वह 3 दिनों से ड्यूटी नहीं जा रहा था, जिससे काफी तनाव में था. बीएस सिटी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

नोवामुंडी : स्वतंत्रता दिवस की तैयारी में जुटे स्कूली बच्चे व सीआईएसएफ जवान

जमशेदपुर। गुवा सेल के फुटबॉल मैदान में स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें गुवा सेल के सीजीएम कमल भास्कर झंडे को सलामी देंगे. इस दौरान डीएवी स्कूल एवं टिस्को मिडिल स्कूल के बच्चों द्वारा झांकियां निकाली जाएगी, जिसमें बच्चे महापुरुषों की वेशभूषा में शामिल होंगे. इसकी तैयारी में अभी सी ही दोनों स्कूलों के बच्चे जुट गए हैं. कार्यक्रम को लेकर बच्चों के साथ-साथ स्कूल के शिक्षक भी कड़ी मेहनत कर बच्चों का हौसला अफजाई कर रहे हैं. साथ ही सीआईएसएफ के जवान भी 15 अगस्त पर होने वाले परेड का अभ्यास कर रहे हैं. बेहतर झांकियां प्रस्तुत करने वाले स्कूली बच्चों को सेल प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा.

मनोहरपुर : दवा खाकर फाइलेरिया मुक्ति अभियान का बीडीओ ने किया शुभारंभ

चाईबासा। मनोहरपुर सीएचसी सर्किल अंतर्गत फाइलेरिया मुक्ति अभियान कार्यक्रम का गुरुवार को शुभारंभ किया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी हरि उरांव ने स्वयं दवा खाकर अभियान की शुरुआत की. इस दौरान उपस्थित योग्य व्यक्ति व बच्चों को भी दवा खिलाया गया तथा उन्हें इसके रोकथाम के लिए सावधानी बरतने हेतु जागरूक किया गया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि फाइलेरिया मुक्ति अभियान वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत दिनांक गुरुवार से शुरू होकर 25 अगस्त तक चलाया जाएगा. अभियान को सफल बनाने में सभी सहिया, सेविका समेत स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग लिया जा रहा है. उन्हें निर्देश दिया गया कि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के बीच जाकर उन्हें दवा का वितरण करें तथा इससे बचाव हेतु लोगों को जागरूक करें.

NEWS इन ब्रीफ

मंत्री पद के लिए व्याकुल हैं निशिकांत : जदयू

रांची। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने गुरुवार को कहा कि गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इन दिनों केंद्र में मंत्री पद के लिए व्याकुल हैं। वह चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव के पूर्व केंद्रीय मंत्रिमंडल के अंतिम विस्तार में उनका अर्थ कन्फर्म हो जाए। इसलिए आज कल वह कुछ-कुछ बोलते रहते हैं। सागर ने कहा कि पूर्व में काफी समय तक निशिकांत दुबे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सोरेन परिवार पर कुछ-कुछ बोलते रहते थे। कोर्ट- कचहरी करते रहते थे। इसके बावजूद संगठन और सरकार में उनकी उपेक्षा हुई। आजकल जदयू और जदयू नेताओं पर कुछ-कुछ बोल रहे हैं। शायद जदयू का जाप करने से उन्हें कुछ प्राप्त हो जाए। वैसे भी आजकल जदयू पर बोलने वाले नेताओं को भाजपा में प्राथमिकता मिल रही है। उन्होंने कहा कि निशिकांत कह रहे हैं कि वह चुनाव में जदयू को फंडिंग कराते थे, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए की किस कम्पनी के एवज में वह यह फंडिंग कराते थे।

जामुदाग पंचायत सचिवालय में लगाया गया किसान सहायता शिविर

सोनाहातू। जिला कृषि पदाधिकारी के निर्देशानुसार गुरुवार को प्रखंड के जामुदाग पंचायत सचिवालय में किसानों के लिए सहायता शिविर लगाया गया। शिविर में पीएम किसान निधि तथा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के लाभुकों का ई-केवाईसी कराने के लिए जरूरी कागजात लिए गए। वहीं जिनका भूमि पोर्टल पर कागजात अपलोड नहीं हुआ है उन्हें सीओ के नाम सत्यापित कागजात और वंशावली के साथ आवेदन देने को कहा गया। शिविर में ई-केवाईसी की 30 और भूमि अपलोड कराने के 15 आवेदन प्राप्त हुए।

हाथियों ने स्कूल के छह दरवाजे और दो खिड़कियां तोड़ी डाली

अनगड़ा। कुच्चू पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय हुंडरूजारा में हाथियों के झुंड ने धावा बोलकर स्कूल के छह दरवाजे और दो खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। घटना बुधवार की रात लगभग दो बजे की है। हाथियों ने कार्यालय का दरवाजा तोड़कर वहां रखे सभी दस्तावेज को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं कक्षा में रखे एमडीएम के चावल, दाल, आलू, प्याज और मसालों को भी नष्ट कर दिया। प्रधान शिक्षक पुशुमन बेदिया ने बताया कि क्षेत्र में हाथियों का उत्पात बढ़ता जा रहा है। स्कूल के कार्यालय को हाथियों ने अधिक नुकसान पहुंचाया है।

धुर्वा डैम में दूसरे दिन भी नहीं मिला कोई शव

पिस्कानगड़ी। धुर्वा डैम में एक व्यक्ति के डूबने की आशंका को देखते हुए दूसरे दिन भी गुरुवार को नगड़ी और धुर्वा थाना की पुलिस परेशान रही। शव खोजने के लिए गुरुवार को नडीआरएफ की टीम बुलाई गई। सुबह 11 बजे टीम के लोग डैम में उतरे, परंतु पांच घंटे की मशक्कत के बाद भी डैम में कोई शव नहीं मिला।

झारखंड के 24 जिलों व 4344 पंचायतों में चलेगा 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान

प्रखंड व पंचायत स्तर पर स्वतंत्रता सेनानी किये जायेंगे सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नेहरू युवा केंद्र संगठन रांची एवं पत्र सूचना कार्यालय रांची द्वारा संयुक्त रूप से 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान पर गुरुवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। नेहरू युवा केंद्र के मोराबादी स्थित कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र की राज्य निदेशक हनी सिन्हा ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। झारखंड के सभी 24 जिलों के 260 प्रखंडों एवं 4344 पंचायतों में 'मेरी माटी मेरा देश'/माटी का वंदन एवं वीरों का नमन पर कार्यक्रम राज्य सरकार के साथ मिलकर किया जा रहा है। पंचायत एवं प्रखंड स्तर के कार्यक्रमों के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। 09 से 15 अगस्त तक इसके तहत कई कार्यक्रम किए जाएंगे जिनमें वसुधा वंदन के तहत सभी पंचायतों में अमृत वाटिका का निर्माण एवं अमृत वाटिका में 75 पौधों का रोपण किया जाएगा। मिट्टी का नमन एवं वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत सभी पंचायतों से मिट्टी का संग्रहण एवं स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को पंचायत, नगरीय एवं प्रखंड स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। पंच प्रण की शपथ ली जाएगी एवं ध्वजारोहण किया जाएगा। सभी अमृत वाटिका स्तर पर शिला स्मारिका की स्थापना की जाएगी एवं पंचायत स्तर से मिट्टी कलश जीओबी डॉट इन लॉन्च की गई है, जहां लोग मिट्टी या मिट्टी का दीपक हाथ में लेकर अपनी सेल्फी अपलोड कर सकते हैं। पंच प्राण की प्रतिज्ञा ले सकते हैं और भागीदारी का एक डिजिटल प्रमाणपत्र वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। पिछले वर्ष की भांति इस बार भी हर घर तिरंगा 13 से 15 अगस्त, 2023 के बीच मनाया जाएगा। भारतीय हर जगह राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकते हैं, तिरंगे के साथ सेल्फी ले सकते हैं और हर घर तिरंगा वेबसाइट हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर अपलोड कर सकते हैं। पत्रकार वर्ता के दौरान नेहरु युवा केंद्र के उप निदेशक सर्वेंद्र प्रताप सिंह, एसओ शुभम शर्मा, ओम प्रकाश कुशवाहा, विकास आहूजा, अधीक रंजन, गौरव चुघ उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन के सभी कर्मियों ने पंच प्रण की शपथ भी ली। सभी प्रखंड मुख्यालयों तक समारोह पूर्वक संग्रहित किया जाएगा। पत्र सूचना कार्यालय के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गौरव पुष्कर ने बताया कि सामूहिक भागीदारी (जनभागीदारी) को प्रोत्साहित करने के लिए, एक वेबसाइट मेरीमाटी मेरा देश डॉट

झामुमो कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिन

खूंटी। झामुमो कार्यकर्ताओं ने पथ निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में गुरुवार को जिला अध्यक्ष जुवैर अहमद के नेतृत्व में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिन केक काटकर मनाया। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दीर्घायु होने की कामना की। कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय सदस्य मकसूद अंसारी, सुशील पाहन, मगन मंजीत तिडू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्नेहलता कंडुलना, राजेन कुजूर, मोजीर अंसारी, डॉ हेमंत तोपनो, कुंवर सिंह मुंडरी, मांगु होरो, शांता खाखा, डेविड हमसोय, मनोज गुड़िया, प्रकाश मुंडा, अंथोनी कच्छप, संजीत नायक, विजय सांगा, शंकर सिंह मुंडा, महेंद्र सिंह मुंडा, आलोक रितेश डुंगडुंग, विनोद सांगा, संदीप तिडू, सनिका बोदरा, सलन ओड़ेया, तिमोथी खलखो, राजेन नायक, मो असलम आदि उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिले के नये उपायुक्त लाकेश मिश्र और नये सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

राज्य के 9 जिलों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) कार्यक्रम की शुरूआत

फाइलेरिया मुक्त झारखण्ड के लिए सरकार प्रतिबद्ध : बन्ना

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के वर्चुअल शुभारम्भ के दौरान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने गुरुवार से राज्य के 9 फाइलेरिया प्रभावित जिलों (चतरा , हजारीबाग, लातेहार, पलामू, सरायकेला, गोड्डा, दुमका, जामताड़ा और प० सिंहभूम) में फाइलेरिया रोग के उन्मूलन के लिए शुरू होने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए/आईडीए) कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यह कार्यक्रम 10 अगस्त से 25 अगस्त तक चलाया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य जिस प्रकार कालाजार के उन्मूलन के अंतिम पड़ाव पर है उसी तरह झारखण्ड से फाइलेरिया का उन्मूलन भी शीघ्र होगा। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया मुक्त झारखण्ड बनाने के लिए सामुदायिक सहभागिता के साथ ही अंतर-विभागीय समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है। आज से शुरू होने वाले अभियान में लगभग 1 करोड़ 34 लाख लाभुकों को दवा प्रशासकों द्वारा निःशुल्क फाइलेरिया रोधी दवाएं अपने सामने ही खिलाई जायेगी। मैं भी राज्य के जन- प्रतिनिधियों के साथ फाइलेरिया- उन्मूलन हेतु किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा करता रहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता सामुदायिक भागीदारी से ही सुनिश्चित की जा सकती है और फाइलेरिया के उन्मूलन के लिए हम सभी को एक साथ मिलकर इस लड़ाई को जीतना होगा। राज्य के अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य), अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सभी 9 जिलों में से हजारीबाग और प० सिंहभूम जिलों में 2 दवाओं डीईसी और अल्बेंडाजोल एवं अन्य 7 जिलों में 3 दवाओं डीईसी, अल्बेंडाजोल के साथ आईवरमेक्टिन की निर्धारित खुराक देवा प्रशासकों द्वारा बूथ एवं घर- घर जाकर अपने सामने मुफ्त खिलाई जाएगी। ये दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। ये दवाएं 2 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को नहीं दी जाएंगी।

आदिवासी महोत्सव में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हजारों लोगों ने कराई अपनी जांच

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दो दिवसीय झारखण्ड आदिवासी महोत्सव -2023 में कल्याण विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच उक्त शिविर में पहुंचकर करायी। पिछले 2 दिनों 1000 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करायी। इस दौरान मरीजों के बीच जरूरी दवा का वितरण किया गया।

दरअसल, विश्व आदिवासी दिवस पर बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची में 9-10 अगस्त को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां आदिवासी जीवन दर्शन की झलकियों को लोगों ने देखा। इस दौरान विभिन्न विभागों ने सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हेतु स्टॉल भी लगाए थे। साथ ही आदिवासी समाज के पारंपरिक व्यंजन से संबंधित स्टॉल भी लागये गए थे। ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आकर आदिवासी समाज के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान 5 विभाग के डॉक्टर स्त्री रोग विशेषज्ञ, आंख रोग विशेषज्ञ, बच्चा रोग विशेषज्ञ,दंत चिकित्सक, जेनरल मेडिसिन एव आकस्मिक चिकित्सक उपलब्ध है। उक्त दोनों शिविरों का संचालन संस्था ट्राय के द्वारा किया जा रहा है। यह संस्था विभाग के दो अस्पताल रांची में दुमका में भी संचालन कर रही है। शिविर में डॉक्टर एल एन पी बारा, डॉ वसुधा तिवारी,डॉ अधीश,डॉ अमरदीप एव डॉ अमृता कुंज मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे हैं।इस दौरान ट्राय संस्था के परियोजना निदेशक,अभिषेक बारा, गौरव कुमार,सौरव कुमार उपस्थित थे।

मुस्लिम मजलिस उलेमा मजलिस आमला की बैठक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड मुस्लिम मजलिस उलमा झारखंड की एक अहम बैठक मजलिस आमला की गुरुवार को मुड़मा चौक मांडर रांची में हुई। जिसकी अध्यक्षता मजलिस उलेमा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने की और संचालन हजरत मौलाना शाकिर इस्लाही ने की। बैठक की शुरूआत मौलाना तनवीर आलम द्वारा पवित्र कुरान की तिलावत से हुई। अजवुल-अंसारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। आज की बैठक में मौलाना शाकिर इस्लाही उपाध्यक्ष मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड, मौलाना तनवीर आलम नदवी सचिव मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड, हाफिज मोहम्मद आजाद, शमीम अख्तर अध्यक्ष मोमिन कॉन्फ्रेंस रांची, अजवुल अंसारी, जमील अहमद, अब्दुल समी, डॉ. जुल्फिकार, अब्दुल कय्यूम अंसारी आदि शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड में मुसलमान शैक्षणिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक पिछड़ेपन से पीड़ित हैं। झारखंड सरकार को स्थिति से अवगत कराने के लिए मजलिस की ओर से 30 सितंबर को रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जायेगी।

जन्मदिन पर मुख्यमंत्री ने माता-पिता से लिया आशीर्वाद

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के जन्मदिवस के अवसर पर ककि रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) रांची जिला कमेटी के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में केक काटा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों का तहे दिल से आभार जताते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन एवं माता रूपी सोरेन से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन सहित अन्य परिजन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मंत्री जोबा माझी ने मुलाकात कर उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक बधाई दीं तथा मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना की।

मुख्यमंत्री से मिले सीसीएल के सीएमडी

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को ककि रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सीसीएल सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी ने मुलाकात कर मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें सहृदय धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री से मुख्य सचिव और डीजीपी ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के जन्मदिन पर ककि रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में गुरुवार को राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव वंदना दादेल, प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव सुनील कुमार, महाधिवक्ता राजीव रंजन, उपयुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी रांची कौशल किशोर सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति सहृदय आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा : प्रदीप वर्मा

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय के बयान पर प्रेस बयान जारी कर प्रतिक्रिया दी है। वर्मा ने कहा कांग्रेस का दृष्टिकोण शुरू से ही आदिवासी विरोधी रहा है। कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की गलत नीतियों के कारण ही आदिवासी समाज आजाद भारत में लंबे समय तक विकास की मुख्य धारा में नहीं जुड़ पाया। उसी का परिणाम था कि अलग राज्य की मांग उठी। वर्मा ने कहा कि अलग राज्य के आंदोलन को भी कुचलने की हर संभव कोशिश कांग्रेस पार्टी ने की। इसने आंदोलन को खरीदने जैसे घृणित कार्य किए। आज भी आंदोलन के क्रेता विक्रेता दोनों दल राज्य के जल, जंगल, जमीन को लूटने में लगे हैं। प्रदीप वर्मा ने कहा कि कांग्रेस को आदिवासियों की इतनी ही चिंता होती तो कश्मीर में धारा 370 लगाकर आदिवासी दलितों के अधिकारों से कांग्रेस पार्टी 73 वर्षों तक वंचित नहीं रखती। आज कांग्रेस गठबंधन सरकार में आदिवासियों की जमीन हड़पी जा रही, बहन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही। आदिवासियों की हत्याएं हो रही और कांग्रेस पार्टी मौन है। इसी से इनकी नीति और नीयत उजागर हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने आदिवासी समाज के विकास और मान सम्मान की चिंता की। अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग राज्य का सपना साकार किया। आदिवासी मंत्रालय बनाकर विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का सार्थक प्रयास किया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस घोषित किया। एक आदिवासी समाज की महिला को देश के सर्वोच्च पद पर आसीन कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदीप वर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जिनकी गोद में बैठकर राज्य की सत्ता का भोग कर रही उन्हे आदिवासी समाज की नही बल्कि अपने परिवार की चिंता है।

हाई कोर्ट में बिजली कंपनियों में सक्षम और अनुभवी लोगों की नियुक्ति के लिए पीआईएल दायर

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में झारखंड ऊर्जा विकास निगम सहित राज्य सरकार के अन्य बिजली कंपनियों में दक्ष एवं सक्षम लोगों की नियमित नियुक्ति का आग्रह करते हुए जिसेरा कुमार सिंह ने जनहित याचिका दाखिल की। इसमें कहा गया है कि राज्य के बिजली कंपनियों में दक्ष एवं अनुभवी लोगों की नियुक्ति की जाए। सेवानिवृत्ति लोगों की नियुक्ति इन बिजली कंपनियों में ना हो, जो भी नियुक्ति हो वह राजनीति से प्रभावित न हो, जिस तरह अन्य राज्यों के बिजली कंपनियों में नियमित नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया जाता है, वही व्यवस्था झारखंड की बिजली कंपनियों में भी की जाए, जिससे राज्य में बिजली की संकट ना हो। याचिका में कहा गया है कि झारखंड में दक्ष एवं अनुभवी लोगों की नियुक्ति बिजली कंपनियों में नहीं होने से बिजली की व्यवस्था चरमरा गई है। बिजली के लिए ट्रांसमिशन लाइन तो बिछाया जा रहा है लेकिन झारखंड के लोगों को बिजली नहीं मिल पा रही है।

स्वास्थ्य लाभ

बीएयू में निः शुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का हुआ आयोजन

मेडिका अस्पताल के सहयोग से 155 लोगों की हुई जांच

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अस्पताल में गुरुवार को निः शुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह के दिशा-निर्देश एवं मागदर्शन में बीएयू अस्पताल एवं भगवान महावीर मेडिका सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, रांची के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस कैंप में बीएयू मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. यूएस वर्मा के प्रयासों से मेडिका अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉ. सानू लाल, सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट एंड मेडिकल कंसलटेंट, श्री प्रीतम कुमार, आई स्पेशलिस्ट, एलिजाबेथ मेलोनी तिर्की, सीनियर सहायक, पूजा, अपटी मेट्रोलॉजिस्ट, विकास मिश्रा, मार्केटिंग एक्टिविटी ने भाग लिया। कैंप में सबसे पहले कुलपति डॉक्टर ओएन सिंह के स्वास्थ्य की गहन जांच की गयी। कुलपति ने मेडिका अस्पताल प्रबंधन के चिकित्सकों का आभार जताया। मौके पर मौजूद विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को नियमित स्वास्थ्य की जांच एवं स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी। कैंप में मेडिका अस्पताल के चिकित्सकों ने कुलपति डॉ. ओएन सिंह, डीन, डायरेक्टर्स, पदाधिकारियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, छात्र - छात्राएं एवं आकस्मिक कर्मियों का ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, बीएमआई, वजन एवं हार्ट इत्यादि की जांच की। मौके पर आंख से संबंधित रोगों का भी जांच किया गया। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. यूएस वर्मा ने बताया कि कैंप में 155 व्यक्तियों की निः शुल्क जांच मेडिका अस्पताल के चिकित्सकों ने किया। जांच के दौरान अनेक रोगियों में ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर काफी अधिक पाया गया। सभी रोगियों को 10 दिनों के बाद ईसीजी एवं हृदय रोग से संबंधित सभी जांच की जाएगी। इसके लिए बीएयू अस्पताल की ओर से अलग से व्यवस्था की जा रही है। कैंप में चिकित्सा जांच कराने वालों में कुलपति डॉ. ओएन सिंह के अलावे विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान डॉ. पीके सिंह, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. बीके अग्रवाल, निदेशक फॉर्म डॉ. एस कर्मकार, डॉ. एस एन पांडे, डॉ. एम एस यादव तथा उनकी पत्नी, डॉ. एन करकेट्टा एवं उनकी पत्नी, डॉ. एनसी गुप्ता एवं उनकी पत्नी के अलावा अनेकों आकस्मिक कर्मचारी ,काफी संख्या में छात्र एवं छात्राएं भी अपने अपने रोगों का कराया।

झारखंड में एंबुलेंस कर्मियों का हड़ताल जारी

रांची। झारखंड में सरकारी एंबुलेंस सेवा लगातार ठप है। सरकारी 108 एंबुलेंस के चालकों और कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से मरीजों की जान पर बन आई है। सभी अस्पतालों में निजी वाहनों, ई-रिक्शा, ऑटो और निजी एंबुलेंस की लंबी कतारें लग गई है। रांची के सदर अस्पताल और रिम्स सहित अन्य हॉस्पिटल का यही हाल है। बता दें कि 108 एंबुलेंस के चालक और कर्मचारी बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। खासतौर पर उन मरीजों के लिए ज्यादा खतरा है जिन्हें लाइफ सिस्टम सपोर्ट के साथ अस्पताल पहुंचाना होता है। रिम्स अस्पताल के मुख्य द्वार पर कल गंभीर रूप से बीमार एक मरीज ने दम तोड़ दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक झारखंड के 337 एंबुलेंस के तकरीबन 674 चालक-कर्मचारी बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं।

आदिवासी दिवस के नाम पर मनाया सोरेन राज परिवार दिवस : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित आदिवासी दिवस समारोह में झारखंड के वीर शहीदों, महान क्रांतिकारियों का अपमान हुआ है। मरांडी ने कहा समारोह के प्रचार प्रसार में करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन पोस्टर बैनर में राज्य के महान विभूतियों सिदो- कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी, भगवान बिरसा मुंडा को कोई जगह नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि सत्ता के अहंकार में जब सत्ताधारी वीर क्रांतिकारियों का तिरस्कार करने लगे तो उसका पतन सुनिश्चित है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह सोरेन राज परिवार के डायरेक्टरशिप में चल रहे झामुमो की ऐसी ही नियत है। उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव और जीवन दर्शन की झलकियों के नाम पर रांची की सड़कों पर आदिवासियों की जमीन लूट हड़प कर अरबपति बनने वाले पिता पुत्र अपनी झलकियां दिखा रहे हैं। मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता अपने महान विभूतियों का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। अगले चुनाव में आदिवासी समाज इनके किए की सजा देकर सबक सिखाएगी। उन्हें झारखंड के महान हस्तियों को याद करना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हो सका जो बहुत चिंता का विषय है। आदिवासी दिवस मनाना बहुत ही बेहतर कार्य है लेकिन सभी का ध्यान रखना चाहिए।

छात्रा के अपहरण पर आदिवासी छात्र संघ ने किया सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। पिछले 4 अगस्त को सिमडेगा के सामटोली में स्कूली छात्रा रेखा कुमारी को अज्ञात लोगों के द्वारा अपहरण कर लिया गया था इस मामले को लेकर परिवार वालों ने सिमडेगा थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी इधर 5 दिन बीत जाने के बाद रेखा कुमारी का किसी प्रकार का कोई भी पता नहीं चल पाने के कारण आदिवासी छात्र संघ एवं अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों के द्वारा सिमडेगा झूलन सिंह चौक मेन रोड जाम कर दिया जाम करते हुए रेखा कुमारी पता लगाने के लेकर पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई गई मौके पर आदिवासी छात्र संघ के जिला अध्यक्ष रोशन डुंगडुंग ने कहां के दिन प्रतिदिन सिमडेगा में आदिवासी बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है पिछले दिनों एक आदिवासी बेटी की हत्या हो गई थी वहीं दूसरी औरतों के माध्यम से अपहरण किया जा रहा था लेकिन वह खुद कर अपनी जान बचाई थी वहीं हाल में रेखा कुमारी को 4 तारीख को अज्ञात लोगों के द्वारा अपहरण कर लिया गया लेकिन अभी तक पुलिस प्रशासन द्वारा उसे पता नहीं लगाया है उन्होंने कहा कि अगर समय रहते पता नहीं लगाया तो आदिवासी छात्र संघ उग्र आंदोलन करेगी। वहीं अनुसूचित समाज के राम नायक ने कहा कि हमारे समाज की बेटी 4 तारीख से गायब है लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है ऐसी स्थिति में सभी लोग चिंतित हैं कि आखिर बहन रेखा कुमारी कहां गई प्रशासन से मांग करते हैं कि समय रहते बहन रेखा कुमारी को सकुशल बरामद कर दिया जाए। इधर जाम की सूचना मिलने के बाद डीएसपी पतरस बरवा,सीओ प्रताप मिंज,सर्किल इंस्पेक्टर रामानुज वर्मा घटनास्थल पर पहुंचे और काफी देर तक आक्रोशित लोगों को सड़क से समझाने का प्रयास किया साथी पीड़ित के परिवार वालों ने लिखित आवेदन देते हुए ज्ञापन सौंपा एवं सख्त सख्त आरोपियों को कार्रवाई करने की मांग की गई।

क्या है मामला

गौरतलब हो उसुर्लाइन कॉन्वेंट सिमडेगा की 10वीं की छात्रा रेखा कुमारी का अपहरण 4 अगस्त की शाम में कर लिया गया। स्वजन ने बच्ची को ढूंढ निकालने की गुहार पुलिस से लगाई। बताया गया कि 4 अगस्त शुक्रवार को वह ट्यूशन पढ़ने आरके कोचिंग जा रही थी। इसी दौरान पुरनापानी के पास से बाइक से आए अज्ञात लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। चूंकि छात्रा ट्यूशन से ही कभी-कभी स्कूल चली जाया करती थी और वहां से शाम चार बजे अपने घर लौटती थी। ऐसे में जब वह शाम तक घर नहीं पहुंची तो स्वजन चिंतित होकर उसे ढूंढने निकले। इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि छात्रा न तो कोचिंग पहुंची थी और न ही स्कूल। इस बीच पुरनापानी के पास उसकी साइकिल पड़ी मिली। इधर इस मामले में सिमडेगा थाना में कांड संख्या 92 /23 के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया गया है और इस मामले में रामेश्वर नायक तथा उसके साथ ही सहयोगी शत्रुघ्न नायक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जहां पर बताया गया की दोनों ने मिलकर किशोरी की हत्या की है और शव को बांस पहाड़ नदी में फेंक दिया है हालांकि पुलिस दिनभर शव की तलाश करते रही और पुलिस के हाथ में सफलता अब तक नहीं लगी है। इधर मौत के असली कारणों का भी पता नहीं चल पाया है हालांकि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कोलेबिरा विधायक के निर्देश पर प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने हाथी प्रभावितों को दिया मदद

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी के निर्देश पर गुरुवार को विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, व अन्य कांग्रेस नेताओं ने हांथी प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान प्रखंड के राजाबासा पंचायत के सेमरकुदर, करमटोली, मेरोमडेगा पहाड़टोली व घुटबहार के विभिन्न गांव का दौरा कर प्रभावित से मुलाकात किया। साथ ही पीड़ित 4 परिवार को क्रमशः 25-25 केजी अनाज प्रदान किया एव मेरोमडेगा गांव में जहा हाथी है वहा पर जुट बोरा और मोबिल भी दिया गया। तथा सरकार द्वारा दिये जाने वाला सहायता जल्द से जल्द उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा ने बताया कि कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी क्षेत्र में हाथियों द्वारा मचाए जा रहे उत्पात को लेकर गंभीर है तथा इसके लिए कई तरह से प्रयास कर रहे है।उन्होंने वन विभाग को भी निर्देशित किया है कि हाथी के आहार वाले पेड़-पौधे उनके मार्ग और जंगलों में लगाया जाए ताकि हाथी गांवों की ओर न आए। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि क्षेत्र में हाथी कॉरिडोर बनवाने का भी प्रयास किया जा रहा है ताकि उक्त कॉरिडोर में जंगली हाथियों व कॉरिडोर के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के लिए विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएं दिए जा सके। वही विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा ने यह भी कहा कि वन विभाग के माध्यम से ग्रामीणों को हाथियों को भगाने के लिए की भी व्यवस्था की मांग विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने विधानसभा में रखी है साथ ही विधायक के मांग के अनुसार पिछले साल हांथी भगाने के लिए ओडिशा से बेसेज्ञा के द्वारा प्रशिक्षण भी दिया गया था।मौके पर मौजूद ठेठईटांगर प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, प्रदेश अल्पसंख्यक सचिव जमीर खान, ठेठईटांगर विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, जॉनसन डांग, अल्पसंखयक जिला सचिव जमीर हसन, पंचायत अध्यक्ष सुकवान जोजो, अल्पसंखयक प्रखंड अध्यक्ष, मोहम्मद वहीद, समरसेन बागे, मोजक्किर आदि उपस्थित थे।

सुब्रतो फुटबॉल कप में प्लस टू ने जीता खिताब, हुआ स्वागत

सिमडेगा। एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय की टीम ने इतिहास रचते हुए सेंट इग्नेशियस गुमला की मजबूत टीम को हराकर प्री सुब्रतो कप अंडर 14 राज्य स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप अपने नाम किया। यही टीम झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में करेगी। गुरुवार को जब यह चैंपियन बच्चे रांची से सिमडेगा का नाम रोशन कर वापस आए तो पूरा विद्यालय परिवार पलक पावड़े बिछाए उनके स्वागत में खड़ा था। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व स्वयं अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी बादल राज ने किया। मौके पर उन्होंने चैंपियन बच्चों को मिठाई खिलाकर एवं माला पहनाकर उनके मनोबल को बढ़ाया साथ ही कोच एतवा तिग्गा, खेल शिक्षक समीर प्रभात बड़ा ललित जुगनू मिंज को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार के द्वारा सभी के लिए दोपहर भोजन की भी व्यवस्था की गई। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

आईटीडीए विभाग ने किया विश्व आदिवासी दिवस पर सेमिनार का आयोजन

प्रकृति के रक्षक हैं आदिवासी समाज : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नगर भवन में आईटीडीए विभाग द्वारा विश्व आदिवासी दिवस पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मौके पर जनजातीय विकास परिचर्चा, पेंटिंग प्रदर्शनी सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विधायक भूषण बाड़ा, डीसी अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से दीप जलाकर किया। मौके पर विधायक ने कहा कि आदिवासी समाज के लोग आपस में मिलजुल कर रहते हैं। आदिवासी समाज ही प्रकृति के रक्षक हैं। हमें जंगलों, पहाड़ों, प्राकृतिक संपदा की रक्षा करनी है। दिवासी दिवस पर हमें यह प्रेरणा लेनी होगी कि हम सभी प्रकृति की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि हम भी इसी देश की मिट्टी में जन्मे है। हमारा इतिहास पौराणिक है। फिर भी हमें अनदेखा कर दिया गया। हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को साथ रखते हुए लड़ना होगा।

आदिवासियों के प्रकृति प्रेम को अपनाने की जरुरतः डीसी

डीसी अजय कुमार सिंह ने कहा कि आदिवासी लोग प्रकृति, पर्वतों, पहाड़ों और प्राकृति की पूजा करते हैं। सभी को इनके प्रकृति प्रेम को अपनाना होगा। आदिवासी दिवस पूरी तरह से विश्व के आदिवासियों को समर्पित हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से दुनियाभर में आदिवासी जनता और उनके योगदान का जश्न मनाया जाता है।

आदिवासी समाज ने सांस्कृतिक धरोहर को बचाए रखने में निभाई है अहम भूमिकाः जोसिमा खाखा

जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि प्राकृति से हीं मनुष्य का जीवन है। एक ओर जहां संस्कृति और परंपराओं के संवाहक आदिवासी समाज ने सांस्कृतिक धरोहर को बचाये रखने में अहम भूमिका अदा की है। वहीं प्रकृति के सबसे करीब रहनेवाले आदिवासी समुदाय ने कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाई है। संसाधनों के आभाव में भी हमारे समाज के लोगों ने अपनी एक खास पहचान बनाई है। गीत-संगीत-नृत्य से हमेशा ही आदिवासी समुदाय का एक गहरा लगाव होता है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो समी आलम, विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह, अख्तर खान आदि उपस्थित थे।

शहीदों का सम्मान ही सच्ची राष्ट्र पूजा : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि शहीदों का सम्मान ही सच्ची राष्ट्र पूजा है। मेरा मिट्टी मेरा देश अभियान शहीदों के सम्मान में चलाया जा रहा है। इसे हम सब मिलकर एक उत्सव का रूप दें। शहीदों के सम्मान में कोई राजनीति न हो। शहीदों का सम्मान किए बिना भारत माता का सम्मान करने की कल्पना नहीं की जा सकती है। विधायक बीरू पंचायत में गुरुवार को आजादी के अमृत महोत्सव योजना के तहत आयोजित मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि हम भारत माता की सुरक्षा को लेकर सजग रहें। देश की सीमा पर सैनिक यह काम कर रहे हैं और देश के अंदर हम सब मिलकर करें। उन्होंने कहा कि शहादत के सम्मान में एक फूल जरूर भारत माता के चरणों में चढ़ाया जाना चाहिए। वहीं डीसी ने कहा कि शहीदों का सम्मान ही नहीं उनकी पूजा करना भी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। शहीद के परिवार के लिए भी हमारे मन में श्रद्धा होनी चाहिए। सिमडेगा भी धरती भी वीरों की धरती रही है। देश की रक्षा में यहां के कई वीर भी अपने प्राणों की आहुती दी है। इन सभी का सम्मान करें। जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि शहीद के परिवार के लिए भी हमारे मन में श्रद्धा होनी चाहिए। शहीद तो दूसरों के लिए जीते हैं। दूसरों को खुली हवा में सांस दिलाने के लिए जीते हैं। उनके बलिदान का हमें हर हाल में सम्मान करना चाहिए।मौके पर 75 स्वदेशी पौधे लगाए गए। साथ ही देश के शहीदों को नमन एवं याद किया गया। मौके पर शहीद जोन ब्रिटो किड़ो की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। जोन ब्रिटो के पिता करलुस किड़ो ने शीलाफलकम का अनावरण किया। मौके पर वीर शहीदों के परिवारों का चरण वंदन किया गया तथा उन्हें माला पहनकर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक

सिमडेगा। उपयुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक का आयोजन हुआ।बैठक में उपायुक्त ने सीधी नियुक्ति, पदस्थापन, सेवासंपुष्टि, वरीय वेतनमान एवं अन्य से संबंधित कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का जो हक है उसे ससमय उसका लाभ दें, सेवासंपुष्टि एवं वरीय वेतनमान से संबंधित कार्य अवधि जो शिक्षक पूर्ण कर लिए हैं उसका आवश्यक करवाई करने का निर्देश दिया। जिले में चयनित सीएम ऑफ एक्सीलेंस स्कूल की जानकारी लिया।

सिमडेगा एसएस प्लस टू उवि. में चलाया गया जागरूकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा के पहल पर सेना भर्ती ऑफिस टीम रांची के द्वारा भारतीय सेना में रोजगार के अवसरों की जानकारी देने हेतु आज सिमडेगा के एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय सिमडेगा में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व स्वयं निदेशक कर्नल राकेश ने किया। प्रातः 10:00 बजे विद्यालय में उनका स्वागत अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी बादल राज ने पुष्पगुच्छ देकर किया। छात्रों को जानकारी देते हुए कर्नल राकेश एवं सूबेदार मेजर संदीप थापा ने अग्निवीर एवं अधिकारी कैडर में उपलब्ध विभिन्न अवसरों की विस्तृत जानकारी दी इन भर्तियों के लिए आवश्यक पात्रता मानदंडों एवं योग्यता की विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें उम्र, शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक योग्यता, शारीरिक परीक्षण आदि के बारे में छात्रों के हर तरह के प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

हम हैं तैयार | राजभवन पर मजदूरों के महापड़ाव को सीटू नेता ने किया संबोधित

एकता से ही देश-संविधान बचेगा : संजय

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। केंद्र सरकार की राष्ट्र विरोधी, उद्योग विरोधी और मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ संयुक्त ट्रेड यूनियनों के देशव्यापी आह्वान पर गुरूवार 10 अगस्त को राजभवन के समक्ष झारखंड के तीन प्रमंडलों से जुटे संगठित और असंगठित क्षेत्र के कामगारों ने राजभवन के समक्ष विशाल महापड़ाव को संबोधित करते हुए मजदूर नेता और सीटू के प्रदेश सचिव संजय पासवान ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ने कॉरपोरेट घरानों के हितों की खातिर सार्वजनिक उधमों का निजीकरण, श्रम कानूनों में मलिक पक्षीय बदलाव, सभी तरह के कामों में ठेका प्रथा और आउटसोर्सिंग का चलन बढ़ाने के साथ - साथ सांप्रदायिक आधार पर मजदूरों को विभाजित करने की साजिश कर रही है. इसलिए मजदूर वर्ग भी कमर कस कर इस साजिश का मुकाबला करने के लिए तैयार हो गया है. एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले अब देश का किसान आंदोलन भी ट्रेड यूनियनो के संयुक्त मंच के साथ मिलकर देश और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष के मैदान में उतरेगा. क्योंकि संघर्ष अब देश और संविधान को बचाने का है. यदि देश के अन्नदाता किसानों और निर्माता मजदूरों की चट्टानी एकता बनती है, तब इसी एकता से देश और संविधान को बचाया जा सकता है. श्री पासवान ने बताया कि महापड़ाव में झारखंड के मजदूर वर्ग से आह्वान किया गया कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यस्थलों पर स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प लेते हुए रतजग्गा किया जाए तथा 15 अगस्त को आजादी की 67 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय झंडा फहरा कर लोकतंत्र और संविधान की हिफाजत किए जाने की शपथ ली जाए. महापड़ाव का उद्घाटन एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद रमेंद्र कुमार ने किया. जबकि अध्यक्षता 6 सदस्यीय अध्यक्ष मंडल ने की जिसमें ,इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे, एटक के पी. के. गांगुली, सीटू के कार्यकारी अध्यक्ष भवन सिंह, एक्टू के शुभेंदु सेन शामिल थे. महापड़ाव स्थल पर आयोजित सभा को एटक के महासचिव अशोक यादव, सीटू के उपाध्यक्ष प्रकाश विप्लव, महासचिव बिश्वजीत देव, आर पी सिहं, प्रतीक मिश्रा, एक्टू के भुवनेश्वर केवट सहित दर्जनों ट्रेड यूनियन नेताओं ने संबोधित किया.

शहीद शशिन्द्र कुमार शर्मा के नाम से होगा झुमरी तिलैया का चिल्ड्रेन पार्क

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व देश 15 अगस्त तक चलने वाले आजादी के अमृत महोत्सव पर मेरी माटी मेरा देश के कार्यक्रम के अंतर्गत कोडरमा में भी वीर शहीदों के सम्मान में एक बड़ा निर्णय लिया गया। शहीदों को सम्मान देने के उद्देश्य से झुमरी तिलैया स्थित चिल्ड्रन पार्क के समीप पुस्तकालय भवन में बुधवार को नगर परिषद की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सिटी मैनेजर सतीश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित हुए। बैठक में पानी टंकी निवासी अपने शहीद भाई के सम्मान में यतींद्र कुमार शर्मा के सुझाव पर झुमरीतिलैया स्थित 10 फरवरी 2017 में निर्मित चिल्ड्रन पार्क का नाम 203 कोबरा बटालियन के शहीद शशीन्द्र कुमार शर्मा के नाम से रखने का प्रस्ताव रखा गया। जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताई। सहमति के बाद नगर पर्षद ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है। अब झुमरीतिलैया शहर के ब्लॉक मैदान स्थित चिल्ड्रन पार्क का नामाकरन शहीद शशीन्द्र कुमार शर्मा चिल्ड्रन पार्क किया जाएगा। बताते चलें अब तक पार्क का नाम चिल्ड्रन पार्क ही था। नगर प्रशासक विनीत कुमार ने बताया कि 15 अगस्त से पूर्व पार्क को पूर्ण विकसित करने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहीदों के सम्मान में स्मारक के साथ-साथ उनका नाम पार्क से जोड़ना शहीद के लिए एक बड़ा सम्मान है। पार्क के नाम से लोग शहीद के इतिहास के बारे में जानकर गौरवान्वित होंगे। बैठक में मुख्य रूप से निवर्तमान वार्ड पार्षद बसंत सिंह, बाल गोविंद मोदी, नीरज कर्ण, घनश्याम तूरी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि प्रेम प्रकाश, संजय यादव के अलावे नगर परिषद से महादेव यादव, विमल शर्मा, दुलारचंद आदि उपस्थित थे।

नवीन मेल संवाददाता

बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग बानो में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बानो थाना प्रभारी फिलिप मिंज, विशिष्ट अतिथि डॉ सीमा टोप्पो को प्राचार्या संगीता तथा उपप्राचार्या प्रभा सुरीन द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया । वहीं छात्राओं ने स्वागत गान गाकर, मंगलाचरण के साथ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि फिलिप मिंज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी आदिवासी संगठित होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़े। वहीं उन्होंने कहा कि मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग से आदिवासी बच्चियां नर्सिंग प्रशिक्षण कर रोजगार प्राप्त कर रही है, जो जिला के गौरव के रूप में अपना पहचान बना रहा है। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ सीमा टोप्पो ने आदिवासी जीवन दर्शन से जीवन वृत्त में उतारने की बात कही। वहीं कॉलेज परिवार को धन्यवाद दिया।निदेशक प्रह्लाद मिश्रा ने भी आदिवासी समाज पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने आदिवासी के अधिकारों की संस्कृति की उनके धर्म रक्षा हो इसके लिए आदिवासी दिवस मनाया गया ।उन्होंने कहा की आदिवासी प्रकृति पूजक होते हैं और इनका सिर्फ इतिहास में ही नहीं वरन वेदों, पुराणों, रामायण और महाभारत में भी जिक्र है।आदिवासी के संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा सेन गे सुसुन, काजी गे दुरंग आदिवासियों की संस्कृति जहां चलना ही नृत्य है और बोलना ही संगीत। आज आदिवासी समाज हरेक क्षेत्र में पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रही है। मंच का संचालन ओनिला ने किया। प्राचार्या संगीता कुमारी उप प्राचार्या प्रभा सुरीन ने भी अपना संबोधन दिया। आज के कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर बिल्लू अग्रवाल, कोर्डिनेटर रविकांत मिश्रा ट्यूटर अल्विना टोपनो,निभा खलखो, लीलावती सिंह, लीलावती साहू ,मटिलदा तिर्की एवं सभी छात्राएं उपस्थित थी।

विश्व आदिवासी दिवस पर खेलकूद का आयोजन

सिमडेगा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर खेल की नगरी सिमडेगा में जिला स्तरीय झारखंड आदिवासी महोत्सव मनाते हुए कई तरह के खेलों का आयोजन किया गया है।सिमडेगा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में पुलिस अधीक्षक सौरभ ने दीप प्रज्वलित कर खेल का शुभारंभ किया। तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किये।इस मौके पर सिमडेगा में कई तरह के खेलो का आयोजन किया है। सिमडेगा एस्टोटार्फ स्टेडियम में विभिन्न टीमों के द्वारा हॉकी खेल जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम तीरंदाजी, फुटबॉल एवं कई तरह के खेल का आयोजन किया गया है जिसमें जिले के विभिन्न स्कूलों कॉलेजों और खेल संस्था से कई टीम भाग ले रही है।

बाइक रैली निकाल दिए एकता और शांति का संदेश

सिमडेगा। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आदिवासी जागृति मंच एवं क्रिसमस कार्निवाल कमिटी के द्वारा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य संयोजक इंटक नेता दिलीप तिर्की, अंकित मिंज, इस्माईल केरकेट्टा, अरुण तिर्की रहे। जिसमे मुख्य रूप से पूर्व विधायक बसंत लोंगा और कुलदीप किंडो कार्यक्रम में अतिथी के रूप में उपस्थित रहे। दिलीप ने बताया कि सैकडों बाइक की संख्या में युवा और युवतियों ने रैली में भाग लिया। जो कि सिमडेगा बाजारटांड से रैली शुरू करके बिरसा मुंडा जी के प्रतिमा में माल्यर्पण कर कुरडेग के लिए रवाना हुए। जहां ब्लॉक परिसर में पौधरोपण किया गया जहाँ संदीप नायक और उसके टीम द्वारा रैली यात्रियों का स्वागत किया गया।पश्चात केरसई फिर बोलबा, ठेठईटांगर से वापस सिमडेगा आया गया फिर शहर में रैली कर गांधी मैदान में गांधी जी की प्रतिमा को माल्यर्पण कर मणिपुर में हुए आदिवासी हिंसा के विरोध में 1 मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई।

स्वस्थ मसूड़ों का रंग हल्का गुलाबी होना चाहिए : डॉ. पंकज पाठक

नवीन मेल से बातचीत में बोले, मसूड़ों की बनावट या उसके रंग में किसी भी तरह के बदलाव का मतलब यह हो सकता है कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है

नवीन मेल संवाददाता। केतार
मसूड़ों का स्वस्थ होना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि शरीर का अन्य कोई हिस्सा। हालांकि यह मसूड़ों की बदनसीबी है कि उनके बारे में सबसे कम चर्चा की जाती है। यही वजह है कि बहुत कम ही लोगों को हेल्दी गेम्स के बारे में जानकारी होती है और वह समस्या को गंभीर होने से बचा पाते हैं।

उक्त बातें दंत चिकित्सक डॉ पंकज पाठक ने राष्ट्रीय नवीन मेल से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग ही जानते हैं कि मसूड़ों का रंग उनके स्वास्थ्य का संकेत देते हैं। शरीर के बाकी हिस्सों का स्वास्थ्य सीधे तौर पर मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति से संबंधित है। मसूड़ों की बनावट या उसके रंग में किसी भी तरह के बदलाव का मतलब यह हो सकता है कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। डॉ. पंकज पाठक ने बताया कि स्वस्थ मसूड़ों का रंग हल्का गुलाबी होना चाहिए और वह फुले होना चाहिए। उसमें कोई ब्लीडिंग नहीं होना चाहिए। सफेद या गहरा रंग किसी तरह का ब्लीडिंग या उनका बैंगनी रंग होना मसूड़ों का बीमारी या संक्रमण का एक लक्षण हो सकता है।

मुख्य बाजार से दानरो नदी तक घरों का हुआ सत्यापन

नवीन मेल संवाददाता। डंडई
डंडई से पनघटवा डैम तक बनाए जा रहे काली कारण सड़क में पड़ रहे भूस्वामी के घरों का गुरुवार को सत्यापन किया गया।

अंचलाधिकारी चोनाराम हेम्ब्रम अंचल निरीक्षक राजेंद्र यादव, राजस्व कर्मचारी इंडेश्वर बैठा व अमीन की संयुक्त कार्रवाई के दौरान गुरुवार के दिन डंडाई मुख्य बाजार से यादव टोला होते दानरो नदी तक दाएं और में बने सभी घरों का सत्यापन करने का काम किया गया। इस बीच अधिकारियों के द्वारा भू अर्जन विभाग से प्राप्त नक्शा व गुनिया के सहयोग से घरों का सत्यापन किया गया। वहीं सत्यापन के दौरान कई भूस्वामी के घरों के

अंदर तक सड़क की भूमि पड़ने पर उनके बीच काफी नाराजगी देखी गई। मामले को लेकर लोग जगह जगह पर इकट्ठा होकर उस बाबत आपस में बात विचार करना शुरू कर दिए। मौके पर अंचलाधिकारी ने कहा कि भू अर्जन विभाग से प्राप्त नक्शा के अनुसार भूस्वामी के घरों का सत्यापन करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले दिन डंडई मुख्य बाजार से यादव टोला होते दानरो नदी तक दाहिने तरफ जितने भी भूस्वामियों के घर निर्मित हैं, का सत्यापन करने का काम किया गया।

उसके बाद अगले दिन बाईं ओर भी भूस्वामी के द्वारा बनाए गए घरों का सत्यापन किया जाएगा। अंचलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क के दोनों तरफ सत्यापन कार्य पूर्ण हो जाने के बाद इसकी लिखित रिपोर्ट भूअर्जन विभाग को दे दी जाएगी। मौके पर पवन प्रसाद, सुमित कुमार, छोटू कुमार, अमित कुमार, अविनाश कुमार, मंसूर अंसारी, सच्चिदानंद प्रसाद इत्यादि उपस्थित थे।

मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने एक साथ तीन थाना भवनों का किया उद्घाटन, कहा-

सरकार की सोच, आधारभूत संरचना मजबूत हो

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया
प्रखंड मुख्यालय स्थित चिनिया थाना भवन का उद्घाटन झारखंड सरकार के स्वच्छता एवं पेयजल विभाग के मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने उद्घाटन किया। वहीं रंका और खरौंधी के थाना भवनों का भी यहीं से ऑनलाइन उद्घाटन किया। तीनों भवन साढे छह करोड़ रुपये की लागत से बने हैं। मौके पर उपायुक्त शेखर जमुआर, पलामू प्रक्षेत्र के महा निरीक्षक राजकुमार लकड़ा और गढ़वा पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा मौजूद रहे।

मंत्री ने कहा कि चिनिया के विकास में नया अध्याय जुड़ गया है। चिनिया जैसे दुर्गम प्रखंड में थाने का अपना भवन नहीं था। एक समय था जब यह नक्सलवाद से ग्रसित क्षेत्र था। ऐसे में यहां काम करना पुलिस के लिये बड़ा कठिन कार्य होता था। यह थाना भवन सभी सुविधाओं से युक्त होगा। पुलिस की कार्य क्षमता में निखार आएगा तथा पुलिसकर्मी नए जोश एवं उमंग के साथ आम लोगों की सेवा करेंगे। अब यहां के लोगों को परेशानी नहीं होगी। सरकार की सोच है कि आधारभूत संरचना मजबूत हो। सरकार का उद्देश्य है कि अपराधी पुलिस की नजर से नहीं बच सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रखंड, पंचायत को सक्षम बनाना है। अंतिम पंक्ति के लोगों को सुविधा मिल सके इसके लिये इंटरनेट से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसके बाद सभी समस्याओं का समाधान पंचायत स्तर पर होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार ने धरातल पर कार्य नहीं किया था। हमारी सरकार आधारभूत संरचनाओं को प्रमुखता से विकसित कर रही है।

उपायुक्त शेखर जमुआर ने कहा कि सरकार द्वारा जो कार्य किया जा रहा है वह जनमानस के लिए कल्याणकारी और शांति और सुकून दे रहा है। सरकार ज्यादा से ज्यादा विकास के लिए कार्य कर रही है। कई गवर्नमेंट बिल्डिंग बन रहे हैं। 50 प्रतिशत पंचायत भवन को वाईफाई किया जा रहा है। राज्य सरकार की सोच को धरातल पर लाने के लिए सारा इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप किया जा रहा है जो बहुत ही सराहनीय कार्य है। पुलिस महानिरीक्षक राजकुमार लकड़ा ने संबोधित किया। वहीं पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा ने कहा कि गढ़वा पुलिस के लिए आज खुशी का दिन है। चिनिया, रंका एवं खरौधी थाना भवन का उद्घाटन किया जा रहा है। 1993 में चिनिया को पिकेट बनाया गया था7 2002 में ओपी एवं 2009 में थाना बनाया गया था। अभी जल संसाधन विभाग के बिल्डिंग में थाना चलाया जा रहा था। वहीं रंका 1883 में थाना अधिसूचित हुआ था। रंका को भी अब नया भवन मिल गया है। खरौधी 2009 में थाना अधिसूचित किया गया था अब वहां भी नया भवन मिल गया है। इससे आम लोगों एवं पुलिस कर्मियों को काफी सुविधा होगी। सरकार द्वारा पुलिस को सशक्त किया जा रहा है। जिले में 18 थानों में कांडी को छोड़कर लगभग सभी को नया थाना भवन मिल गया है। पुलिसकर्मी अब संवेदन के साथ नई ऊर्जा के साथ सेवा देंगे।

इस मौके पर एसडीएम राम नारायण सिंह, डीएसपी संतोष कुमार, इंस्पेक्टर रामजी महतो, बीडीओ कालिदास मुंडा, सीओ निषात अंजुम, थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार, 20 सूत्री के जिला उपाध्यक्ष नितेश कुमार सिंह, झामुमो के जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, झामुमो के अरविंद यादव, मनोज ठाकुर, छोटू सिंह खरवार, समाजसेवी मोहम्मद फरीद तथा प्रखंड से आए हुए पंचायत प्रतिनिधि व सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।

खरौंधी थाने को मिला अपना भवन, मंत्री ने किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। खरौंधी
खरौंधी थाना भवन का उद्घाटन सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने चिनिया से ऑनलाइन उद्घाटन किया। इसके पश्चात पंडित अलखनाथ दूबे ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ नवनिर्मित थाना भवन में प्रवेश कराया। एसडीपीओ प्रमोद कुमार केसरी ने कहा कि थाना भवन के निर्माण पर 2 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत आयी है। इस दौरान थाना

प्रभारी अभय कुमार, बीडीओ गणेश महतो, प्रमुख आभा रानी, जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान, उपप्रमुख देवदत प्रसाद आर्य, विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र दास, जितेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष संध्याकर विश्वकर्मा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोर, उपाध्यक्ष मिथलेश राम, वरिष्ठ भाजपा नेता बसंत यादव, रामकृपाल द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि रामखेलावन पासवान, 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश रजक, सीआई मोजिब खान, एसआई सोनू कुमार, पंकज कुमार, सुरेंद्र दूबे, चंदनी मुखिया रामगहन मेहता, कूपा मुखिया प्रमोद राम, शिवकुमार यादव, आलोक सिन्हा, उमेश जायसवाल, रामनाथ मेहता, गोरखनाथ चौधरी, कृष्णा साह, देवबंश गुप्ता, कृष्णा राम, सतीश राम, संतोष सिंह, शशि पासवान, अशोक ठाकुर आदि उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिये कई दिशा निर्देश

कहा, अगले तीन वर्षों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की वार्षिक आय को एक लाख तक करने का लक्ष्य

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा
समाहरणालय गढ़वा के सभागार में आज उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति के प्रथम त्रैमासिक (2023-24) की बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा पूर्व में दिए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई। इसके उपरांत उपायुक्त ने गढ़वा जिला अंतर्गत सभी बैंकों का सीडी रेशियो, वार्षिक साख योजना (एसीपी) 2023-24, केसीसी, पीएमईजीपी, एमएसएमई, पीएमएफएमई, महिला लखपति किसान योजना, आरसेटी, फिनांसियल इनक्लूजन समेत अन्य योजनाओं एवं विषयों को लेकर गहन समीक्षा की गई एवं निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने हेतु कई आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त द्वारा बैंकों को सीडी रेशियो बढ़ाने का निर्देश दिया गया। जिला अग्रणी प्रबंधक द्वारा जानकारी दी गई कि गढ़वा जिले के 189 पंचायतों में स्वयं सहायता समूह के चयनित और प्रशिक्षित सदस्य को बीसी प्वाइंट का अधिष्ठापन कराया जाना है, जिले में ऐसे 186 सदस्यों को प्रशिक्षित किया जा चुका है और जिन्होंने इस से संबंधित आईआईबीएफ की परीक्षा भी पास कर ली है। उक्त सभी बीसी सखी को पंचायतों में बीसी पॉइंट खोलने के लिए सभी बैंक को सहयोग करने हेतु उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया। जिससे पंचायतों में बीसी प्वाइंट खोला जा सके।

बैठक में महिला लखपति किसान योजना पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि अगले 3 वर्षों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की वार्षिक आय को एक लाख तक करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे लेकर उपायुक्त ने उपस्थित बैंक के प्रतिनिधियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा डिस्टिक लाइवलीहुड पोटेंशियल मैपिंग में चिन्हित विभिन्न आजीविका गतिविधियों को प्राथमिकता देने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चल रही योजनाओं को चिन्हित कर महिला लखपति किसान पहल से जोड़ने एवं जिला स्तर पर उपलब्ध विभिन्न स्रोतों से ट्रेनिंग एवं क्रेडिट की उपलब्धता सुनिश्चित कर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को लाभ देने संबंधित कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी बैंकों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने को कहा। बैठक में आरसेटी के तहत गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के एनुअल एक्टिविटी रिपोर्ट (वार्षिक गतिविधि प्रतिवेदन) का विमोचन किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, माननीय सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि समेत डीडीएम नाबार्ड, लक्ष्मण कुमार, आरबीआई एलडिओ, अखुण्डल सोरेन, जिला अग्रणी प्रबंधक एके मांझी, आरसेटी प्रभारी इंदु भूषण लाल, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र पलामू सह गढ़वा, जिला कृषि पदाधिकारी, शिवशंकर प्रसाद, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी संजीव सिंह आदि उपस्थित रहे।

खाद्य आपूर्ति आयोग के अध्यक्ष ने बिरहोर परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा

नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर
झारखंड राज्य खाद्य आपूर्ति आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी गुरुवार को गिद्धौर प्रखंड के बिरहोर टोला जपुआ पहुंचे। यहां उन्होंने बिरहोर परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेने के दौरान उन्हें हर माह मिलने वाले अनाज की जानकारी ली और मौके पर मौजूद बीडीओ को कई दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने कहा पीडीएस दुकानों को पूरी तरह से पारदर्शी बनाएं। दुकान के बाहर बोर्ड लगाकर आवंटन और वितरण समेत पूर्ण जानकारी अंकित करें व लाभुकों को वितरण पर्ची जरूर दें। क्योंकि इन बिंदुओं पर लापरवाही से ही दुकानों में गड़बड़ी की शुरआत होती है। इस लिये सबसे पहले इसे दुरुस्त करें। चौधरी ने दो विद्यालयों में मध्ययहन भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। भोजन की गुणवत्ता से संतुष्ट दिखे। उन्होंने विद्यालयों में मेन्यू का बोर्ड आवश्यक रूप से लगाने का निर्देश दिया। इस दौरान डीएसओ सलमान जफर खिजरी, बीडीओ संजीत कुमार सिंह, गणेश रजक समेत अन्य शामिल थे।

झंडोत्तोलन की समय सारणी की गयी निर्धारित

बीडीओ की अध्यक्षता में हुयी बैठक में स्वतंत्रता दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों पर हुयी चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। विशुनपुरा
प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न कार्यालयों संस्थानों में झंडोत्तोलन के लिए समय निर्धारित किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रमुख दीपा कुमारी ने की। निर्धारित समय के अनुसार प्रखंड कार्यालय में सुबह 8:00, विशुनपुरा थाना में 8:25, राज राजेन्द्र प्रताप देव उच्च विद्यालय 8:45, विशुनपुरा अस्पताल 9:05, पिपरी कला प्लस टू विद्यालय व राजकीय मध्य विद्यालय विशुनपुरा 9:20, वनांचल ग्रामीण बैंक 9:30, सभी पंचायत भवन 10:00, सरकारी गैर सरकारी विद्यालय 10:00 बजे, बीआरसी 10:15 झंडोत्तोलन करने का निर्णय लिया गया। बीडीओ हीरक मन्ना केरकेट्टा, विधायक प्रतिनिधि कृष्णा विश्वकर्मा, बीस सूत्री अध्यक्ष सलेंद्र देव, बीपीएम मोनिका दोड्राय, बीपीओ मनोज कुमार, मुखिया प्रतिनिधि अशोक पासवान, पंकज सिंह, प्रवीण यादव, बीडीसी भरदुल चंद्रवंशी, जितेंद्र दीक्षित, भुनेश्वर राम सहित प्रखंड व अंचल कर्मी शामिल थे।

डीसी की अध्यक्षता में विभिन्न योजनाओं को लेकर हुई समन्वय समिति की बैठक

नवीन मेल संवाददाता। चतरा
उपायुक्त अबु इमरान की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति/मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं अन्य सभी विकास तथा कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, रूबर्न मिशन योजना समेत अन्य योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की गई, जिसमें मुख्य रूप से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजना, विशेष केन्द्रीय सहायता मद से संचालित योजना, मेरी माटी मेरा देश अभियान, फाइलेरिया उन्मूलन अभियान, सामाजिक सुरक्षा विभाग अन्तर्गत संचालित योजना समेत अन्य

योजनाओं की क्रमवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रगति प्रतिवेदन की प्रस्तुती पावर ऑफ प्रेजेंटेशन के माध्यम से की गई। प्रतिवेदन के आधार पर उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा जानकारी दी गई की 2016-2022 तक के आवास योजना लगभग प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 25 हजार पूर्ण कर लिए गए हैं। 4 हजार आवास लंबित हैं जिसे जल्द से जल्द पूर्ण करा लिया जायेगा। बैठक में डीडीसी, एसी पवन कुमार मंडल, जिला भू अर्जन पदाधिकारी गौरांग महतो, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरजमुनी कुमारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी निलम कुमारी, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल चतरा, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, डीपीएम जेएसएलपीएस अनिल डुंगडुंग, सभी बीडीओ आदि उपस्थित थे।

शिविर | कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में हुआ 85 छात्राओं का स्वास्थ्य जांच

आई फ्लू होने पर लें चिकित्सकीय परामर्श : डॉ. कुलदेव

नवीन मेल संवाददाता। रमकंडा
कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, रमकंडा में 85 छात्राओं का स्वास्थ्य जांचा गया, जिसमें अधिकतर आई फ्लू से पीड़ित बच्चे मिले। इसके अलावा सर्दी, खांसी, बुखार, पेट दर्द, सिर दर्द, चर्म रोग आदि की समस्या से भी ग्रस्त थे। आई फ्लू को कंजक्टिवाइटिस और पिंक आई के नाम से भी जाना जाता है। दूसरे शब्दों में इसे आंख आना कहते हैं।

स्वास्थ्य जांच कर रहे चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुलदेव चौधरी ने कहा कि आई फ्लू एक तरह से आंखों का संक्रमण होता है, जिसमें आंख लाल होना, आंखों में दर्द और सूजन जैसी समस्याएं होती है। यह बीमारी संक्रमण के कारण होती है और यह संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकता है। आमतौर पर धूल, मिट्टी, गन्दगी की वजह से आंखों में एलर्जी होती है, जिसके कारण आई फ्लू जैसी बीमारियां फैलती है। यह बरसात के मौसम में ज्यादा होती है, क्योंकि इस मौसम में नमी, जलजमाव और गंदगी ज्यादा देखने को मिलती है और वातावरण में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आंखों के सफेद भाग का कंजक्टिवा में सूजन आ जाती है और आंखें लाल हो जाती है। आई फ्लू के मुख्य लक्षण में आंख लाल होना, आंख में दर्द होना, सूजन होना, आंखों से पानी आना, आंखों में खुजली की समस्या, आंखों से ज्यादा कीचड़ आना, सुबह नींद खुलने पर आंखों का चिपकना आदि होता है क डॉ चौधरी ने कहा कि आई फ्लू एक संक्रामक बीमारी है, इसके लक्षण दिखने पर आपको काउंटर से दवाओं का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए बल्कि किसी भी तरह के लक्षण दिखने पर डॉक्टर से परामर्श लें। ऐसे में डॉक्टर आपको एंटीबायोटिक दवाएं और आई ड्रॉप देते हैं। साथ में जो गंभीर रूप से संक्रमित होते हैं, उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सक से इलाज कराना चाहिए। इस समस्या को कम करने के लिए आप हॉट और कोल्ड कंप्रेस उपयोग कर सकते हैं। घर से बाहर निकलते समय चश्मा जरूर पहनें। आंख धोने के लिए गुलाब जल का प्रयोग करें, इससे संक्रमण का खतरा कम होता है। गाजर और पालक दोनों आंखों को स्वस्थ रखने के लिए फायदेमंद होते हैं। आप गाजर को नियमित रूप से ज्यादा खाएं और पालक के जूस का सेवन कर सकते हैं। मेडिकल टीम में डॉ मो. इश्तेयाक, लैब टेक्नीशियन मंजुल अंसारी, बिपिन कुमार के साथ वार्डन कांति कुमारी, शिक्षिका सुमन अग्रवाल, धीरजमणि लकड़ा, नीलम सरोज लकड़ा, विनीता कच्छप, प्रियंका कुमारी, दीपशिखा टोप्पो, विद्यलय स्वास्थ्य मंत्री ऋषिका मिंज आदि उपस्थित थे।

चेचरिया के राजकीय मध्य विद्यालय में 311 छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के चेचरिया स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित अनुमंडलीय अस्पताल के डॉ संतोष कुमार, डॉ कैसर आलम, एएनएम कुमारी नीलम लता ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी विस्तार से दी। शिविर में विद्यालय के 311 छात्र छात्राओं का गहन स्वास्थ्य जांच किया गया। शिविर में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार विश्वकर्मा, रामलाल मिश्रा, मीरा कुमारी, खुशदिल सिंह, आफताब आलम, अनिता कुमारी, शशि कुमारी, सुधा कुमारी, अनूप ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व अभिभावक उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बच्चों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु
प्रखंड के डाढ़ा पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बचरा में गुरुवार को विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम के तहत वर्ग 6 से वर्ग 8 तक के किशोर किशोरियों की शारीरिक विकास, किशोरियों में माहवारी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर चर्चा की गई। इस संबंध में छात्र छात्राओं को बताया गया कि जो भी समस्याएं हो वे शिकायत पेटी में लिखित डाल सकते हैं। अपना सुझाव भी दे सकते हैं। समाज में आज व्याप्त बुराई दहेज प्रथा बाल विवाह, सड़क सुरक्षा, मानव तस्करी, साइबर सुरक्षा से बचाव संबंधित चर्चा की गई। मुख्य रूप से प्रभारी बबीता कुमारी, सहायक अध्यापक भीम प्रजापति, ललिता श्रीवास्तव छात्रा अंशु कुमारी, शिवानी कुमारी, नंदनी, मुन्ना कुमार, छोटू कुमार सहित कई छात्र छात्रा मौजूद थे।

अपराध पर लगे लगाम

किसी भी राज्य के विकास के लिए लॉ एंड आर्डर का मजबूत होना बहुत जरूरी है। लेकिन हाल के दिनों में अपने राज्य झारखंड में यह नहीं देखने को मिल रहा है। राज्यवासी अपने आप को तभी सुरक्षित मानते हैं जब अपराधियों में पुलिस का खौफ होता है लेकिन हाल के दिनों में जिस प्रकार से राज्य के विभिन्न जिलों में आपराधिक घटनाएं हुई है, उससे अपराधियों में पुलिस के खौफ को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। पुलिस मुख्यालय की ओर से बीते कुछ दिनों में लगातार प्रेस रिलीज जारी कर झारखंड एटीएस की उपलब्धियां बताई जा रही है लेकिन दूसरी तरफ आलम यह है कि रामगढ़, खूंटी, सरायकेला, धनबाद, गिरिडीह, देवघर जैसे जिलों में घटनाएं थमती नजर नहीं आ रही हैं। बेखौफ अपराधी जिस प्रकार से अलग अलग जिलों में हत्या, लूट, डकैती और छिनतई जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, उससे तो अब पुलिस वालों के परिवार भी सुरक्षित नजर नहीं आ रहे हैं। अभी एक पखवाड़ा भी नहीं बीता है जब रामगढ़ में ही अपराधियों ने एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा को गोली मारकर घायल कर दिया था। रामगढ़ में पिछले माह एटीएस और अमन साहू गैंग के साथ हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा को गोली मारकर घायल कर दिया था। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद आला अधिकारियों के साथ मीटिंग कर राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर गहरी नाराजगी जताई थी लेकिन महज 10 दिनों के अदर ही बेखौफ अपराधियों ने रामगढ़ में ही बेखौफ अंदाज में सरेशाम होटल संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी। हथियार के बल पर व्यापारी बादल साहू से हुई लूट और गोलीबारी की घटना के बाद बदमाश जंगल में भाग गये तो पुलिस और ग्रामीण जंगलों में घंटों खाक छानते रहे लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस अधिकारी लाख दावा कर रहे हैं कि अपराधी को कंट्रोल किया जा रहा है लेकिन बेखौफ इस इधर बेखौफ अंदाज में घटना को अंजाम दे रहा है। इससे पूर्व आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक के पास स्थित ईश्वर लाल ज्वेलरी शॉप में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया था। बदमाशों ने करीब 70 लाख के गहने लेकर मौके से फरार हो गये। घटना को सुबह 11 बजे तीन अपराधियों ने ग्राहक बनकर अंजाम दिया। पिस्टल का भय दिखाकर अपराधियों ने दुकान में रखे सभी गहनों को लूट लिया और भागने के दौरान आराम से दुकान का शटर भी बाहर से बंद कर मौके से भाग निकले। पुलिस अब तक इस मामले का भी खुलासा नहीं कर सकी है।घर जिले में भी अपराधियों ने चौक चौराहे पर गोलीबारी कर भय का माहौल पैदा किया। गनीमत यह रही कि इस गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ। वहीं गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गया। इस बाबत झारखंड पुलिस के प्रवक्ता ने कहा है कि बढ़ते अपराध को हर हाल में रोका जायेगा। लेकिन राज्य में जिस प्रकार से अपराधी तांडव मचा रहा है उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पुलिस का खौफ अपराधियों के अंदर खत्म हो गया है और हर जिले में कोई ना कोई बड़ा आपराधिक की घटना को अंजाम दे रहा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह अपराधियों को काबू करे,नहीं तो आने वाले दिनों में लोगों का सरकार से भरोसा खत्म हो जायेगा।

अभी एक पखवाड़ा भी नहीं बीता है जब रामगढ़ में ही अपराधियों ने एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा को गोली मारकर घायल कर दिया था। रामगढ़ में पिछले माह एटीएस और अमन साहू गैंग के साथ हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा को गोली मारकर घायल कर दिया था।

जीवन में संतुलन के लिए प्रकृति संरक्षण जरूरी

योगेश कुमार गोयल

विश्व भर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। विश्वभर में मौसम चक्र में निरन्तर आते बदलाव और बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी अब संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता परिषद, 'इंटरगवर्नमेंटल साइंस-पॉलिसी प्लेटफॉर्म ऑन बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज' (आइपीबीईएस) द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में करीब 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है क्योंकि जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, जिससे दुनियाभर के लोगों के स्वास्थ्य और उनकी जीवन की गुणवत्ता को नुकसान पहुंच रहा है। मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज का ही असर है कि इन दिनों अपेक्षाकृत ठंडे रहने वाले यूरोप और अमेरिका जैसे इलाके भी ग्लोबल वार्मिंग के कारण बुरी तरह तप रहे हैं। उत्तरी ध्रुव से लेकर यूरोप, एशिया, अफ्रीका, हर कहीं जलवायु परिवर्तन के खौफनाक दुष्परिणाम नजर आ रहे हैं। कहीं ठंडे इलाके भी भीषण गर्मी से झुलस रहे हैं तो कहीं सूखे इलाके बाढ़ से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, जंगल झुलस रहे हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इंसानी गतिविधियों के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी का तापमान पूर्व-औद्योगिक काल की तुलना में इस सदी के अंत तक 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिससे विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों के लिए 10 गुना खतरा बढ़ जायेगा। पर्यावरण के इस तेजी से बदलते दौर में भली-भांति यह समझ लेना होगा कि जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इन समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है कि प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि प्रकृति का संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अब अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आने लगी है। प्रकृति का संतुलन बनाये रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सबको भी अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर दुनियाभर में जो छेड़छाड़ हो रही है, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। पर्यावरण संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों का संक्रमण, न्यूमोनिया, लकवा इत्यादि के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा इन बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। जब भी कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आती है तो हम प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने निहित स्वार्थों के चलते हम यदि प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ बंद नहीं करते तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं। मानवीय क्रियाकलापों के ही कारण वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन तथा पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं लेकिन विकास के नाम पर एक ही झटके में हजारों पेड़ों का सफाया कर दिया जाता है। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें स्वयं विचार करना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? हर बात के लिए सरकार से अपेक्षाएं करना ठीक नहीं। सरकारों का काम है किसी भी चीज के लिए कानून या नियम बनाना और जन-जागरूकता पैदा करना लेकिन ईमानदारी से उनका पालन करने की जिम्मेदारी तो हमारी है। यदि हम वाकई प्रकृति संरक्षण चाहते हैं तो हमें अपनी रोजमर्रा की कुछ आदतों में भी सुधार करना होगा, जिससे पानी, बिजली इत्यादि बचाने में मदद मिले। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। प्रकृति संरक्षण के लिए जरूरी है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में भी दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति देखभाल भी करें। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाईऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। इस तरह की छोटी-छोटी पहल से भी हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं।

कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों का संक्रमण, इत्यादि के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा इन बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

इन दिनों

बोधि वृक्ष

आइये सुने कथा चंद्रगुप्त मौर्य की

परंतु नंद को तो अपने विलास भोगों से ही फुरसत कहां थी। इसलिए उसने चाणक्य को अपमानित कर अपने यहां से भगा दिया। अब चाणक्य ने समझ लिया कि प्रस्तुत लक्ष्य किसी राजा या सम्राट से पूरा नहीं होगा। उसके लिए तो एक नयी ही शक्ति का उदय होना चाहिए जो देश प्रेम, वीरता, संघ निष्ठा और एकता के आधार पर उदित हो। चाणक्य स्वयं तो संन्यासी और धर्माचार्य थे। स्वयं राजनीति में प्रत्यक्ष भाग लेना उन्हें मर्यादाओं के विरुद्ध लगा इसलिए अपने किसी निष्ठावान शिष्य को यह उत्तरदायित्व सौंपकर इस अभियान का सूत्र संचालन ही उपयुक्त लगा और वे इसलिए योग्य शिष्य की तलाश में इधर-उधर भटक रहे थे। चंद्रगुप्त में वह प्रतिभा देखकर उन्होंने शिकारी से संपर्क साधा और उसे अपने साथ ले जाने के लिए तैयार कर लिया। चाणक्य अपने नये शिष्य को लेकर तक्षशिला पहुंचे और वहां शस्त्र तथा शास्त्र दोनों सिखाने लगे। शासक स्तर के व्यक्ति को बुद्धि और शक्ति दोनों ही विभूतियों से संपन्न होना चाहिए। चाणक्य ने अपने ग्रंथों में स्थान-स्थान पर यह विचार व्यक्त किया है। शासक ही क्या सामान्य व्यक्ति के लिए भी बुद्धि-बल और शरीर बल दोनों का महत्व अपेक्षणीय है। चंद्रगुप्त ने सात-आठ वर्ष तक अपने योग्य और विद्वान गुरु के पास रहकर दोनों विभूतियां अर्जित कीं। तक्षशिला में व्यतीत किया समय चंद्रगुप्त के भावी जीवन का आधार मजबूत करने और बनाने का कारण बना। चाणक्य ने अपने शिष्य को शस्त्र और शास्त्र में पारंगत बनाने के साथ-साथ उसके चरित्र गठन की ओर भी ध्यान दिया। चरित्र ही तो समस्त सफलताओं और सदुद्देश्यों को प्राप्त करने का मुख्य आधार है। इसके अभाव में बड़े-बड़े शक्तिशाली साम्राज्य और सम्राटों का नाश तथा पतन हुआ है। आदि काल से अब तक इस बात के कई उदाहरण इतिहास में भरे पड़े हैं।

(क्रमशः)

जो लाते हैं उदास चेहरों पर मुस्कान

आर.के.सिन्हा

मणिपुर से लेकर मेवात तक से हिंसा और अशांति की खबरों के बीच एक उम्मीद अवश्य जागती है कि हमारे यहां किसी कारण से कष्ट में आ गये लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाले फरिश्तों की भी कोई कमी नहीं है। बाढ़, भूकंप या किसी महामारी के समय कुछ फरिश्ते उम्मीद बनकर सामने आ ही जाते हैं। मेवात में दंगा भड़काने वालों के खिलाफ तो कड़ी कार्रवाई करनी ही होगी, पर दंगों की चपेट में आये लोगों के इलाज और भोजन की व्यवस्था करने में राजधानी के शहीद भगत सिंह सेवा दल, दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी समेत कई सामाजिक संस्थानों के वालंटियर सामने आये। उन्होंने दंगा प्रभावित लोगों को भोजन से लेकर दवाइयां तक उपलब्ध करवायी। याद रखिये, यह जो समाज सेवा का जज्बा है, ये सब में तो नहीं होता। समाज सेवा में कोई धन तो नहीं मिलता। बल्कि, घर से ही जाता है पर इंसान अपने को भीड़ से अलग तो कर ही लेता है। देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत फिल्में बनाने निर्माता, निर्देशक और एक्टर मनोज कुमार कभी-कभी सुनाते हैं कि किस तरह जब उनका परिवार देश विभाजन के बाद बुरी स्थिति में दिल्ली आया तो सेंट स्टीफंस अस्पताल के डाक्टरों ने उनके परिवार के बुजुर्ग सदस्यों का पूरे मन से इलाज किया और उन्हें सेहतमंद किया। सेंट स्टीफंस अस्पताल को उसी दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने स्थापित किया था जिससे गांधीजी के परम सहयोगी दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज जुड़े हुए थे। प्रोटेस्टेंट ईसाइयों की संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी का लक्ष्य धर्मांतरण कभी नहीं रहा। धर्मांतरण ज्यादातर कैथोलिक मिशनरी करवाते हैं। बहरहाल, देश के 1947 में विभाजन के बाद बड़ी संख्या में शरणार्थी दिल्ली आये तो उन्हें हर तरह की मदद दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने दी। अपने परिसर में शरणार्थी हिंदुओं और सिखों को छत दी। हाल ही में दिल्ली में बाढ़ आई तब भी इसके वालंटियर बाढ़ प्रभावित परिवारों को भोजन और दवा बांटते रहे। मैं पिछले दिनों आगरा में गया था। वहां पर रोटरी क्लब के कुछ सदस्यों से मिला। जानकार बहुत संतोष हुआ कि वे आगरा और आसपास के नौजवानों को वोकेशनल ट्रेनिंग दिलवाने के साथ-साथ लड़कियों को साइकिलें भी दे रहे हैं ताकि वे आराम से अपने स्कूलों में आ-जा सकें। इसके अलावा वे रक्तदान शिविर आयोजित करते है। यकीन मानिये कि मुझे रोटरी क्लब के मेंबर्स के बीच में जाकर गर्व होता है। सारे संसार में रोटरी क्लब के सदस्य सोशल सर्विस में बढ़-चढ़कर एक्टिव हैं। ये सिलसिला बीते कई दशकों से चल रहा है। रोटरी क्लब में बिजनेस की दुनिया से संबंध रखने वालों की भरमार है। ये मुख्य रूप से दो तरह के काम कर रहे हैं। पहला, ये नौकरी के अवसर पैदा कर रहे हैं। दूसरा, यह किसी दुखी इंसान के चेहरे में मुस्कान लाने की कोशिश करते हैं। सच में, मैं तो इन्हें ईश्वर का दूत ही मानता हूं। वर्ना आज के दिन कौन किसके आंसू पोंछता है। मैं बिजनेस और इंडस्ट्री की गतिविधियों को भी फॉलो करता हूं। इसलिए मैं कह सकता हूं कि बिजनेस करना कोई बच्चों का खेल नहीं है। तमाम तरह की अड़चनों को पार करके आप बिजनेस करते हैं और फिर टैक्स देते हैं। यह सब करने के बाद समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का होना बहुत बड़ी बात है। मैं दिल्ली में पृथ्वीराज रोड से गुजरते हुए दो शख्सियतों के घरों को देखकर कुछ पलों के लिए ठहर जाता हूं या मेरी नजरें झुक जाती हैं। मैं बात कर रहा हूं बाबा साहेब आंबेडकर और जेआरडी टाटा के घरों की। ये दोनों महान विभूतियां पृथ्वीराज रोड पर अलग-अलग समय में रहीं। दोनों ने हमारे देश को बेहतर बनाने में अपना ठोस रोल निभाया। जेआरडी टाटा ने टाटा समूह को खड़ा किया। उन्होंने देश में शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र को भरपूर सहयोग किया। जहां तक बाबा साहेब की बात है तो उन्होंने देश को एक शानदार संविधान देने में अहम भूमिका निभाई।

धर्मांतरण ज्यादातर कैथोलिक मिशनरी करवाते हैं। बहरहाल, देश के 1947 में विभाजन के बाद बड़ी संख्या में शरणार्थी दिल्ली आये तो उन्हें हर तरह की मदद दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने दी।

समाज सेवा

फोटो की दुनिया

फेसबुक वॉल से

अध्यादेश पर विपक्षी गठबंधन की फजीहत

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अध्यादेश पर आम आम आदमी पार्टी का साथ देना विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए पर भारी पड़ा। संसद में उसे असहज स्थिति का सामना करना पड़ा क्योंकि चर्चा के दौरान आबकारी घोटाला, अरविंद केजरीवाल के शीशमहल निर्माण घोटाला, इससे सम्बन्धी फाइलों को गायब करने के प्रयास आदि भी चर्चा में आ गये। यह भी पता चला कि दिल्ली विधानसभा और केजरीवाल मंत्रिमण्डल की बैठकें भी संवैधानिक भावना के अनुरूप नहीं होती थी। इसमें केजरीवाल की मनमानी व्यवस्था लागू रहती थी। इन तथ्यों के सामने आने पर अध्यादेश का विरोध करने वालों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। संदेश यह गया कि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए आप सरकार के कथित घोटालों और अलोकतांत्रिक तौर-तरीकों का समर्थन कर रहा है, उसका बचाव कर रहा है। विपक्षी आईएनडीआईए पर नरेन्द्र मोदी ने जो आरोप लगाये थे, वह इनकी अपनी हरकतों से प्रमाणित हो गये। मोदी ने कहा कि ये पार्टियां घोटालों से एक-दूसरे को बचाने के लिए एकजुट हुई हैं। जब से संसद का मानसून सत्र प्रारंभ हुआ, तब से विपक्ष मणिपुर को लेकर हंगामा कर रहा है लेकिन आम आदमी पार्टी के समर्थन में हंगामा छोड़ कर संसद की कार्यवाही में शामिल हो गये। कांग्रेस के नेता जानते थे कि उन्होंने दिल्ली के लिए जो संवैधानिक प्रावधान किये थे, अध्यादेश उसी के अनुरूप था। केजरीवाल भी दिल्ली की संवैधानिक व्यवस्था को समझते थे। इसे समझते हुए ही उन्होंने बेशुमार चुनावी वादे किये थे। उन्होंने कभी नहीं कहा कि दिल्ली पूर्ण राज्य होगा तभी वह सब वादे पूरे करेंगे। वह पूर्ण राज्य क्यों चाहते थे, यह भी कुछ घण्टों में पता चल गया। फाइलों को गायब करने और जांच को प्रभावित करने के काम किये गये। इसके चलते ही केंद्र सरकार को अध्यादेश लाना पड़ा। विपक्षी गठबंधन को इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिये। क्या वह आप सरकार के इस कार्य से सहमत थी। अन्यथा अध्यादेश का विरोध क्यों कर रही थी। देश के किसी भी केंद्र शासित राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिला है। केजरीवाल को भी यह संवैधानिक स्थिति स्वीकार करनी चाहिए। आम आदमी पार्टी ने विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की शर्त लगाई थी। उसका कहना था कि दिल्ली सम्बन्धी अध्यादेश पर कांग्रेस उसका समर्थन करेगी तभी वह गठबंधन का हिस्सा बनेगी। पहले कांग्रेस इस विषय पर असमंजस में थी। दिल्ली उसी संवैधानिक व्यवस्था से संचालित हो रहा था, जिसका प्रावधान कांग्रेस की सरकार ने किया था। इसके अनुरूप कांग्रेस की शीला दीक्षित ने पंद्रह वर्षों तक सरकार चलाई थी। दिल्ली सरकार संशोधन विधेयक से पारित हो गया। यह निर्णय संविधान के अनुरूप था। गृहमंत्री अमित शाह ने केजरीवाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाये। कहा कि आप के निशाने पर सतर्कता विभाग था। जिससे घोटालों की जांच को प्रभावित किया जाय। उसके पास आबकारी घोटाले की फाइल, मुख्यमंत्री के नये बने आवास को अवैध रूप से बनाये जाने से संबंधित फाइल, बीएसईएस से संबंधित फाइल, एक कंपनी पर इक्कीस हजार करोड़ रुपये के बकाया होने के बावजूद उसे फिर फंड देने से संबंधित फाइल जांच के लिए पड़ी हैं। केजरीवाल सरकार देश की ऐसी सरकार है, जिसके कार्यकाल में विधानसभा का सत्रावसान ही नहीं होता। जब राजनीतिक भाषण देना होता है तो विधानसभा का आधे दिन का सत्र बुला लिया जाता है। 2021 से 2023 के बीच अब तक हर साल केवल एक-एक सत्र बुलाये गये हैं। वह भी बजट के लिए। इसी तरह केजरीवाल सरकार ने वर्ष 2022 में कैबिनेट की मात्र छह बैठकें बुलायीं, वर्ष 2023 में केवल दो ही बैठकें बुलायीं। यह बैठकें भी मुख्यतः बजट को लेकर थीं। पिछले दो वर्षों से विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की एक भी रिपोर्ट सदन के पटल पर नहीं रखी।

विपक्षी आईएनडीआईए पर नरेन्द्र मोदी ने जो आरोप लगाये थे, वह इनकी अपनी हरकतों से प्रमाणित हो गये। मोदी ने कहा कि ये पार्टियां घोटालों से एक-दूसरे को बचाने के लिए एकजुट हुई हैं।

राजनीति

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर डीसी ने की बैठक

डोर टू डोर सर्वे में तेजी लाएं : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत चल रहे कार्यों को लेकर गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के निमित्त हाउस टू हाउस वेरिफिकेशन कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने असंतोष जाहिर करते हुए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र सह भूमि सुधार उप समाहर्ता मनोज कुमार रंजन को हाउस टो हाउस सर्वे के तहत किये जा रहे

कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित कर कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देने का निर्देश दिया। हाउस टू हाउस वेरिफिकेशन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिन व्यक्तियों की वर्तमान में मृत्यु हो चुकी है अथवा कोई व्यक्ति वर्तमान में संबंधित विधानसभा क्षेत्र में निवास नहीं कर रहा हो तो उनका नाम मतदाता सूची से हटाने का कार्य किया गए। वहीं, जिन व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र में फोटो की समस्या है उनके निराकरण का कार्य भी किया जाए। साथ ही उपायुक्त ने मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत 75% हाउस टू हाउस वेरिफिकेशन कार्य अनिवार्य रूप से 16 अगस्त 2023 तक पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्वाचन संबंधित प्रपत्रों यथा 6, 7, 8 आदि के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए तीव्र गति से आवेदनों को निष्पादित करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि उपायुक्त द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में गुरुवार को ही निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र भूमि सुधार उप समाहर्ता द्वारा सुपरवाइजर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम संबंधित कार्यों में तेजी लाने, मतदाता सूची को त्रुटीरहित बनाने सहित अन्य कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

हजारीबाग : आईसेक्ट विश्वविद्यालय में रोजगार मेला आज

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग के मटवारी स्थित सिटी कैंपस परिसर में 11 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा. इसमें बंधन बैंक, एक्सिस बैंक, फ्लिपकार्ट, पेटीएम, आकाश बाईजूस, रिलाइंस, डी मार्ट, कंसेंट्रिक्स, जेब्रोनिक्स, क्युस कॉर्प, बेस्ट कॉर्पोरेशन, स्टैनफैब ऐपरल्स, अबर्न डिजाइन, आईएफबी, मारूति, लावा मोबाइल समेत 20 से अधिक कंपनियां रोजगार मेले में शामिल होंगी. प्रमाण पत्रों व साक्षात्कार के आधार पर रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे. विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने बताया कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय में इससे पहले भी रोजगार मेले का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें सैकड़ों योग्य उम्मीदवारों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं. उन्होंने बताया कि इस बार 11 अगस्त को आयोजित रोजगार मेले में 20 से अधिक कंपनियां आ रही हैं. इसमें बैंकिंग, एजुकेशन, फाइनांस, सेल्स एंड मार्केटिंग, लॉजिस्टिक, रिटेल्स, मैनुफैक्चरिंग आदि युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे.

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। देश के विभाजन की 76वीं स्मृति दिवस को विभाजन विभीषिका के रूप में मानने हेतु भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय रामगढ़ में बैठक आयोजित हुई। जिसके मुख्य अतिथि कार्यक्रम के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय प्रभारी सुदेश चंद्रवंशी थे। जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने किया । वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थित में मुख्य अतिथि चंद्रवंशी ने कहा की केंद्रीय नेतृत्व द्वारा प्राप्त निदेशानुसार विभाजन के समय मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करने,राष्ट्रीय झंडे के साथ मौन जुलूस निकालने सहित ऑडिटोरियम में विभाजन पर बनी डॉक्युमेंट्री को प्रसारित कर उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम जिला स्तर किया जाना तय हुआ है जिसमे आमजनों की भी सहभागिता रहेगी। जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु पांच सदस्यीय पदाधिकारियों की टीम की घोषणा करते हुए हुए कहा की विभाजन विभीषिका का दर्द कभी भुला नहीं जा सकता। मौके पर महामंत्री प्रो.खिरोधर साहू ने कहा की कार्यक्रम को मात्र केंद्रीय नेतृत्व द्वारा निर्देशित नहीं बल्कि आज हर देशवासियों के दर्द आत्मसम्मान से जोड़कर देखा जाना चाहिए क्योंकि मात्र एक व्यक्ति की महत्वकांक्षा और आत्मशांति हेतु देश के दो टुकड़े किए गए थे। बैठक में महामंत्री छोटन सिंह,उपाध्यक्ष आनंद बेदिया, अखिलेश सिंह, मंत्री वसुध तिवारी, दिलीप सिंह, मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी, आईटी सेल प्रवीन कुमार सोनू, सोशल मीडिया संतोष शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

23 वें झारखंड राज्य स्तरीय ताइक्वांडो में डिवाइन के बच्चों ने परचम लहराया

बरकट्ठा। गंगपाचो स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने 23 वें झारखंड राज्य स्तरीय सब जुनियर ताइक्वांडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय सब जुनियर ताइक्वांडो का आयोजन धनबाद में हुआ। वहीं विद्यालय का प्रतिनिधित्व राजेश कुमार और रुपेश कुमार ने किया। दोनों ने अपने-अपने श्रेणी में स्वर्ण पदक जीत कर अपने विद्यालय का नाम रौशन किया। साथ ही दोनों बच्चों का चयन राष्ट्रीय स्तर ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर इंद्रदेव प्रसाद भारती ने सभी छात्र-छात्राओं को खेल और खेल भावना को आगे बढ़ाने और विद्यालय में अधिक से अधिक खेल प्रतियोगिताओं को कराने पर जोर दिया। प्रधानाचार्या स्याति रंजन ने कहा कि विद्यालय से अधिक से अधिक खिलाड़ी तैयार कर नेशनल और इंटरनेशनल लेवल तक पहुंचना लक्ष्य तय करें। डायरेक्टर और प्रधानाचार्या ने संयुक्त रूप से बच्चों को शुभकामनाये देते हुए कहा कि वे इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

प्रतिनिधियों ने सोना सोबरन योजना के तहत धोती-साड़ी व लुंगी का किया वितरण

बरकट्ठा । प्रखंड के बरकट्ठा उतरी पंचायत भवन में जन वितरण प्रणाली दुकान के डीलर राहुल कुमार गुप्ता,बीरेंद्र रजक और हरिजन महिला मंडल के लाभुकों के बीच सोना सोबरन योजना के तहत के धोती साड़ी और लुंगी का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख रेणु देवी, मुखिया प्रमिला देवी,पंसस प्रीति गुप्ता ,पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव के द्वारा संयुक्त रूप से वितरण किया गया। मौके पर प्रतिनिधियों ने कहा कि झारखंड सरकार का यह महत्वाकांक्षी योजना है। इससे गरीब लोगों को काफी फायदा होगी। इस योजना का लाभ सभी लोगों को आवश्यक रूप से लेना चाहिए। मौके पर प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी मंटू रजक,दुर्गा प्रसाद ,सतीश प्रसाद,सुखदेव भुइयां, लाभुक अनु देवी ,बबिता देवी,सुरेन्द्र साव ,भोला राम,सुषमा देवी,गुरुदयाल सोनार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

तीसरे दिन भी हड़ताल पर रहे एंबुलेंसकर्मी

हजारीबाग। पिछले पांच माह से बकाया वेतन की मांग को लेकर हजारीबाग के एंबुलेंसकर्मी गुरुवार को तीसरे दिन भी हड़ताल पर रहे. उनके हड़ताल पर रहने के कारण आपातकाल स्थिति से जूझने की समस्या उत्पन्न हो गई है. इस संबंध में चालक जिले के डीसी, सिविल सर्जन और राज्य सरकार से वेतन भुगतान करने की गुहार लिखित रूप से लगाई थी. इसका कोई असर नहीं हुआ, तो यह लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से प्रतिदिन 20 से 25 मरीज रिम्स रेफर होते हैं. सड़क दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा में घायल 108 एंबुलेंस से ही अस्पताल पहुंचते हैं. ऐसे में एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है.

आईसेक्ट विवि. परिसर में लगाए गए 500 पौधे

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस परिसर में गुरुवार को पौधरोपण किया गया. इसकी शुरूआत आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीके नायक, कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद व डीन एडमिन डॉ. एसआर रथ के हाथों आम के पौधे लगाकर की गई. आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से हरित आईसेक्ट -2023 के तहत एक से 15 अगस्त के बीच 2000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है,

जिसके तहत बुधवार और गुरुवार को फलदार और छायादार 500 पौधे लगाए गए. इस मौके पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीके नायक ने कहा कि बढ़ रहे प्रदूषण से बचने और पृथ्वी को बचाने के लिए पौधारोपण और उसकी देखभाल आवश्यक है. वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने कहा कि वृक्ष हमेशा ही मनुष्य के लिए अहम रहे हैं. उन्होंने कहा कि पर्यावरण मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक है. ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, जल संकट समेत अन्य समस्याओं का एक मात्र उपाय पौधारोपण है. उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक आईसेक्ट विश्वविद्यालय में 2000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा. मौके पर विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों की मौजूदगी रही.

हजारीबाग में भवनहीन 52 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को मिली स्वीकृति

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में भवनहीन 52 आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण पर सहमति बनी. वहीं केरेडारी और दारू स्वास्थ्य केंद्र का काम भी आगे बढ़ेगा. वहीं शिक्षा विभाग की 15 योजनाओं का प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया गया. यह निर्णय डीएमएफटी की प्रबंधकीय समिति की बैठक में लिया गया. समाहरणालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता गुरुवार को डीसी नैंसी सहाय ने की. बैठक में जिले में डीएमएफटी के तहत संचालित स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण सहित सिंचाई, पर्यावरण एवं स्वच्छता आदि के क्षेत्र में बेहतरी के लिए विविध योजनाओं की समीक्षा की गई. मौके पर स्वास्थ्य सुविधा को सहज करने के निमित पारा मेडिकल स्टाफ के लिए प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में उपलब्ध बल एवं संसाधनों का उपयोग करते हुए प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया. साथ ही सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक, पैथोलॉजी लैब, लिफ्ट एरिया, पैड्याट्रिक वार्ड के आधुनिकीकरण के लिए संबंधित मेडिकल स्टाफ व चिकित्सक से समन्वय कर आश्वयकता के

अनुसार प्राक्कलन बनाने का निर्देश कार्यकारी एजेंसी जिला परिषद को दिया गया. वहीं सीएचसी केरेडारी एवं पीएचसी दारू के विकास के लिए वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया गया. बैठक में शिक्षा विभाग अंतर्गत प्राथमिक मध्य एवं उच्च विद्यालय को सुदृढ़ बनाने के लिए चयनित चहारदीवारी, शौचालय, भवन का जीर्णोद्धार, पुस्तकालय आदि के कार्य के लिए चयनित लगभग 15 योजनाओं का प्राक्कलन तैयार करते हुए शेष प्रक्रिया पूर्ण कर योजनाओं को धरातल पर उतारने का निर्देश कार्यकारी एजेंसियों को दिया गया. वहीं प्रथम चरण में पांच प्राथमिक विद्यालयों में चहारदीवारी निर्माण का प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव प्रतिवेदित करने का निर्देश दिया. मौके पर डीसी ने कार्य कर रही कार्यकारी एजेंसियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि खासकर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आंगनबाड़ी के निर्माण, जीर्णोद्धार, उन्नयन आदि की योजनाओं में हर हाल में गुणवत्ता सुनिश्चित कराएं. उन्होंने जिला पुस्तकालय केंद्र को एक सप्ताह के अंदर में जनता को समर्पित करने के डेडलाइन का अनुपालन करने का निर्देश जिला अभियंता को दिया, ताकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आमजनों के लिए इसे खोला जा सके. मौके पर डीएमएफटी से भवनहीन 52 आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए समाज कल्याण पदाधिकारी से प्राप्त प्रस्ताव पर सहमति प्रदान करते हुए विभिन्न प्रमंडल विभाग को मॉडल प्राक्कलन के आधार पर एवं संबंधित अंचलाधिकारियों से समन्वय बनाकर विवादरहित भूमि चिह्नित कराते हुए निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया. इसके अतिरिक्त डीएमएफटी मद से मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों को उपलब्ध कराए गए संसाधनों के सदुपयोग के लिए समाज आईपीएस आरिफ एकराम, सहायक समाहर्ता सुलोचना मीणा के अलावा यांत्रिकी विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं विभागीय पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे.

विश्व आदिवासी दिवस पर चर्चा-परिचर्चा और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। 10 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर हिंदी एवं राजनीति विज्ञान विभाग राधा गोविन्द विश्वविद्यालय की ओर से चर्चा-परिचर्चा और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनमीत कौर ने वैश्विक स्तर पर आदिवासी समाज की समस्याओं और उनके समाधानों की चर्चा की। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश ने सरकार द्वारा आदिवासियों के हित में जो संवैधानिक अधिकार निर्धारित किए गए हैं उनके बारे में विस्तार से अपनी बातें रखीं। साथ ही आदिवासी समाज के उत्थान हेतु कुछ उपाय भी सुझाए। डॉ. अंजनी कुमार मिश्रा, डॉ. सत्येन्द्र कुमार एवं डॉ. नीलम रुण्डा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और 'विश्व आदिवासी दिवस की चुनिंदा मानवाधिकार के तहत एक महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है' विषय पर प्रकाश डाला। इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस की थीम 'आदिवासी युवा' पर आधारित है जो कहीं-न-कहीं व्यसन और भटकाव के कारण अपनी सही उपस्थिति दर्ज नहीं करा पा रहे हैं। समेकित रूप से इन सभी बातों पर चर्चा-परिचर्चा की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में सुजाता को प्रथम, मनीषा को द्वितीय और लक्ष्मी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी व्याख्याताओं ने विद्यार्थियों को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चेचकप्पी मुखिया ने किया धोती-साड़ी व लुंगी का वितरण तथा पौधरोपण कार्यक्रम

बरकट्ठा। चेचकप्पी मुखिया द्वारा सोना सोबरन योजना के तहत धोती, साड़ी और लुंगी वितरण तथा पोधा रोपण कार्यक्रम किया गया। वहीं मुखिया रीता देवी ने औषधीय पौधों का रोपन कर पेड़ पौधों के महत्व को समझाया । कहा कि पेड़ पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम में शिक्षक बाबूलाल यादव, प्रदीप मेहता, सुखदेव हांसदा, राजेंद्र प्रसाद, ग्रामीण दशरथ सिंह,मोहन साव,मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव तथा अन्य लोग शामिल थे। साथ ही धोती, साड़ी और लुंगी जन प्रणाली दुकान के संचालक अनुप कुमार के लाभुकों के बीच वितरण की गई। लाभुकों में दशमी देवी, फुलवा देवी, मधुवा देवी, मंजू देवी, दिलीप मांझी, रामू मांझी, जग्गू सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

रोजगार मेला **बरही में नवीकृत पंचायत भवन का उद्घाटन, बोले बीडीओ**

अब सुचारू रूप से बैठेंगे प्रतिनिधि-अधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

बरही । गुरुवार को नवीकृत किए गए धनवार पंचायत भवन का बीडीओ सी आर इंदीवर, जिप उपाध्यक्ष किसून यादव, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता सहित उपस्थित अतिथियों ने फीता काटकर उद्घाटन किया. जिसकी अगुवाई कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्थानीय पंचायत मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने किया. मौके पर हेल्पिंग इंडिया की ओर से रोजगार मेला लगाया गया. जिसमें कुल 108 बेरोजगारों का निबंधन किया. विदित हो कि पंचायत भवन जीर्ण शीर्ण स्थिति में होने के कारण पंचायत कार्य प्रभावित हो रहा था. मुखिया के प्रयास से 15वीं वित्त के चार लाख अड़सठ हजार नौ सौ रुपए से पंचायत भवन का नवीकरण किया गया है. उद्घाटन समारोह में बोलते हुए बीडीओ ने बताया कि अब पंचायत की सभी योजनाएं पंचायत भवन से ही संचालित होंगी. ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव सहित सभी कर्मी पंचायत भवन से ही कार्य निष्पादित करेंगे. मुखिया ने उपस्थित लोगो का अभार जताते हुए पंचायतवासियों को हर संभव सुविधा और योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कही. मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, विहिप जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, डेगलाल पासवान, अजय कुशवाहा, उपमुखिया, कई वार्ड सदस्य सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

सीएचसी में फायलेरिया उन्मूलन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फाइलेरिया विलोपन को लेकर कार्यक्रम आयोजित की गयी।मुख्य अतिथि विधायक अमित कुमार यादव,प्रमुख रेणु देवी,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रत्ना रानी,बीस सूत्री प्रखण्ड अध्यक्ष प्रदीप मण्डल,सीओ श्रीकांत लाल मांझी, बीईईओ किशोर कुमार ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घघाटन किया।संबोधित करते हुए विधायक अमित कुमार यादव ने कहा सभी के प्रयास और जागरूकता से हम फाइलेरिया जैसी गंभीर बिमारी पर नियंत्रण पा सकते हैं। मौके पर उन्होंने फाइलेरिया रोधी दवा और एल्बेंडाजोल की एक खुराक खाकर लोगो को दवा खाने की अपील की।कहा कि फाइलेरिया के रोकथाम के लिए सामान्य व्यक्ति को भी फाइलेरियारोधी दवा खाना जरूरी है। वहीं बताया गया कि गर्भवती महिला ,दो वर्ष आयु से कम और गंभीर बीमारी से ग्रसित या अधिक उम्र के व्यक्ति को फाइलेरियरोधी दवा का सेवन नही करना है।पूरे देश मे फाइलेरिया विलोपन कार्यक्रम अभियान चलाए जा रहे है।वहीं प्रखण्ड में 25 अगस्त तक घर घर जाकर स्वास्थ्यकर्मी, आंगनबाड़ी सेविका, सहिया दी के द्वारा दवा खिलाया जाएगा। कार्यक्रम में बीपीएम रंजीत कुमार, भावेश कुमार सिंह, सोनी रविदास, मिथलेश भारती, राकेश कुमार, रूपलाल कुमार, प्रकाश पंडित समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

NEWS इन ब्रीफ

हांगचो 2023 से 2026 तक लगातार चार विश्व बैडमिंटन वर्ल्ड टूर फाइनल की मेजबानी करेगा

बीजिंग। रिपोर्टों के अनुसार, विश्व बैडमिंटन महासंघ ने 9 अगस्त को पुष्टि की कि चीन का हांगचो शहर साल 2023 से 2026 तक लगातार चार विश्व बैडमिंटन वर्ल्ड टूर फाइनल की मेजबानी करेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ के महासचिव थॉमस लुंड ने कहा कि हांगचो में उत्कृष्ट खेल बुनियादी ढांचा और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी का समृद्ध अनुभव है, जो इसे विश्व बैडमिंटन महासंघ वर्ल्ड टूर फाइनल की मेजबानी के लिए एक आदर्श शहर बनाता है। हांगचो में बैडमिंटन का व्यापक जनाधार है और सभी स्तरों की गैर-सरकारी प्रतियोगिताएं साल भर होती हैं। हांगचो ने कई उत्कृष्ट चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी तैयार किए हैं, जिनमें फू छुन-अ, सांग यांग, वांग लिन आदि शामिल हैं। इस साल का विश्व बैडमिंटन महासंघ वर्ल्ड टूर फाइनल 13 से 17 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा।

रियल मैड्रिड के युवा खिलाड़ी अरिबास अल्मेरिया में शामिल

मैड्रिड। आगामी ला लीगा सीजन के लिए तैयारी करते हुए, अल्मेरिया ने रियल मैड्रिड से सर्जियो अरीबास को खरीदकर अपनी फॉरवर्ड लाइन को मजबूत किया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो अभियानों में रियल मैड्रिड की बी-टीम, रियल मैड्रिड कैस्टिला के लिए शीर्ष स्कोरर का खिताब जीतने वाले 21 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम के साथ पांच साल का अनुबंध किया है। हालाँकि अरिबास को रियल मैड्रिड के यूएसए के प्री-सीजन दौरे में शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने चार मुकाबलों में केवल 30 मिनट की कार्रवाई देखी।

बीडब्ल्यूएफ : निशिमोतो से भिड़ेंगे किदांबी, सिंधु को मिला बाई

एजेंसी। कुआला लंपुर

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले राउंड में भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु को बाई दिया गया है, जबकि किदांबी श्रीकांत जापान के केंता निशिमोतो के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेंगे। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को ड्रॉ आयोजित होने के बाद इसकी पुष्टि की। कुल 16 भारतीय शटलर ड्रॉ का हिस्सा थे, जिनमें से चार एकल स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

केवल एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी को शीर्ष 10 में वरीयता दी गयी है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु (16वीं वरीयता प्राप्त) दूसरे राउंड से अपने अभियान की शुरूआत करेंगी जहां उनका मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा और विवतनाम की थुए लिन्ह नुयेन में से किसी एक से भिड़ेंगी। दूसरी वरीयता प्राप्त और पिछले संस्करण के कांस्य पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग

शेट्टी को भी बाई मिली है। विश्व की नंबर दो पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में आयरलैंड के जोशुआ मैगी/पॉल रेनॉल्ड्स या ऑस्ट्रेलिया के केनेथ झे हुई चु/मिंग चुएन लिम से भिड़ेगी। भारत के एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की स्टार तिकड़ी पुरुष एकल में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। पहले दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का मुकाबला फिनलैंड के काले कोलजोनेन से होगा, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य का मुकाबला मॉरीशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल से होगा। महिला युगल प्रतियोगिता में 15वीं वरीयता प्राप्त त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई/यांग चिन तुन या एस्टोनिया की केटी-क्रीट मरान/हेलिना रूटेल से भिड़ेगी।

अश्विनी भट्ट के. और शिखा गौतम की दूसरी भारतीय महिला युगल जोड़ी नीदरलैंड की देबोरा जिल और चेरिल सेनेन के खिलाफ क्वालीफिकेशन के लिए लड़ेगी। रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को पहले चरण में स्कॉटलैंड के ऐडम हॉल और जूली मेकफर्सन से भिड़ना होगा। इसी प्रतियोगिता में वेंकट प्रसाद और जूही देवांगन जर्मनी के जोन्स रैल्फी जैनसेन और लिंडा एफ्लर से भिड़ेंगे। बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का 28वां संस्करण 21 से 27 अगस्त के बीच डेनमार्क के कोपेनहैगन में खेली जायेगी। इस प्रतियोगिता की पांच अलग-अलग श्रेणियों में 55 देशों के 375 शटलर हिस्सा लेंगे।

स्वीयाटेक ने किया प्लिस्कोवा को हराकर राउंड 16 में प्रवेश

एजेंसी। मॉन्ट्रियल (कनाडा)

कठिन शुरूआती सेट के बाद, इगा स्वीयाटेक ने यहां कैनेडियन ओपन के राउंड 16 में आगे बढ़ने के लिए कैरोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ अपनी लय हासिल की। बुधवार रात प्लिस्कोवा के खिलाफ 7-6 (6), 6-2 से जीत के साथ, वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक ने अब लगातार 30वीं बार अपना पहला मैच जीता है। अगर वह गुरुवार को कैरोलिना मुचोवा के खिलाफ जीत हासिल करती है और कनाडाई ओपन में क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ती है, तो स्वीयाटेक 72वें सप्ताह तक शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखेगी। नंबर 14 वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा ने सोराना क्रिस्टिया पर 7-5, 6-4 से जीत दर्ज की। इस बीच, दुनिया की नंबर 2 आर्यना सबालेंका ने नंबर 35 पेट्रा मार्टिक को 6-3, 7-6(5) से हराकर राउंड 16 में प्रवेश कर अपने अभियान की शुरूआत की। पिछले महीने विंबलडन सेमीफाइनल में ओन्स जाबौर से हारने के बाद अपना पहला मैच खेल रही सबालेंका ने पहले सेट में आसानी से जीत हासिल की लेकिन दूसरे सेट में उन्हें 72 मिनट तक संघर्ष करना पड़ा।

भारत-पाकिस्तान मैच के दबाव पर कुंबले ने कहा

केन्या से हारो लेकिन पाक से नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के महान लेग स्पिनर और पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने खुलासा किया कि उनके खेल करियर में, भारत-पाकिस्तान मैचों का प्रचार इतने उच्च स्तर पर था कि अगर टीम केन्या से हार भी जाती तो प्रशंसकों को कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ नहीं। भारत 2 सितंबर को केंडी के पल्लेकेल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 50 ओवर के एशिया कप 2023 के ग्रुप चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। यदि भारत और पाकिस्तान सुपर फोर चरण में पहुंचते हैं, तो उनका कोलंबो में आमना-सामना होना तय है। भारत और पाकिस्तान पुरुष वनडे विश्व कप के लीग चरण में 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आमने-सामने होंगे।

कुंबले ने बेंगलुरु में अनुभवी क्रिकेट प्रशासक अमृत माथुर द्वारा लिखे गए संस्मरण पिचसाइड के लॉन्च के दौरान कहा, हमारे समय में, यह शब्द था 'केन्या से भी हारें लेकिन पाकिस्तान से नहीं।' कुंबले, जो 2016 से 2017 तक भारत के मुख्य कोच भी थे, को 1999 में नई दिल्ली में खेले गए टेस्ट मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 74 रन देकर ऐतिहासिक 10 विकेट लेने के लिए याद किया जाता है। पाकिस्तान के खिलाफ 34 एकदिवसीय मैचों में, कुंबले ने 54 विकेट लिए हैं। मैं 10 विकेट लेने के बारे में सोचकर मैदान पर नहीं गया था, हालांकि यह किसी भी गेंदबाज का सपना होता है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ अगले टेस्ट मैच, कोलकाता में एशियाई टेस्ट चैंपियनशिप में, मैं एक विकेट लेने के लिए भी संघर्ष कर रहा था। उन्होंने कहा, "यह आपके लिए क्रिकेट का खेल है।" इस कार्यक्रम में कुंबले के अलावा भारत के पूर्व बल्लेबाज और वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, साथ ही पूर्व भारतीय विकेटकीपर और 1983 वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य सैयद किरमानी मौजूद थे। कुंबले ने अपने 18 साल के अंतर्राष्ट्रीय खेल करियर को 132 मैचों में 619 विकेट के साथ भारत के लिए टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले और कुल मिलाकर चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त किया। 271 वनडे मैचों में उन्होंने 337 विकेट लिए।

एशियाई खेल : स्वर्ण पदक जीत सकती है भारतीय महिला टीम : राजेश्वरी

एजेंसी। मुंबई

बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को लगता है कि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक से चूकने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करेगी। पिछले साल भारतीय टीम बर्मिंघम में महिला क्रिकेट के राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गयी थी, उसे फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार मिली थी। हाल के वर्षों में टीम को बड़े टूर्नामेंट के तीन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय महिला टीम ने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। गायकवाड़ ने पीटीआई को दिये साक्षात्कार में कहा, निश्चित रूप से, हम एशियाई खेलों में स्वर्ण

पदक जीतेंगे।' उन्होंने कहा, हम सभी बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ खेल चुके हैं, लेकिन हम उसके बारे में सोचते नहीं रह सकते, हमें अपनी टीम पर भरोसा है, हम स्वर्ण पदक जीत सकते हैं।' गायकवाड़ भारत के पिछले दौरे (बांग्लादेश के खिलाफ) पर टीम का हिस्सा नहीं थी, जिसमें टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला 2-1 से जीती जबकि वनडे शृंखला 1-1 से बराबर रही। गायकवाड़ ने कहा, मैं बांग्लादेश दौरे के दौरान रिहैबिलिटेशन में थी और आराम कर रही थी। ऐसा नहीं था कि मुझे टीम से बाहर किया गया था।'

भारत के लिए दो टेस्ट, 64 वनडे और 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी यह स्पिनर इस समय महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वारियर्स के भारतीय खिलाड़ियों के लिये लगे सत्र से इतर के शिविर में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, हमने शिविर में काफी अच्छा काम किया है। हमें किसी विशेष विभाग पर काम करने की जरूरत नहीं है लेकिन उन विभागों में सुधार कर सकते हैं जिसमें हम बेहतर कर सकते थे और हमारा ध्यान सिर्फ इसी पर लगा है।' गायकवाड़ ने कहा, हमारा ध्यान सभी विभागों में सुधार करने पर है, जिसमें क्षेत्ररक्षण, बल्लेबाजी और गेंदबाजी शामिल है। विशेषकर बल्लेबाजों ने अपने स्ट्रोक्स पर काम करने की कोशिश की है।'

ईडन गार्डन्स में बड़ा हादसा

वर्ल्ड कप की तैयारियों के बीच लगी आग

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले प्रतीक्षित 2023 वनडे विश्व कप से पहले कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन में आग लग गई। यह घटना बुधवार रात को हुई जिसके कारण स्टेडियम प्रबंधन ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया और आग पर नियंत्रित किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रेसिंग रूम की फॉल्स सीलिंग में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की संभावना है। नवीनीकरण के लिए आयोजन स्थल पर काम कर रहे लोग इससे चिंतित हो गए, जिसके कारण फायर स्टेशन ने आग बुझाने के लिए दो इंजन तैनात किए। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) के सचिव देवब्रत दास स्थिति का आकलन करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और उन्होंने कहा कि मामले की जांच

की जाएगी कि कर्मियों की किसी लापरवाही ने इसमें भूमिका निभाई या नहीं। चीजों की भव्य योजना को ध्यान में रखते हुए इस तरह के मामले अच्छे संकेत नहीं हैं, खासकर एकदिवसीय विश्व कप नजदीक होने पर। इस बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के प्रतिनिधियों ने नवीनीकरण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है। इसके अलावा ईडन गार्डन्स में हालिया झटके के कारण अगले महीने एक और निरीक्षण होने की संभावना है।

ट्रेंट बोल्ट को न्यूजीलैंड के वनडे विश्व कप अभियान में बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद

एजेंसी। माउंट मौंगानुई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा है कि वह फिर से देश का प्रतिनिधित्व करने और 5 अक्टूबर से होने वाले आगामी एकदिवसीय विश्व कप को जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए 'हमेशा की तरह' भूखे हैं। बोल्ट ने भारत में होने वाले मेगा इवेंट की तैयारी के तहत इंग्लैंड के खिलाफ आगामी शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की वनडे टीम में वापसी की है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज, जो पिछले साल अपने केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद प्रारूप में वापसी कर रहे हैं, 2015 और 2019 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में उपविजेता के रूप में समाप्त होने वाली न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बुलबुलेर से एक

तरह से दूर जाने के लिए एक साल पहले लेना आसान निर्णय नहीं था। मैं कभी नहीं चाहता था कि यह न्यूजीलैंड या फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बारे में हो। मैंने सिर्फ इस तथ्य का सम्मान किया कि मेरा करियर (केवल) इतने लंबे समय तक, और एक गेंदबाज के रूप में अपने शेष वर्षों का अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश की। निश्चित रूप से अभी भी देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उतना ही भूखा हूं, और उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में लोगों के साथ कुछ खास करूंगा। मैं कर सकता हूं।"

बोल्ट ने वे ओवल में चल रहे टीम के प्रशिक्षण शिविर में न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ बातचीत में कहा, "मेरे मन में हमेशा यह बात रही है कि वापस आऊं और एकदिवसीय विश्व कप की दिशा में काम करूं। वहां इतिहास शामिल है. पिछले अभियानों में हमारा समय बहुत रोमांचक रहा है। तो बस इसमें शामिल होने की भूख है, और उम्मीद है कि एक बड़ी भूमिका निभाऊंगा। मैं बस कुछ ऐसी चमकदार चीज उठाने के बारे में सोच रहा हूं जिसके हम चार साल पहले काफी करीब थे। यह सबसे बड़ा फोकस है।

बोल्ट 39 विकेट के साथ वनडे विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से एक साल की अनुपस्थिति के दौरान उन्होंने फ्रेंचाइजी टी20 लीग खेलीं। उन्होंने हाल ही में एमआई न्यूयॉर्क के लिए अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में यूएसए में उद्घाटन मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) ट्रॉफी जीती। वह आईपीएल 2023 में राजस्थान रॉयल्स, यूएई के आईएलटी20 में एमआई एमिरेट्स और ऑस्ट्रेलिया के बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अपने एक साल के अवकाश के बारे में बात करते हुए बोल्ट ने कहा कि वह फ्रेंचाइजी के अवसरों के लिए आभारी हैं, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे विश्व कप पर केंद्रित है।

इंग्लिश टीम ने हमारे साथ जश्न नहीं मनाया : स्मिथ

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खुलासा किया है कि इंग्लैंड ने अंतिम एशेज टेस्ट खत्म होने के बाद कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया के साथ ड्रिंक करने से इनकार कर दिया था। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ओवल मैदान पर खेला गया 5वां और अंतिम टेस्ट 5 दिन तक चला। इंग्लैंड ने 49 रन से यह मैच जीतकर शृंखला 2-2 से बराबरी पर समाप्त की। लेकिन इस मैच के बाद एक बवाल भी मचा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के साथ पारंपरिक जश्न मनाने से इनकार कर दिया था और ऑस्ट्रेलियाई टीम को ड्रेसिंग रूम से बाहर तक कर दिया गया था। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों टीमें बाद में एक नाइट क्लब में मिलीं। स्मिथ ने एसईएन रेडियो पर कहा, हमने कई बार दरवाजा खटखटाया। हम कुछ देर इंतजार कर रहे थे और एक समय

स्टोक्स बाहर आए और कहा 'दो मिनट' और लगभग एक घंटा बीत गया। हमने सोचा, 'हम यहां बैठे नहीं रह सकते। हम बीयर पीने जा रहे हैं या नहीं?" सभी थोड़ा तंग आ गए और हमने फैसला किया कि अब हमें यहां से चले जाना चाहिए।" इससे पहले, इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने कहा था कि इंग्लैंड की टीम अंतिम टेस्ट के बाद रिटायर हो रहे स्टुअर्ट ब्रॉड और मोइन अली के साथ-साथ उनके लंबे समय के फिजियो को एक विस्तृत विदाई दे रही थी, जिसके कारण हमें आस्ट्रेलियाई टीम के साथ पारंपरिक जश्न मनाने का समय नहीं मिला।

टूर्नामेंट

हॉकी इंडिया ने 100वीं कार्यकारी बोर्ड की बैठक बुलाई

एचआईएल के वित्तीय मॉडल को मिली मंजूरी

एजेंसी। चेन्नई

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को अपनी 100वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक का आयोजन किया। बैठक में देश में खेल के भविष्य को आकार देने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इस ऐतिहासिक बैठक की अध्यक्षता हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की के साथ-साथ हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह और हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष सेकर जे मनोहरन ने की। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष दातो तैयब इकराम और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) के अध्यक्ष फुमियो ओगुरा भी उपस्थित थे, दोनों को स्मारक स्मृति चिन्ह से भी सम्मानित किया गया। बैठक के दौरान चीन के हांगझू में इस साल के अंत में होने वाले आगामी एशियाई खेलों और हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पुनरुद्धार सहित विभिन्न मामलों पर चर्चा की गई। बैठक में हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड ने हॉकी इंडिया

लीग के लिए वाणिज्यिक एजेंसी बिग बैंग मीडिया वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित वित्तीय मॉडल को भी आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी, जिसके बाद एजेंसी औपचारिक रूप से हॉकी इंडिया लीग के लिए बाजार में उतरेगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, मैं आज यहां हॉकी इंडिया की 100वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक में शामिल होकर प्रसन्न और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सभा उस खेल के प्रति अटूट समर्पण की एक सदी की बैठक का प्रतिनिधित्व करती है जिसे हम प्यार करते हैं। आज, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम और एएचएफ अध्यक्ष फुमियो ओगुरा जैसे सम्मानित नेताओं के साथ, हम वैश्विक सहयोग और हॉकी के उत्थान के सामान्य लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। उन्होंने कहा, पिछले महीने, हमने अपनी मार्केटिंग एजेंसी द्वारा प्रस्तावित एचआईएल पुनरुद्धार योजनाओं की समीक्षा करने के लिए बैठक बुलाई थी, और आज कार्यकारी बोर्ड ने हॉकी इंडिया लीग के लिए बिग बैंग मीडिया वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित वित्तीय मॉडल को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी। एजेंसी को आधिकारिक तौर पर हॉकी इंडिया लीग के लिए बाजार में कदम रखने दें। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य बहुत उच्च गुणवत्ता वाली हॉकी का उत्पादन करना है, जो खेल को और भी ऊपर उठाने में मदद करेगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने अध्यक्ष की भावनाओं को दोहराते हुए कहा, मेरा मानना है कि हॉकी इंडिया लीग न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में खेलों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे भारतीय हॉकी खिलाड़ियों के साथ-साथ विदेशी खिलाड़ियों को भी प्रतिस्पर्धा करके अपने खेल को ऊपर उठाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा, कौशल और रणनीतियों का यह अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान न केवल खिलाड़ियों की क्षमताओं में सुधार करता है बल्कि खेल की गहरी समझ को भी बढ़ावा देता है, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने की अनुमति मिलती है। यह सब हॉकी के वैश्विक विकास में योगदान देगा।

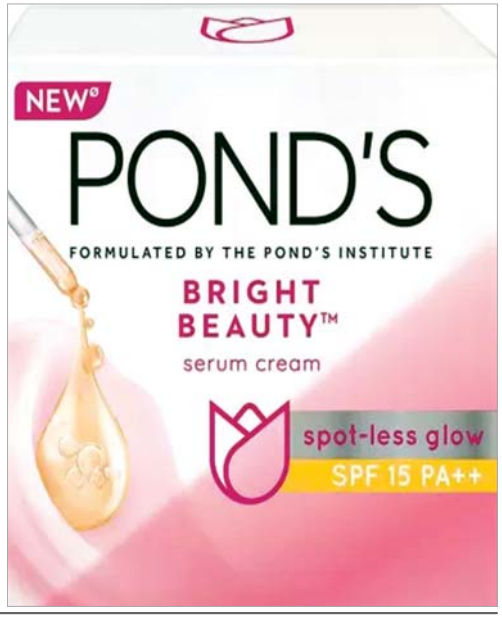

NEWS इन ब्रीफ

वित्त मंत्रालय ने सीमा शुल्क के नाम पर धोखाधड़ी से लोगों को किया आगाह

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने लोगों को भारतीय सीमा शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठने वाले धोखेबाजों से बचने को लेकर बुधवार को आगाह किया। वित्त मंत्रालय ने कहा, ह्यह्य भारतीय सीमा शुल्क विभाग व्यक्तिगत बैंक खाते में सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए कोई फोन नहीं करता या एसएमएस (संदेश) नहीं भेजता है। मंत्रालय ने कहा, भारतीय सीमा शुल्क के सभी संचार में एक डीआईएन (डायरेक्टर आइडेंटिफिकेशन नंबर) होता है जो सीबीआईसी (केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड) की वेबसाइट पर मौजूद है और उसे वहां से सत्यापित किया जा सकता है।

वी बिजनेस ने योट्टा डेटा सर्विसेज के साथ साझेदारी की

रांची। दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया की एंटरप्राइज शाखा वी बिजनेस ने अपने डेटा सेंटर कोलोकेशन एवं क्लाउड सर्विसेज पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए योट्टा डेटा सर्विसेज के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत वी बिजनेस उच्च गुण्वत्ता के डेटा सेंटर, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सर्विस डिलीवरी क्षमता में योट्टा की लीडरशिप का उपयोग करते हुए अपनी पहुंच को बढ़ाएगा तथा भारतीय उद्यमों की डिजिटल रूपान्तरण की यात्रा में योगदान देगा। वी बिजनेस योट्टा के साथ साझेदारी में अपने एंटरप्राइज उपभोक्ताओं को इंटीग्रेटेड कनेक्टिविटी, क्लाउड एवं सिक्योरटी समाधान उपलबध कराएगा। वी सभी प्रमुख डेटा सेंटरों एवं क्लाउड सेवा प्रदाताओं के साथ जुड़ा है तथा अपने हाई-स्पीड बैकबोन नेटवर्क पर आधुनिक समाधान जैसे कोलोकेशन, मैनेज्ड होस्टिंग, पब्लिक क्लाउड, डायरेक्ट क्लाउड कनेक्ट और सिक्योरिटी उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। साझेदारी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रोचक कपूर, एक्जक्टिव वाईस प्रेजीडेन्ट- कनेक्टिविटी-सिक्योरिटी, क्लाउड एण्ड बिजनेस ऑपरेशन्स, वी ने कहा, योट्टा के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है।

टाटा के पास जाने के बाद भी एयर इंडिया चल रहा घाटे में

अब नये रंग-रूप में आयेगी नजर, होगा बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली

एयर इंडिया का घाटे से पीछा नहीं छूट पा रहा है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइ एयर इंडिया को वित्त वर्ष 2023 में बड़ा नुकसान हुआ है। टाटा संस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया को 11,216.32 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। वहीं अगर राजस्व की बात करें तो इसने 37,928.70 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं। समूह ने एयर इंडिया के पुराने विमानों पर 5,103 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया है। वहीं एयर इंडिया की सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस एकमात्र प्रॉफिट कमाने वाली कंपनी रही है। वहीं एयर इंडिया की सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस एकमात्र प्रॉफिट कमाने वाली कंपनी रही है। वहीं अब जल्द ही एयर इंडिया नए रंग-रूप में सामने आने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 10 अगस्त को एक इवेंट

में एयरलाइन अपने रीब्रांडिंग का ऐलान कर सकती है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 116.84 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया है। जबकि अन्य समूह जैसे एयरएशिया इंडिया और विस्तारा ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान घाटा दर्ज किया है। एयर एशिया इंडिया ने वित्त वर्ष 22 में 2,178 करोड़ रुपये के मुकाबले 2,750 करोड़ रुपये का नेट लॉस दर्ज किया है। जबकि विस्तारा, जिसमें समूह की 51% हिस्सेदारी है, उसने पिछले वित्त वर्ष के 2,031 करोड़ रुपये के मुकाबले 1,393.34 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया।

टाटा समूह ने पिछले साल जनवरी में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। टाटा समूह अपने एयरलाइंस पोर्टफोलियो को मजबूत कर रहा है। इसके तहत एयरएशिया इंडिया और एयर एक्सप्रेस को कम लागत वाली एयरलाइन बनाने के लिए विलय कर दिया जाएगा, जबकि विस्तारा को पूर्ण सेवा एयरलाइन के रूप में संचालित करने के लिए एयर इंडिया में विलय कर दिया जाएगा। संयुक्त इकाई ने इस साल की शुरूआत में 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, नए विमानों का कुल ऑर्डर मूल्य 30 अरब डॉलर के करीब है। एयरलाइन के ब्रांड कलर से लेकर लोगो तक बहुत कुछ बदलने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एयरलाइन के ब्रांड कलर, पायलट और क्रू के यूनिफार्म से लेकर कई चीजों में बदल जाएंगी। एयर इंडिया के ट्रेडिशनल लाल और सफेद रंग में अब विस्तारा का पर्पल रंग भी जुड़ सकता है। इसके साथ कोर्णाक सन वाला लोगो भी कुछ बदलाव के साथ पेश हो सकता है। एयर इंडिया का कई साल से मासकॉट रहे महाराजा को भी हटाया जाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें पूरी तरह से अलविदा नहीं कहा जाएगा। महाराजा को एक नई भूमिका में एयरपोर्ट लाउंज और प्रीमियम क्लास में फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है।

टमाटर के बाद अब प्याज के दाम में आई तेजी

नई दिल्ली। मानसूनी बारिश से फसलों के बर्बाद होने के कारण देश बीते दो महीनों से टमाटर की कमी से जूझ रहा है, जिसके चलते टमाटरों के दाम 200 रुपए प्रति किलो से भी पार जा चुके हैं। महंगाई की मार झेल रहे लोगों को आगे आने वाले समय में इससे राहत मिलने की कोई उम्?मीद नहीं है क्योंकि टमाटर के बाद अब प्याज भी तेवर दिखाने वाला है। जानकारों की मानें तो साल में इन दिनों अक्सर प्याज के स्टॉक में गिरावट आती है। अगर यह जारी रहा तो प्याज के दाम बढ़ सकते हैं। पिछले चार महीनों में प्याज की कीमतें उचित बनी हुई हैं। अगस्त और सितंबर के महीने आमतौर पर कमजोर मौसम होता हैं। प्याज की अगली फसल अक्टूबर में होगी। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि प्याज की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर अगस्त के अंत में दिखने लगेगा। खुदरा बाजार में सितंबर की शुरूआत से प्याज की कीमतें 60 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने लॉन्च किया इको-फ्रेंडली डेबिट कार्ड

रांची। एयरटेल पेमेंट्स बैंक, बचत खाते वाले नए और मौजूदा, दोनों तरह के ग्राहकों के लिए इकोफ्रेंडली डेबिट कार्ड लॉन्च करने वाला पहला भारतीय बैंक बन गया है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक बैंकिंग लाइसेंस के साथ वृहद पैमाने पर काम करने वाली एकमात्र लाभदायक भारतीय फिनटेक कंपनी है। यह लॉन्च वित्तीय क्षेत्र में सतत विकास और इको-फ्रेंडली प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक, प्रमाणित इको-फ्रेंडली सामग्री, आर-पीवीसी से बने डेबिट कार्ड जारी करेगा, जो पर्यावरण की संरक्षण में सहायक सिद्ध होंगे। इस इको-फ्रेंडली सामग्री को अपनाने के साथ, एयरटेल पेमेंट्स बैंक पर्यावरण संरक्षण पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। लॉन्च के बारे में बोलते हुए, एयरटेल पेमेंट्स बैंक के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, गणेश अनंतनारायणन ने कहा, हमें अपने नए इकोफ्रेंडली डेबिट कार्ड पेश करते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है, जो रिसाइकल की जाने वाले मैटेरियल से बने हैं। एयरटेल पेमेंट्स बैंक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए संसाधनों के जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग और उत्पादन करने में विश्वास रखता है। ये कार्ड सतत विकास के हमारे समर्पण और सुरक्षित और आसान बैंकिंग प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। हमारा लक्ष्य वित्तीय उद्योग में सकारात्मक बदलाव लाकर, हमारे ग्राहकों को एक सहज और सुरक्षित भुगतान का अनुभव प्रदान करते हुए भारत में सभी के लिए सुलभ और समावेशी बैंकिंग प्रदान करना है।

अमेजॅन ने 62 लाख से अधिक एमएसएमई को बनाया डिजिटल

रांची। अमेजॅन इंडिया ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के क्रम की गई अपनी घोषणाओं के बारे में जानकारी साझा की। अमेजॅन की ओर से बताया गया कि उसने 62 लाख (6.2 मिलियन) से अधिक सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को संचयी रूप से डिजिटलीकृत किया है, लगभग 8 बिलियन डॉलर के संचयी निर्यात को सक्षम बनाया है और अब तक भारत में 13 लाख (1.3 मिलियन) से अधिक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष नौकरियों का सृजन किया है। अमेजॅन ने 1 करोड़ (10 मिलियन) एमएसएमई को डिजिटल बनाने, 20 बिलियन डॉलर के संचयी निर्यात को सक्षम करने और 2025 तक भारत में 20 लाख (2 मिलियन) नौकरियां पैदा करने का वादा किया था। अमेजॅन इन वादों को पूरा करने की राह पर अग्रसर है। लगभग दो साल पहले, अमेजॅन ने डिजिटल इंडिया की संभावनाओं का द्वार खोलने के इच्छुक प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप्स में निवेश करने के लिए 250 मिलियन डॉलर के अमेजॅन संभव वेंचर फंड की घोषणा की थी। वेंचर फंड उद्यमियों को भारत में नवोन्मेष, निर्माण करने और मेक इन इंडिया तैयार करने में सक्षम बनाने पर केंद्रित है। पिछले 24 महीनों में, वेंचर फंड ने 'फ्रेशटूहोम', एक्सवाईएक्सएक्स', 'हॉप्सकॉच', 'फिटरफ्लाई', 'कैशिफाई', 'माईग्लैम', 'एम1एक्सचेंज' और 'स्मॉल केस' सहित कई संगठनों में निवेश किए हैं। अमेजॅन इंडिया के इंडिया कंज्यूमर बिजनेस के कंट्री मैनेजर, मनीष तिवारी ने कहाः ह्लदेश भर में लाखों सूक्ष्म उद्यमियों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के साथ लगातार काम करते हुए, हम नए उपकरण, प्रौद्योगिकी और नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे भारतीय व्यवसायों की उद्यमशीलता उजागर होगी।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी

एसबीआई ने कमाई में छोड़ा पीछे

एजेंसी। नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है लेकिन प्रॉफिट के मामले में अब यह पिछड़ गई है। जून तिमाही में एसबीआई ने प्रॉफिट के मामले में मुकेश अंबानी की कंपनी को पीछे छोड़ दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही में 16,011 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है जबकि इस दौरान एसबीआई का प्रॉफिट 18,537 करोड़ रुपये रहा है। इसके साथ ही एसबीआई ने पिछली चार तिमाही में प्रॉफिट के मामले में भी रिलायंस को पीछे छोड़ दिया है। सितंबर 2022 से जून 2023 तक चार तिमाही में रिलायंस का मुनाफा 64,758 करोड़ रुपये रहा जबकि इस दौरान एसबीआई का प्रॉफिट 66,860 करोड़ रुपये रहा। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में यह पहला समय है जब एसबीआई ने लगातार चार तिमाहियों में प्रॉफिट के मामले में रिलायंस को पीछे

छोड़ा है। पिछले दो दशक में यह दूसरा मौका है जब एसबीआई ने चार तिमाहियों में रिलायंस से ज्यादा प्रॉफिट कमाया है। इससे पहले बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2012 में जुलाई-सितंबर तिमाही में 18,810 करोड़ रुपये का टीटीएम नेट प्रॉफिट कमाया था जबकि रिलायंस का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 18,588 करोड़ रुपये रहा था। ऐतिहासिक रूप से रिलायंस का मुकाबले ओएनजीसी और इंडियन ऑयल से हुआ करता था। पिछली बार रिलायंस को इंडियन ऑयल ने 2012-13 की जून तिमाही में मात दी थी। उससे पहले फाइनेंशियल ईयर 2012 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही तक ओएनजीसी प्रॉफिट के मामले में रिलायंस से आगे थी। जून तिमाही में रिलायंस के प्रॉफिट में करीब 11 परसेंट की गिरावट आई। रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल बिजनस में गिरावट के कारण कंपनी के प्रॉफिट में गिरावट आई। दूसरी ओर एसबीआई का मुनाफा रेकॉर्ड हाई पर रहा। जून तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 153.1 परसेंटउछला।

चीन को छोड़कर फिर अमेरिका के पाले में जाएगा सऊदी अरब

इजरायल संग डील पर अटकलें तेज

एजेंसी। रियाद

अमेरिका को छोड़कर चीन के गले मिल चुका सऊदी अरब अब अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है। अमेरिका किसी भी तरह से एक बार फिर से सऊदी अरब को अपने पाले में लाना चाहता है। अमेरिका और सऊदी अरब लंबे समय तक खाड़ी में सबसे करीबी सहयोगी रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका अब इजरायल के साथ सऊदी अरब की डील कराने में जुट गया है। अमेरिका चाहता है कि सऊदी अरब अब इजरायल को मान्?यता दे दे। विश्?लेषकों का कहना है कि इसके जरिए अमेरिका की कोशिश इससे पहले चीन की मदद से सऊदी अरब और ईरान के बीच हुई डील को जवाब देने की है। हालांकि सऊदी अरब इसके लिए तैयार होगा

या नहीं, इसको लेकर संदेह बना हुआ है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका अपनी पूरी ताकत से सऊदी अरब के साथ डील के लिए प्रयास कर रहा है। इसके तहत सऊदी अरब इजरायल को मान्यता देगा और चीन से दूरी बनाएगा। अमेरिका अगर ऐसा करने में सफल रहता है तो यह उसके लिए बहुत बड़ी राजनयिक जीत की तरह से होगा। अखबार ने दावा किया था कि इस समझौते के मसौदे को लेकर सहमति बन गई है लेकिन अब अमेरिका ने इसका खंडन किया है। अमेरिका के इस प्रयास से कई तरह से सवाल पैदा हो गए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक इस समझौते क्यों अंजाम दिया जा रहा है। इससे किसे फायदा होगा? हम किस पर भरोसा कर सकते हैं? जैसे सवालों पैदा हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता मुख्यतः इजरायल के लिए है।

चीन की प्रॉपर्टी मार्केट भी गंभीर सकंट में

दिवालिया होने की कगार पर 'कंट्री गार्डन' कंपनी

एजेंसी। बीजिंग

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में डिफ्लेशन शुरू होते ही इसका सबसे बुरा असर प्रॉपर्टी मार्केट पर हो रहा है। डिफ्लेशन जिसे अपस्फीति भी कहते हैं, की स्थिति तब बनती है जब सामान के दाम लगातार घटना शुरू हो जाते हैं। मंहगाई कम होना अच्छी बात है लेकिन इसके कम होने से चीन की इकॉनमी पर नेगेटिव प्रभाव पड़ना तय है। सबसे बुरा हाल तो चीन के रियल एस्टेट सेक्टर का बताया जाता है। चीनी रियल एस्टेट कंपनियों पर दोहरी मार पड़ रही है। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट सेक्टर का 30 फीसदी योगदान बताया जाता है। अंदाजा लगा सकते हैं कि अगर चीन में रियल एस्टेट कंपनियां डूबती हैं तो चीन की इकॉनमी को कितना बड़ा धक्का लगेगा। मांग नहीं होने की वजह से घर बिक नहीं रहे, तो कमाई नहीं हो पा रही है। सरकारी आकड़ों के मुताबिक 2022 के सितंबर महीने में प्रॉपर्टी मार्केट की ग्रोथ 26.8 फीसदी तक घट गई थी। कमाई नहीं हो रही तो कंपनियां कर्जदारों को पैसे लौटा नहीं पा रही हैं और दिवालिया होने की कगार पर पहुंच रही हैं। दिवालिया होने की कगार पर 'कंट्री गार्डन'। घर नहीं बिकने की वजह से रियल एस्टेट कंपनी 'कंट्री गार्डन' को आर्थिक तंगी हो गई है।

लॉन्च की तैयारी | क्या चांद पर होगी दोस्त रूस के साथ भारत की टक्कर

रूस 50 साल के बाद चांद पर जाने को तैयार

एजेंसी। मॉस्को

रूस और भारत दोनों पिछले करीब सात दशकों से पक्के दोस्त और अब दोनों ही दोस्त अपनी दोस्ती को चांद तक लेकर जा रहे हैं। जी हां, जहां भारत का लूनर मिशन चंद्रयान-3 चांद से कुछ ही दूरी पर है तो वहीं रूस 11 अगस्त का अपना मिशन लूना-25 लॉन्च करने की तैयारी कर चुका है। भारत का दोस्त करीब 50 साल के बाद चांद पर जाने को तैयार है। ऐसे में हर किसी के मन में बस यही सवाल आ रहा है कि चंद्रयान-3 या फिर लूना-25 चांद के रास्ते पर बाजी कौन मारेगा और किसके कदम चंद्रमा के सबसे मुश्किल हिस्से दक्षिणी ध्रुव पर पहले पड़ेंगे?

रूस ने सन 1976 में अपना आखिर लूनर मिशन लॉन्च किया था। 47 साल बाद शुक्रवार को यह अपना पहला लूनर लैंडर चांद की तरफ

रवाना करेगा। यह मिशन ऐसे समय पर लॉन्च होगा जब भारत का चंद्रयान-3 चांद पर लैंडिंग से बस कुछ ही दिन दूर होगा। ऐसे में सवाल है कि चंद्रमा की सतह पर उनके उतरने की लूना-25 की समयसीमा क्या चंद्रयान-3 से मैच होगी? इसका जवाब भारतीय अंतरिक्ष संस्था इसरो की तरफ से दिया गया है। इसरो ने बताया है कि चंद्रयान बुधवार को चांद की सतह के करीब पहुंच गया है। इसरो का चंद्रयान - 3 की कक्षा 174 किमी X 1437 किमी तक कम हो गई है। अब 14 अगस्त को एक पड़ाव होगा। रूस की राजधानी मॉस्को से करीब छह हजार किलोमीटर दूर पूर्व में वोस्तोचन कॉस्मोड्रोम से लॉन्च होने के बाद इसे चांद तक पहुंचेन में करीब चार हफ्ते लगेंगे। वहीं, चंद्रयान-3, 23 अगस्त को साउथ पोल पर लैंडिंग कर सकता है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने न्यूज एजेंसी को बताया है कि उसके लूना-25 अंतरिक्ष यान को चंद्रमा पर उड़ान भरने में पांच दिन लगेंगे और फिर ध्रुव के पास तीन संभावित लैंडिंग स्थलों में से एक पर उतरने से पहले लूना-25 चांद की कक्षा में पांच से सात दिन बिताएगा। रोस्कोस्मोस की मानें तो लूना-25 और चंद्रयान-3, दोनों मिशन एक-दूसरे के रास्ते में नहीं आएंगे। एजेंसी के मुताबिक दोनों मिशन में लैंडिंग के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की योजना है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोमॉस के मुताबिक ऐसा कोई खतरा नहीं है कि दोनों मिशन एक-दूसरे से टकराएंगे या फिर हस्तक्षेप करें। चांद पर सभी के लिए पर्याप्त जगह है। चंद्रमा का साउथ पोल एक उबड़-खाबड़ वाला इलाका है और लैंडिंग को बहुत मुश्किल बना देता है।

पेज एक के शेष

लोकसभा में गिरा ...

अपराधी से भी जोड़ने की कोशिश की। उसी दौरान संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उन्हें अपने शब्द वापस लेने को कहा लेकिन वे नहीं माने। प्रधानमंत्री के भाषण के बीच में विपक्षी दलों के सदस्य नारे लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। विपक्ष मणिपुर पर प्रधानमंत्री से बोलने की मांग कर रहा था। प्रधानमंत्री के भाषण के अंत में पेश अविश्वास प्रस्ताव भी विपक्ष की अनुपस्थिति में ध्वनिमत से गिर गया। इसके बाद अध्यक्ष ने भाजपा सांसद विरेन्द्र सिंह मस्त और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के व्यवहार पर सवाल उठाया। इस पर विरेन्द्र सिंह मस्त ने अध्यक्ष से माफी मांगते हुए कहा कि वे अपने नेता की बुराई सहन नहीं कर पाए थे। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस से नेता सदन लगातार मंत्रिगण और प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान हस्तक्षेप कर रहे थे। वे बिना किसी तथ्य के आरोप लगाते रहते हैं। वे प्रस्ताव करते हैं कि उनका विषय सदन की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए। साथ ही जब तक विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट और सिफारिशें मिल नहीं जातीं, उन्हें सदन से निलंबित रखा जाए। इस प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से अनुमोदित कर दिया।

आदिवासियों का...

महोत्सव का आयोजन कर रही है। इसका मकसद आदिवासी पहचान को आगे बढ़ाना है। देश की सवा सौ की आबादी में 13 करोड़ आदिवासियों की पहचान मिटाने की साजिश चल रही है , लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। आदिवासियों की आदिकाल से अलग पहचान रही है और आगे भी बनी रहेगी।

अलग सरना कोड से आदिवासियों को क्या हासिल होगा? इस प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में जो आदिवासी समुदाय रहते हैं, उन्हें कुछ तो अलग पहचान मिलनी चाहिए। इतिहास में जो आदिवासियों की अलग जगह है, उसे क्यों समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है? इस पर हमें गंभीर मंथन करने की जरूरत है। अगर आदिवासियों को अलग पहचान दिलाना है तो उनके लिए कुछ तो अलग व्यवस्था होनी चाहिए। इसी कड़ी में हमारी सरकार ने सरना अलग धर्मकोड का प्रस्ताव विधानसभा से पारित कर केंद्र सरकार को भेजा है। जिस तरह आदिवासी अपने वजूद के लिए लंबा संघर्ष करते रहे हैं,आगे भी आदिवासी सरना अलग धर्म कोड के लिए भी लंबा संघर्ष करने के लिए तैयार हैं, और इसमें झारखंड के आदिवासी सबसे अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आपके दादाजी और पिताजी शोषण के खिलाफ लंबा संघर्ष किए हैं। आप आज सक्रिय राजनीति में हैं। आप पर आपके परिजनों का कितना प्रभाव दिखता है? इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती से भगवान बिरसा मुंडा और सिदो कान्हू जैसे वीर शहीद पैदा हुए हैं। जिन्होंने अंग्रेजों और महाजनों के शोषण तथा जुल्म के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने को बलिदान कर दिया। मेरे दादा जी और पिताजी इस कड़ी में लंबा संघर्ष किए हैं। मैं यह कह सकता हूं कि शोषण और जुल्म के खिलाफ उनका संघर्ष मेरे लिए प्रेरणा का काम किया है और जनरेशन- टू- जनरेशन यह मुझे विरासत में मिली है। इस महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री चम्पाई सोरेन, मंत्री जोबा माझी, मंत्री बादल, मंत्री हफीजुल हसन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल और मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

माओवादियों का ...

प्रमोद मिश्र का नाम वर्ष 2006 में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट की कंट्री रिपोर्ट्स ऑन टेररिज्म में भी सामने आया था। वह मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना अंत र्गत कसमा गांव का रहने वाला है। वह संगठन में सोहन दा, शुक्ला जी, कन्हैया, जगन भरत जी, नूर बाबा, बीबी जी, अग्नि और बाण बिहारी जैसे नामों से जाना जाता है। प्रमोद मिश्र को इसके पहले झारखंड पुलिस की एसटीएफ ने धनबाद के विनोद नगर से 14 मार्च 2009 को गिरफ्तार किया था। वहां उसने अपने रिश्तेदार के यहां पनाह ले रखी थी। सबूतों के अभाव में 2017 में जेल से निकलने के बाद वह एक बार फिर से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय हो गया था। दो साल पहले गया में एक परिवार के चार लोगों को नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप मे फांसी पर लटका दिया था। बताया जाता है कि उसने ही इन्हें फांसी पर लटकाने का हुक्म दिया था। एनआईए और पुलिस बीते कई महीनों से उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत थी। बीते तीन मई को उसके पैतृक आवास और रिश्तेदारों के घर पर एनआईए ने छापेमारी की थी।

यात्री ट्रेनों में ...

रेलवे - मध्य, पूर्वी, पूर्व मध्य, उत्तरी, उत्तर पूर्वी, पूर्वोत्तर सीमांत, उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी, दक्षिण मध्य, दक्षिण पश्चिमी, पश्चिमी और मेट्रो रेलवे/कोलकाता, रेलवे का परिचालन अनुपात 100 प्रतिशत अधिक था। 2021-22 के दौरान , मेट्रो रेलवे/कोलकाता का परिचालन अनुपात 432.19 प्रतिशत के साथ सबसे खराब रहा। इसका तात्पर्य यह है कि इन रेलवे का कामकाजी व्यय उनकी यातायात आय से अधिक था। कैग ने रेलवे को सुझाव दिया कि उसे यात्री परिचालन की लागत का गंभीरता से विश्लेषण करने और अपने घाटे को कम करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

फाइलेरियासिस को 2027 तक खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : डॉ. मांडविया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि भारत बहु-साझेदार और बहु-क्षेत्रीय लक्षित अभियान के माध्यम से वैश्विक लक्ष्य से तीन साल पहले 2027 तक लिम्फेटिक फाइलेरियासिस को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। मांडविया ने बृहस्पतिवार को यहां पूरे देश में दवा देने संबंधी वार्षिक राष्ट्रव्यापी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) पहल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जनभागीदारी और पूरी सरकार और पूरे समाज के दृष्टिकोण के माध्यम से हम देश से इस बीमारी को खत्म करने में सक्षम होंगे। दस अगस्त से शुरू हुए अभियान का दूसरा चरण इस बीमारी से मुक्त नौ राज्यों - असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के 81 जिलों को कवर करेगा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव और उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष ब्रजेश पाठक, ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री निरंजन पुजारी और असम के उनके समकक्ष केशब महंत और झारखंड के बन्ना गुप्ता डिजिटल माध्यम से उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा, प्रयास केवल दवाएं लेने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि मच्छरों के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों को खत्म करने में भी मदद करनी चाहिए जिसके बिना हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रगति काफी हद तक बाधित होगी। केंद्रीय मंत्री ने स्वस्थ राष्ट्र सुनिश्चित करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों के बीच तालमेल बढ़ाने पर भी जोर दिया।

देश चिकित्सा प्रौद्योगिकी-उपकरणों का वैश्विक केंद्र बनने को तैयार

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि भारत चिकित्सा प्रौद्योगिकी और उपकरणों का वैश्विक केंद्र बनने के लिए तैयार है, जिसका बाजार आकार 2050 तक 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। राजधानी में इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को देश में उभरते हुए क्षेत्रों में से एक माना जाता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार देश को चिकित्सा उपकरणों के लिए विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 भारत में चिकित्सा उपकरणों के पारिस्थितिकी तंत्र की दृश्यता को बढ़ाएगा और भारतीय मेडटेक क्षेत्र के लिए एक ब्रांड पहचान बनाएगा। उल्लेखनीय है कि इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 17-19 अगस्त 2023 को गांधीनगर, गुजरात में जी20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के मौके पर आयोजित किया जाएगा।

लश्कर के 6 सहयोगी आतंकवादी गिरफ्तार

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा के दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए संगठन के छह आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरूवार को यह जानकारी दी है। पुलिस ने आज यहां बताया कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला और बडगाम जिलों के सीमावर्ती शहर उरी में आतंकवादी संगठन के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने यहां जारी बयान में कहा कि बारामूला पुलिस और सेना की 16 सिखली के संयुक्त बलों ने चुरुंडा उरी में संयुक्त गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को इलाके में घूमते हुए देखा और उसने गश्ती दल को देखते हुए भागने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त बलों ने चतुराई से उस व्यक्ति पकड़ लिया गया। उसकी निजी तलाशी के दौरान उसके पास से दो ग्रेनेड बरामद हुए है जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि उसकी पहचान चुरुंडा उरी के शौकत अली अवान के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने अपने साथियों अहमद दीन और मोहम्मद सादिक खटाना के नामों का खुलासा किया, जो कि चुरुंडा के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि दोनों संदिग्ध के पास से दो ग्रेनेड, एक चीनी पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन और चार जिंदा राउंड बरामद हुए। पुलिस ने कहा, आरोपी पाकिस्तान स्थित आकाओं के इशारे पर सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लश्कर के आतंकवादियों को इसकी जानकारी देने में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एक अलग अभियान में, पुलिस और सुरक्षा बलों ने बडगाम में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सेना की 62 आरआर के साथ मिलकर जिला बडगाम के खानसाहब इलाके में तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तान आतंकवादी सहयोगियों की पहचान कैसर अहमद डार, ताहिर अहमद डार और अकीब राशेद गनी के रूप में हुई है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि उनके कब्जे से एक चीनी हैंड ग्रेनेड, दो मैगजीन और 57 जिंदा राउंड सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

NEWS इन ब्रीफ

राष्ट्रपति ने वी.वी. गिरी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति वी.वी. गिरि को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति के अलावा राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी वी.वी. गिरि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। देश के चौथे राष्ट्रपति वी.वी. गिरी का जन्म 10 अगस्त 1894 को ओडिशा के बेरहमपुर गांव में हुआ था।

ईडी ने गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी के भाई की संपत्ति जब्त की

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी के भाई अशोक कुमार की संपत्ति जब्त कर ली है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करूर में करूर-सलेम रोड पर अंडानकोइल पूर्व में अशोक कुमार की संपत्ति की तलाशी ली। आरोप थे कि अशोक कुमार 2.49 एकड़ जमीन पर सेंथिल बालाजी के फंड से एक विशाल हवेली का निर्माण कर रहे हैं। संपत्ति अशोक कुमार की पत्नी निर्मला के नाम पर पंजीकृत थी और मेलाकारुर उप रजिस्ट्रार कार्यालय में पंजीकृत थी।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को 'सोलर एक्सप्रेस-वे' बनाएगी सरकार

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के साथ ही औद्योगिक गलियाओं और विशेष तौर पर हाइवे के रखरखाव और सुविधाओं में वृद्धि के लिए प्रयासरत योगी सरकार अब नवीकरणीय ऊर्जा के तौर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल करने जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर ऊर्जा से लैस करने की अनूठी पहल को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल, यूपीडा द्वारा एक 'एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट' का लेटर जारी किया गया है। इसके अनुसार, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सोलर एक्सप्रेस-वे में परिवर्तित करने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा तैयार

कर ली गई है और पूरी योजना को पीपीपी मॉडल के अंतर्गत वृहद स्तर पर सोलर पैनल इंप्लांटेशन के जरिए मूर्त रूप दिया जाएगा। यूपीडा द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 296 किमी लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर ऊर्जा चालित एक्सप्रेस-वे के तौर पर विकसित करने की कार्ययोजना पर चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के निर्देश पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है।

अविश्वास प्रस्ताव हमारे लिए भाग्यशाली यह विपक्ष के लिए शक्ति परीक्षण है : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि अविश्वास प्रस्ताव भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के लिए भाग्यशाली है, क्योंकि शक्ति परीक्षण एनडीए के लिए नहीं, बल्कि विपक्ष के लिए है, जिसने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कई सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और 'मैंने भी कुछ सदस्यों के भाषण सुने हैं'। यह कहते हुए कि देश के लोगों ने कई बार एनडीए सरकार पर अपना भरोसा दिखाया है। मोदी ने कहा, मैं यहां भारत के लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए हूं। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भगवान दयालु हैं और अगर वह ठान लेते हैं तो किसी भी माध्यम से लोगों की इच्छा पूरी करते

हैं। उन्होंने कहा, और मैं इसे आशीर्वाद मानता हूं कि भगवान ने विपक्ष को सुझाव दिया और वे (अविश्वास) प्रस्ताव लेकर आए। उन्होंने कहा, "2018 में भी जब विपक्ष के सदस्य अविश्वास प्रस्ताव लाए थे तो यह भगवान की इच्छा थी और तब भी मैंने कहा था कि यह हमारी सरकार का शक्ति परीक्षण नहीं है, बल्कि यह उनका (विपक्ष का) शक्ति परीक्षण है।"मोदी ने कहा, और जब वोटिंग हुई तो भी यही हुआ। वोटों की संख्या उन वोटों को नियंत्रित नहीं कर सकी जो उन्हें पहले मिले थे। इतना ही नहीं, जब हम जनता के पास गए तो लोगों ने विपक्ष के लिए अविश्वास की घोषणा कर दी और चुनाव में एनडीए के साथ-साथ भाजपा को भी ज्यादा वोट मिले। इसका मतलब है कि अविश्वास प्रस्ताव हमारे लिए भाग्यशाली है।"उन्होंने कहा, मैं देख सकता हूं कि आपने तय कर लिया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए और भाजपा अधिक बहुमत के साथ पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगे।अविश्वास प्रस्ताव विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) की ओर से कांग्रेस द्वारा लाया गया है। मंगलवार को इस बहस की शुरूआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को चर्चा में भाग लिया था। उनके यह कहने पर कि मणिपुर में 'भारत की हत्या' हुई है, सत्तापक्ष ने जोरदार हंगामा किया।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा की तैयारी

लाल किला, आईटीओ-राजघाट के आसपास धारा 144 लागू

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए राजघाट, आईटीओ और लाल किला के आसपास कई इलाकों में धारा 144 लगा दी है। पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) ने ट्वीट किया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राजघाट, आईटीओ और लाल किले के आसपास के सभी इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस उपायुक्त ने लिखा कि इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की सभा की अनुमति नहीं है। 15 अगस्त को 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से देश को संबोधित करेंगे।

अब सुप्रीम कोर्ट में क्यूआर कोड आधारित ई-पास से मिलेगा प्रवेश

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने गुरुवार को 'सुस्वागतम' नामक एक पोर्टल लॉन्च किया, जहां अधिवक्ता, वादी और अन्य नागरिक सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश के लिए क्यूआर कोड-आधारित ई-पास का अनुरोध कर सकते हैं। वेब-आधारित पोर्टल और मोबाइल-अनुकूल एप्लिकेशन वादियों और अन्य सभी को लंबी कतारों से बचाएगा, और शीर्ष अदालत में उन्हें पेपरलेस प्रवेश की सुविधा देगा। उपयोगकर्ता शीर्ष अदालत परिसर के प्रवेश और निकास द्वार पर अपने ईपास के क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं। प्रवेश/निकास सॉफ़्टवेयर उपयोगकर्ताओं को खुद को ऑनलाइन पंजीकृत करने और विभिन्न उद्देश्यों के लिए ई-पास का अनुरोध करने की अनुमति देता है - जैसे अदालत की सुनवाई में भाग लेना, कार्यालय ब्लॉक में जाना, वादियों का अधिवक्ताओं से मिलना, या प्रेस लाउंज में जाना आदी। सुस्वागतम पोर्टल का 25 जुलाई से एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में परीक्षण किया गया था और इसे यूजर्स से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। परीक्षण चरण में पोर्टल के माध्यम से 10,000 से अधिक ई-पास जारी किए गए। अपनी जरूरतों और पुलिस क्लीयरेंस प्रमाणपत्रों के आधार पर यूजर ई-पास के लिए अलग-अलग वैधता अवधि चुन सकते हैं। पोर्टल विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं के लिए भूमिका-आधारित सुरक्षित लॉगिन भी प्रदान करता है जहां वे अपनी पहचान का प्रमाण अपलोड कर सकते हैं और पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान अपनी लाइव फोटो खींच सकते हैं।

सातारा जिले में सड़क हादसे में 4 की मौत, 5 घायल

मुंबई। सातारा जिले में स्थित सूयार्चीवाड़ी इलाके में गुरुवार को सुबह भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 5 घायल हो गए हैं। सभी घायलों का इलाज सातारा के जिला अस्पताल में हो रहा है। इनमें से दो की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। सातारा जिले के पुलिस उपअधीक्षक अजय कोकाटे ने मौके का मुआयना किया। इसके बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोकाटे ने मीडिया को बताया कि सातारा जिले के खटाव तहसील के मायणी गांव के करीब दस भक्त देवदर्शन के लिए गुरुवार को सुबह वाहन से निकले थे।

कन्नड़ फिल्म 'भीमा' में एक साथ नजर आएंगी प्रिया भवानी शंकर और मालविका

प्रिया भवानी शंकर और मालविका शर्मा कन्नड़ फिल्म 'भीमा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में सुपरस्टार गोपीचंद मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, यह उनकी 31वीं फिल्म होगी। फिल्म ए. हर्ष द्वारा निर्देशित और श्री सत्य साईं आर्ट्स के बैनर तले के.के. राधामोहन द्वारा निर्मित है। फिल्म में दोनों हीरोइनों की बराबर अहमियत होगी। फिल्म का फर्स्ट लुक पहले गोपीचंद के जन्मदिन के दौरान जारी किया गया था और माचो हीरो के दमदार लुक को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इस हाई-बजट फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। फैमिली इमोशन्स से भरपूर यह फिल्म एक्शन एनटरटेंनर होगी। फिल्म 'भीमा' में विभिन्न शिल्पों की देखभाल करने वाले कुछ टॉप टेक्नीशियन होंगे। जहां स्वामी जे गौड़ा सिनेमैटोग्राफर हैं, वहीं 'केजीएफ' फेम रवि बसरूर म्यूजिक देंगे। रमाना वंका प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और किरण एडिटर हैं। अज्जू महंकाली डायलॉग लिखेंगे। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में राम-लक्ष्मण, वेंकट और डॉ रवि वर्मा द्वारा कोरियोग्राफ किए गए फाइट्स सीन्स होंगे।

दिशा पाटनी से ब्रेकअप के बाद टाइगर श्रॉफ की जिंदगी में नई 'दिशा'

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री दिशा पटानी रिलेशनशिप में थे, लेकिन डेढ़ साल पहले उनका ब्रेकअप हो गया। दोनों ने अपने ब्रेकअप का खुलासा तो नहीं किया, लेकिन एक इंटरव्यू में टाइगर ने कहा था कि वह सिंगल हैं। उसके बाद उन्हें और दिशा को एक साथ नहीं देखा गया। ऐसे में टाइगर की जिंदगी में एक और 'दिशा' को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। सूत्रों के हवाले से मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाइगर पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से एक लड़की को डेट कर रहे हैं। उनका नाम दिशा धानुका है और वह एक प्रोडक्शन हाउस में बड़े पद पर काम करती हैं।

भागीदारी आईएनएस सह्याद्री-कोलकाता समुद्री अभ्यास के लिए सिडनी पहुंचे

पहली बार मेजबानी करेगा ऑस्ट्रेलिया

जापान-अमेरिका की नौसेनाएं भी जहाजों और विमानों के साथ लेंगी हिस्सा

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया पहली बार क्वाड देशों की नौसेनाओं के मालाबार अभ्यास की मेजबानी कर रहा है। इस जटिल समुद्री अभ्यास में हिंद-प्रशांत पर चर्चा करने वाले शीर्ष नौसैन्य कमांडरों के साथ समुद्र और बंदरगाह दोनों चरण शामिल होंगे। अभ्यास में भारतीय नौसेना के स्वदेशी फ्रंटलाइन युद्धपोत आईएनएस सह्याद्री और आईएनएस कोलकाता हिस्सा लेने सिडनी पहुंच गए हैं। नौसेना कमांडर विवेक मधवाल के

मुताबिक रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी की मेजबानी में 11 से 21 अगस्त तक सिडनी में होने वाले मालाबार अभ्यास में भारत के अलावा अमेरिकी नौसेना (यूएसएन), जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) के जहाजों और विमानों की भागीदारी होगी। इस समुद्री अभ्यास की मालाबार श्रृंखला 1992 में भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना के बीच द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में इसका कद इतना बढ़ गया है कि इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र की चार प्रमुख नौसेनाओं को शामिल कर लिया गया है।

मालाबार अभ्यास के 2020 संस्करण में रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी की पहली भागीदारी देखी गई। इस वर्ष मालाबार का 27वां संस्करण है, जिसकी मेजबानी रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी (आरएएन) कर रही है। यह अभ्यास दो चरणों में होगा, हार्बर चरण में क्रॉस-डेक दौरे, पेशेवर आदान-प्रदान, खेल फिक्स्चर और समुद्री चरण की योजना और संचालन के लिए कई इंटरैक्शन जैसी व्यापक गतिविधियां शामिल होंगी। समुद्री चरण में युद्ध के सभी तीन क्षेत्रों में विभिन्न जटिल और उच्च तीव्रता वाले अभ्यास शामिल होंगे, जिसमें जीवित हथियार फायरिंग अभ्यास सहित सतह-रोधी, वायु-रोधी और पनडुब्बी रोधी अभ्यास शामिल होंगे। अभ्यास में शामिल होने वाला भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सह्याद्रि स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रोजेक्ट-17 क्लास मल्टी-रोल स्टील्थ फ्रिगेट्स का तीसरा जहाज है। वर्तमान में इसकी कमान कैप्टन राजन कपूर के पास है। आईएनएस कोलकाता स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रोजेक्ट-15ए श्रेणी के विध्वंसक जहाज का पहला जहाज है और इसकी कमान कैप्टन शरद सिंसुनवाल के पास है। दोनों जहाज मझगांव डॉक लिमिटेड, मुंबई में बनाए गए हैं और सतह, हवा और पानी के नीचे के क्षेत्रों में खतरों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिए अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस हैं।

'महिला प्रधान एक्शन फिल्में नहीं चलती' इस विचारधारा को तोड़ेंगी आलिया भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट 'हार्ट ऑफ स्टोन' के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां वह गैल गैडोट अभिनीत फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में आलिया जासूसी और साइबर वॉरफेयर को एक्सप्लोर करने वाली हाई-ऑक्टेन थ्रिलर में चैलेंजिंग रोल निभाती नजर आएंगी, वह केया धवन की भूमिका में है। दुनिया के सबसे टेलेंटेड और खतरनाक हैकरों में से एक केया

धवन के उनके किरदार से ग्लोबल ऑडियंस को आकर्षित करने और इंटरनेशनल टैलेंट के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद है। 'हार्ट ऑफ स्टोन' में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, आलिया ने साझा किया - अमेजिंग बात यह है कि दुनियाभर में नैरेटिव कैसे बदल रहे हैं। मैंने इसका एक्सपीरियंस भारत में भी किया है, जहां मैंने 'गंगूबाई' नामक फिल्म में काम किया था, जिसने दुनिया भर के सिनेमाघरों और नेटफ्लिक्स पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और यह एक ऐसी फिल्म थी जो सुर्खियों में आई थी।" ₹हम एक निश्चित विचारधारा से आते हैं कि एक एक्शन फ्रेंचाइजी में वुमन लीड फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी।